राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट

2019-20

नैम्स हाउस,
अंसारी नगर,महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110029

डाक का पताः

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

नैम्स हाउस, अंसारी नगर,

महात्मा गांधी मार्ग,

नई दिल्ली-110029

दूरभाषः

अकादमी: 011-26588718

अध्यक्षः 011-26588792

सचिवः 011-26589289

फैक्स नं.:

011-26588992

ई-मेलः nams_aca@yahoo.com

वेबसाइटः http://nams-india.in

विषय-सूची

		पृष्ठ सं.
	परिषद् - 2019-20	1
	अधिकारीगण एवं कार्यपालक कर्मचारी	2
	राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का संपादकीय मंडल	3-5
क.	**संगठनात्मक गतिविधियाँ**	**6-71**
	संगठनात्मक गतिविधियाँ एवं वार्षिक बैठक	8
	वार्षिक बैठक में अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार	9-22
	जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	23
	व्याख्यान और पुरस्कार	24-28
	नैम्ल अमृतसर पुरस्कार	29
	परिषद् की बैठकें	30
	अध्येताओं का निर्वाचन- 2019	30-34
	सदस्यों का निर्वाचन- 2019	35-48
	डीएनबी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए प्रस्तावित उम्मीदवार	49-54
	अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य	55
	व्याख्यान व पुरस्कार - 2019-20 के लिए चिकित्सा वैज्ञानिकों का नामांकन	56-59
	वर्ष 2019 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	60
	इमारत का रख-रखाव	61
	वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन	62-63
	मृत्युलेख	64
	12 अक्तूबर, 2019 को भोपाल में वार्षिक दीक्षांत समारोह में अध्यक्ष डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-I)	65-69
	12 अक्तूबर, 2019 को भोपाल में वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ (अनुबंध-II)	70-71
ख.	**शैक्षिक रिपोर्ट**	**72**
	सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम	72
	कार्यकलापों की रिपोर्ट 01 अप्रैल, 2019 - 31 मार्च, 2020	72-77

		पृष्ठ सं.
	बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का राज्यवार वितरण	78-79
	एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम (अनुबंध-III)	80-81
	बाह्यसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-IV)	82-105
	चिकित्सा वैज्ञानिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)	106
	अंतःसंस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट (अनुबंध-V)	107-113
	एनएएमएस अध्याय (अनुबंध-VI)	114-117
	एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य	118-119
	शैक्षणिक समिति एवं शैक्षणिक परिषद् की रिपोर्ट	120-121
	एनएएमएस वेबसाइट	122
ग.	**वित्तीय रिपोर्ट**	**123**
	सरकारी अनुदान	123
घ.	**लेखा**	124-164
ड़.	**1 अप्रैल, 2020 से 20 नवंबर, 2020 तक की गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं**	**165**
	परिषद् के नव-निर्वाचित सदस्य	165
	वर्ष 2020 के लिए निर्वाचित अध्येता और सदस्य	165-174
	संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम	175
	एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी	176
	वर्ष 2020 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार	176

परिषद् 2019-20

डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस, अध्यक्ष

स्वर्गीय डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस, तत्काल पूर्व अध्यक्ष*

डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस, उपाध्यक्ष

डॉ. मीरा रजानी, एफएएमएस, कोषाध्यक्ष

डॉ. कमल बक्शी, एफएएमएस

डॉ. जी. के. रथ, एफएएमएस

डॉ. मोहन कामेस्वरन, एफएएमएस

डॉ. संजीव मिश्रा, एफएएमएस

डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस

डॉ. पी. के. दवे, एफएएमएस

डॉ. शैली अवस्थी, एफएएमएस

डॉ. के. एस. गोपीनाथ, एफएएमएस

डॉ. सुरेश्वर मोहन्ती, एफएएमएस

डॉ. दिगम्बर बेहेरा, एफएएमएस

डॉ. ओम प्रकाश कालरा, एफएएमएस

लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वेलु नायर, एफएएमएस

डॉ. राजेश्वर दयाल, एफएएमएस

डॉ. नीरजा भटला, एफएएमएस

परिषद् के पदेन सदस्य

महानिदेशक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्

अध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड

अध्यक्ष, भारतीय चिकित्सा परिषद्

केंद्र सरकार के नामिती

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

* दिवंगत

अधिकारीगण 2019-20

अध्यक्ष	डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, एफएएमएस
कोषाध्यक्ष	डॉ. मीरा रजानी, एफएएमएस
तत्काल पूर्व अध्यक्ष	स्वर्गीय डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस
उपाध्यक्ष	डॉ. संजय वधवा, एफएएमएस

कार्यपालक कर्मचारी

मानद सचिव	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस
सलाहकार	डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस
(शैक्षणिक गतिविधियां)	(मार्च, 2019 से मार्च, 2020 तक)

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत का संपादकीय मंडल

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) का आधिकारिक प्रकाशन

प्रधान संपादक

संजीव मिश्रा
शल्यचिकित्सीय अर्बुद विज्ञान के निदेशक एवं आचार्य,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, भारत

संपादक

कुलदीप सिंह
बाल रोग के आचार्य एवं संकायाध्यक्ष,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, भारत

के. के. शर्मा
भेषजगुण विज्ञान के पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

दीप एन. श्रीवास्तव
विकिरण निदान के आचार्य,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

गोपाल नाथ
सूक्ष्म जीव विज्ञान के आचार्य,
आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय,
वाराणसी, भारत

इंदिरा शर्मा
मनोरोग की आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
हेरिटेज आयुर्विज्ञान संस्थान,
भदवार, वाराणसी, भारत

जगत राम
नेत्र रोग विज्ञान के आचार्य एवं निदेशक,
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

के. के. तलवार
हृद्य रोग के पूर्व आचार्य एवं निदेशक,
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

संपादक मंडल

अशोक कुमार सक्सेना
संज्ञाहरण विज्ञान एवं गहन देखभाल के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

भूपेन्द्र कुमार जैन
शल्य चिकित्सा के पूर्व आचार्य एवं संकायाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

देवेन्द्र मोहन थापा
निदेशक,
उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान क्षेत्रीय संस्थान,
शिलांग, मेघालय, भारत

एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव
अध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान केंद्र एवं
तंत्रिका विज्ञान की आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

मुकुंद एस. जोशी
विकिरण विज्ञान के पूर्व आचार्य,
लोकमान्य तिलक नगरपालिका सामान्य अस्पताल,
मुंबई, भारत

निरंजन खंडेलवाल
विकिरण निदान के पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

पी. के. दवे
पूर्व निदेशक, अस्थिरोग विज्ञान के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

पंकज भारद्वाज
सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा के आचार्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
जोधपुर, भारत

पीयूष गुप्ता
बालरोग के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत

मोहन कामेस्वरन
निदेशक,
मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान,
चेन्नई, भारत

प्रेमा रामाचंद्रन
निदेशक,
भारतीय पोषण प्रतिष्ठान,
नई दिल्ली, भारत

रणदीप गुलेरिया
निदेशक एवं पुल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार के आचार्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

रविंदर गोस्वामी
अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय के आचार्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

सरोज चूड़ामणि गोपाल
पूर्व कुलपति,
केजी चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं
बाल शल्य चिकित्सा की प्रतिष्ठित आचार्य,
बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी, भारत

संजय वधवा
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास के आचार्य
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

स्नेहलता देशमुख
बाल शल्य चिकित्सा की पूर्व आचार्य,
सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज एवं किंग एडवर्ड स्मारक अस्पताल,
मुंबई, भारत,
पूर्व कुलपति,
मुंबई विश्वविद्यालय,
महाराष्ट्र, भारत

शिल्पा शर्मा
बाल शल्य चिकित्सा की अपर आचार्य,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली, भारत

संजीव वी. थामस
तंत्रिका विज्ञान के आचार्य,
श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान,
तिरुवनंतपुरम, भारत

जयचंद्रन सदक्षाराम
मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान के आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
तमिल नाडु शासकीय दंत महाविद्यालय एवं अस्पताल,
चेन्नई, भारत

यू. एम. थाट्टे
नैदानिक भेषजगुण विज्ञान के आचार्य,
सेठ जीएस मेडिकल कॉलेज एवं किंग एडवर्ड स्मारक अस्पताल,
मुंबई, भारत

वी. के. शुक्ला
शल्य चिकित्सा के पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष,
आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय,
वाराणसी, भारत

योगेश के. चावला
पूर्व निदेशक एवं आचार्य,
यकृत विज्ञान विभाग,
स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान,
चंडीगढ़, भारत

अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार

प्रेम पुरी
राष्ट्रीय बाल अनुसंधान केंद्र,
अवर लेडी बाल अस्पताल,
क्रेमलिन, डबलिन, आयरलैंड

संपादकीय कार्यालय

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
नैम्स हाउस, अंसारी नगर,
महात्मा गांधी मार्ग,

नई दिल्ली-110029, भारत

सर्वाधिकार 2019 राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)। प्रकाशन, वितरण और बिक्री के अधिकार, साथ ही अनुवाद के अधिकार सहित सभी अधिकार सुरक्षित हैं। कॉपीराइट्स द्वारा कवर किए गए इस कार्य का कोई भी भाग किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से - किसी भी रूप में, ग्राफिक, इलेक्ट्रॉनिक, या यांत्रिक जिसमें फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, टेपिंग, या सूचना और पुनर्प्राप्ति प्रणाली शामिल हैं - द्वारा प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना प्रतिलिपि या पुनर्मुद्रित नहीं किया जा सकता है, ।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत एक वर्ष में चार बार जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्तूबर में इनके द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं - थिएम चिकित्सा एवं वैज्ञानिक प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, ए - 12, द्वितीय तल, सेक्टर - 2, नोएडा - 201301, उत्तर प्रदेश, भारत, फोन नंबरः +91-120-455-6649।

सदस्यता: ओपन एक्सेस जर्नल http://open.thieme.com पर निःशुल्क ऑनलाइन उपलब्ध हैं।

विज्ञापन संपर्कः विपणन, थिएम प्रकाशन दिल्ली, ए - 12, द्वितीय तल, सेक्टर - 2, नोएडा - 201301, उत्तर प्रदेश, marketing@thieme.in

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के वर्ष वृत्तांत डीओएजे में अनुक्रमणित हैं। थिएम चिकित्सा प्रकाशन क्रॉसरेफ इनिशिएटिव का एक सदस्य है।

संपादकीय टिप्पणियाँ journals@thieme.com को भेजे जाने चाहिएं। इस पत्रिका की सामग्री www.thieme-connect.com / products पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं। हमारी वेबसाइट www.thieme.com पर आएं और इस पत्रिका के लिए सीधा लिंक www.thieme.com/anams पर उपलब्ध है।

संगठनात्मक गतिविधियाँ

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

वार्षिक रिपोर्ट 2019-20

संगठानात्मक गतिविधियाँ

अकादमी के नियमानुसार अकादमी के सामान्य सरोकार, उसकी पिछले वर्ष की आय और व्यय तथा वर्ष के लिए अनुमान और अकादमी की समृद्धि या अन्यथा स्थिति पर एक रिपोर्ट, अकादमी की आम सभा के समक्ष उसकी वार्षिक बैठक में प्रस्तुत करनी होती है।

वार्षिक बैठक

59वीं वार्षिक बैठक 11, 12 और 13 अक्तूबर, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में आयोजित की गई। अकादमी का दीक्षांत समारोह 12 अक्तूबर, 2019 को आयोजित किया गया।

मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन, मुख्य अतिथि थे।

डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, अध्यक्ष, एनएएमएस ने अपने अध्यक्षीय भाषण में विशिष्ट अतिथियों, अकादमी के अध्येताओं और सदस्यों का स्वागत किया। अध्यक्षीय भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-I में दिया गया है।

मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन, मुख्य अतिथि ने दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। भाषण का पूरा पाठ अनुबंध-II में दिया गया है।

अध्येतावृत्ति और सदस्यता पुरस्कार

अध्येता

भोपाल में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2019 में निर्वाचित इक्कीस अध्येताओं को अध्येतावृत्ति प्रदान की गई तथा उन्होंने स्क्रोल प्राप्त किए। भर्ती किये गये अध्येताओं के नाम और संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. आलोक चंद्र अग्रवाल**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थि रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

2. **डॉ. अब्दुल सलाम अंसारी**

   सह आचार्य, प्रजनन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, उन्नत अध्ययन केंद्र, प्राणी विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

3. **डॉ. संदीप बंसल**

   अपर आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

4. **डॉ. मिहिर कुमार भट्टाचार्य**

   आईसीएमआर - प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, राष्ट्रीय हैजा और आंत्र रोग संस्थान, कलकत्ता। उनकी विशेषज्ञता संक्रामक रोग है।

5. **डॉ. जिया चौधरी**

   आचार्य, नेत्र रोग विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और पीजीआईएमईआर, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

6. **डॉ. माला धर्मलिंगम**

   आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह एवं अंतःस्त्राविकी है।

7. **डॉ. तीरथ दास डोगरा**

सलाहकार-आईक्यूएसी, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम। उनकी विशेषज्ञता न्यायिक चिकित्सा है।

8. **डॉ. रवींद्र कुमार गर्ग**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

9. **ब्रिगेडियर** (आचार्य) **अतुल कोतवाल**

उप महानिदेशक और आचार्य कमांडेंट, द्वारा डीजीएएफएमएस, एम ब्लॉक, रक्षा मंत्रालय और एसीएमएस, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

10. **डॉ. अब्बास अली महदी**

कुलपति, एरा विश्वविद्यालय, सरफराजगंज, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

11. **डॉ. सरोज कांता मिश्रा**

वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अंत: स्रावी शल्यचिकित्सा विभाग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता अंत: स्रावी शल्य चिकित्सा है।

12. **डॉ. अनंत मोहन**

आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

13. **डॉ. कुलकर्णी जगदीश नरहर**

रोबोटिक सर्जरी के निदेशक और मूत्र कैंसर विज्ञान के आचार्य, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, बॉम्बे अस्पताल आयुर्विज्ञान संस्थान, न्यू मरीन लाइन्स, मुंबई। उनकी विशेषज्ञता सर्जिकल कैंसर विज्ञान है।

14. **डॉ. प्रवीण शर्मा**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

15. डॉ. उर्वशी बी सिंह

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

16. **डॉ. सतीश के शुक्ला**

निदेशक, लक्ष्मी स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, नई पलासिया, इंदौर। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

17. **डॉ. संगीता तलवार**

उप प्रधानाचार्या, मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज कॉम्प्लेक्स, बीएसजेड मार्ग, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

18. **डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर**

आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीवविज्ञान है।

19. **डॉ. राजनारायण रामशंकर तिवारी**

निदेशक, आईसीएमआर - राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कमला नेहरू अस्पताल भवन, गांधी मेडिकल कॉलेज कैंपस, भोपाल। उनकी विशेषता व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य है।

20. **डॉ. कौशल के वर्मा**

आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग विज्ञान एवं रतिज रोग विज्ञान है।

21. **डॉ. सविता यादव**

आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

सदस्य

वर्ष 2015 में निर्वाचित 1, वर्ष 2017 में निर्वाचित 3, वर्ष 2018 में निर्वाचित 2 और वर्ष 2019 में निर्वाचित 65 सदस्यों सहित इकहत्तर सदस्यों को भोपाल में आयोजित दीक्षांत समारोह में सदस्य बनाया गया। भर्ती किए गए सदस्यों के नाम और उनके संबंधन नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. सैयद मोईद अहमद (2015)**

   आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, अलीगढ़। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

2. **डॉ. सौरभ अग्रवाल (2017)**

   सलाहकार, हड्डी रोग विभाग, इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल, सरिता विहार, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता हड्डी रोग शल्य चिकित्सा है।

3. **डॉ. राजीव गुप्ता (2017)**

   आचार्य, हृदय रोग विज्ञान विभाग, गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल। उनकी विशेषज्ञता हृदय रोग विज्ञान है।

4. **डॉ. संदीप महाजन (2017)**

   आचार्य, वृक्क विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता वृक्क विज्ञान है।

5. **डॉ. मृत्युंजय राठौर (2018)**

   सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर, छत्तीसगढ़। उनकी विशेषता शरीर रचना विज्ञान है।

6. **डॉ. वंदना रॉय (2018)**

   निदेशक, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषज गुण विज्ञान विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

7. **डॉ. प्रदीप अग्रवाल (2019)**

सह आचार्य, सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

8. **डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी (2019)**

वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (वैज्ञानिक 'एफ'), नैदानिक मनोभेषज गुण विज्ञान एवं तंत्रिका क्रिया विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु। उसकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

9. **डॉ. रूसी औलख (2019)**

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़। उसकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

10. **डॉ. सपना बाथला (2019)**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

11. **डॉ. श्री कृष्ण दत्त भारद्वाज (2019)**

वरिष्ठ सलाहकार हृदय रोग वैज्ञानिक, मुज़फ्फरनगर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मुजफ्फरनगर। उनकी विशेषज्ञता हृदय रोग विज्ञान है।

12. **डॉ. ए भास्करन (2019)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शल्य चिकित्सा विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता सामान्य शल्य चिकित्सा है।

13. **डॉ. निधि भाटिया (2019)**

अतिरिक्त आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान और गहन देखभाल विभाग, स्तर -4, नेहरू अस्पताल, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

14. **डॉ. देवेश भोई (2019)**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनके विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

15. **डॉ. प्रभात कुमार चौधरी (2019)**

सहायक आचार्य, विषमदंत विज्ञान प्रभाग, सीडीईआर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनके विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

16. डॉ. दिनेश के (2019)

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, श्री देवराज यूआरएस अकादमी मेडिकल कॉलेज, कोलार। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

17. **डॉ. शालिनी दीवान दुग्गल (2019)**

विशेषज्ञ, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, डॉ बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल, सेक्टर - 6, रोहिणी, जीएनसीटी दिल्ली, दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

18. **डॉ. गायत्री देवी डी आर (2019)**

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उसकी विशेषता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

19. **डॉ. सुकन्या गंगोपाध्याय (2019)**

सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

20. **डॉ. कामाक्षी गर्ग (2019)**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

21. **डॉ. संध्या गुलेरिया (2019)**

वरिष्ठ रेजिडेंट, बाल नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान एवं संधिवात विज्ञान, बाल रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

22. **डॉ. आशीष गुप्ता (2019)**

वैज्ञानिक 'एफ', शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबंद्ध विज्ञान रक्षा संस्थान, तिमारपुर, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

23. **डॉ. अंकुर गुप्ता (2019)**

सहायक आचार्य, हृदय रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता हृदय रोग विज्ञान है।

24. **डॉ. दीपक कुमार गुप्ता (2019)**

आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

25. **डॉ. दिव्या गुप्ता (2019)**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, हिमालयन चिकित्सा विज्ञान संस्थान, स्वामी राम नगर, जॉली ग्रांट, डोईवाला, देहरादून। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

26. **डॉ. पारुल चावला गुप्ता (2019)**

सहायक आचार्य, नेत्र रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उसके विशेषता नेत्र विज्ञान है।

27. **डॉ. मो. जसीम हसन (2019)**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, हमदर्द चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

28. **डॉ. पारुल जैन (2019)**

सहायक आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ। उसकी विशेषता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

29. **डॉ. शिखा जैन (2019)**

निदेशक और सलाहकार प्रजनन चिकित्सा, स्त्रीरोग एंडोस्कोपी ड्रीमज आईवीएफ, सी - 573, प्रथम तल, सरस्वती विहार, बाहरी रिंग रोड, पीतमपुरा, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग है।

30. **डॉ. प्रतिमा जायसवाल (2019)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज, कोटा। उसकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

31. **डॉ. अनिल खेतरपाल (2019)**

संस्थापक और निदेशक, खेतरपाल अस्पताल, एफ - 95, बाली नगर, मुख्य नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

32. **डॉ. तनुज कंचन (2019)**

अपर आचार्य, न्यायिक चिकित्सा और विष विज्ञान विभाग, कमरा नं. 3050, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी चरण- II, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता न्यायिक चिकित्सा है।

33. **डॉ. रितु करोली (2019)**

सह आचार्य, सामान्य चिकित्सा विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

34. **डॉ. ज्योति किरण कोहली (2019)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, मानव रचना डेंटल कॉलेज, फरीदाबाद। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

35. **डॉ. एम. एल. हरेंद्र कुमार (2019)**

प्राचार्य, कुलपति और विकृति विज्ञान आचार्य, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, तमका, कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

36. **डॉ. पंकज कुमार (2019)**

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश। उसकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

37. **डॉ. राजेश कुमार (2019)**

आचार्य, बाल रोग विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

38. **डॉ. संतोष कुमार (2019)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तपेदिक और श्वसन चिकित्सा विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

39. **डॉ. सुरेंद्र कुमार (2019)**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

40. **डॉ. आर मधु (2019)**

सहायक प्राध्यापक, त्वचा विज्ञान विभाग, रतिजरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग, मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई। उसकी विशेषज्ञता त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विज्ञान है।

41. **डॉ. रजनी माथुर (2019)**

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, दिल्ली फार्मास्यूटिकल विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, पुष्प विहार, सेक्टर-2, एमबी रोड, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

42. **डॉ. अनिल मेहता (2019)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, शासकीय मेडिकल अस्पताल, गांधी नगर, जम्मू। उनकी विशेषज्ञता, प्रसूति और स्त्री रोग है।

43. **डॉ. सतीश मिश्रा (2019)**

वरिष्ठ वैज्ञानिक, आणविक पराविज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, सीएसआईआर - केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 10, जानकीपुरम एक्सटेंशन, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीवविज्ञान है।

44. **डॉ. आशिक मोहम्मद (2019)**

विभागाध्यक्ष, नेत्र रोग जैव भौतिकी विभाग, एल. वी. प्रसाद नेत्र संस्थान, हैदराबाद। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

45. **डॉ. एस.एम. अज़ीम मोहिउद्दीन (2019)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, तमका, कोलार। उसकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान है।

46. **डॉ. शमरेन्द्र नारायण (2019)**

सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

47. **डॉ. सरला एन (2019)**

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, श्री देवराज उर्स उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी, तमका, कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

48. **लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) आशुतोष ओझा (2019)**

सह आचार्य, आंतरिक चिकित्सा विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, शोलापुर रोड, पुणे। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

49. **डॉ. भारत पालीवाल (2019)**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन देखभाल विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

50. **डॉ. अनु पाठक (2019)**

सह आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग है ।

51. **डॉ. मनीष पाठक (2019)**

अपर आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

52. **डॉ. सुरवि पात्रा (2019)**

सह आचार्य, मनोरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा। उनकी विशेषज्ञता मनश्चिकित्सा है।

53. **डॉ. के पुष्पांजलि (2019)**

कुलसचिव शिक्षाविद, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, एम. एस. रमैया प्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, संकाय दंत चिकित्सा विज्ञान, जीईएफ, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य - चिकित्सा है।

54. **डॉ. पूनम राज (2019)**

आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान और सिर व गर्दन और सलाहकार शल्य चिकित्सा, आर्मी अस्पताल (आर एवं आर), दिल्ली कैंट, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान है।

55. **डॉ. दिनेश राजाराम (2019)**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम. एस रमैया मेडिकल कॉलेज, एम. एस. आर. नगर, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

56. **डॉ. बिकास रंजन रे (2019)**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, दर्द चिकित्सा और गहन देखभाल, कमरा नं - 5012, 5 वीं मंजिल, टीचिंग ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

57. **डॉ. के.एन. शशिधर (2019)**

आचार्य, जैव रसायन विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, तमका कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

58. **डॉ. राहुल सक्सेना (2019)**

सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान। उसकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

59. **डॉ. विनुथा शंकर एमएस (2019)**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज कोलार, कर्नाटक। उसकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

60. **डॉ. अमित कांत सिंह (2019)**

आचार्य, भौतिकी विभाग, उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा, यूपी। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

61. **डॉ. अनामिका सिंह (2019)**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, उत्तर प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा, उत्तर प्रदेश। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

62. **डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा (2019)**

वरिष्ठ आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एस. एम. एस. मेडिकल कॉलेज, जेएलएन मार्ग, जयपुर। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

63. **डॉ. राकेश कुमार शर्मा (2019)**

कुलपति एवं आचार्य, प्रसूति विभाग और स्त्री रोग विभाग, डी. वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज, कोल्हापुर, महाराष्ट्र। उसकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग है।

64. **डॉ. सोनम शर्मा (2019)**

सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, कल्पना चावला शासकीय मेडिकल कॉलेज, करनाल, हरियाणा। उसकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

65. **डॉ. नरेश पाल सिंह (2019)**

आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, उत्तर प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा, उत्तर प्रदेश। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

66. **डॉ. शालिनी सिंह (2019)**

निदेशक और वैज्ञानिक 'जी', राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, नोएडा - 201303। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग है।

67. **डॉ. शिल्पा सुनेजा (2019)**

सह आचार्य, जैव रसायन विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

68. **डॉ. टी। एन। सुरेश (2019)**

आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, तमका, कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

69. **डॉ. साइमा वाजिद (2019)**

सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, रासायनिक और जैव विज्ञान विद्यालय, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

70. **डॉ. सुरभि वाधवा (2019)**

सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

71. **डॉ. क्लेमेंट विलफ्रेड डी (2019)**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज और शिक्षण अस्पताल, एमएसआर नगर, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 25 जुलाई, 2018 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत वर्ष 2018 के लिए डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए, जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। वर्तमान में नैम्स की अकादमिक समिति/ अकादमिक परिषद् की अध्यक्ष होने के साथ उन्होंने परिषद् सदस्य, अकादमी की अध्यक्ष, और अनेक स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है। वह पेशेवर अभ्यास में ईमानदारी एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता के लिए आजीवन निष्ठावान रही हैं। वह प्रतिबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर और योग्य शिक्षाविद रही हैं।

परिषद् ने 6 जुलाई, 2017 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत वर्ष 2017 के लिए डॉ. पी. के. दवे, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए, जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने हेतु अनुमोदित किया है। वर्तमान में नैम्स की भवन समिति का अध्यक्ष होने के साथ उन्होंने परिषद् सदस्य, अध्यक्ष, प्रतिष्ठित आचार्य और अनेक स्थायी समितियों के सदस्य के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है। वह पेशेवर अभ्यास में ईमानदारी एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नैतिकता के लिए आजीवन निष्ठावान रहे हैं। भारतीय अस्थि रोग व्यावसायिक संघ और राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी दोनों के लिए उनमें नेतृत्व गुण है। **डॉ.** पी. के. दवे पुडुचेरी में अपना जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त नहीं कर सके इसलिए उन्हें 2017 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार भोपाल में प्रदान किया गया।

व्याख्यान और पुरस्कार

मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन, मुख्य अतिथि ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में आयोजित दीक्षांत समारोह में वर्ष 2018-19 के लिए अकादमी के निम्नलिखित व्याख्यान/पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को पदक प्रदान किएः

व्याख्यान

डॉ. आर. वी. राजम व्याख्यान	डॉ. देविंदर मोहन थाप्पा, एफएएमएस निदेशक, उत्तर पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग - 793018, (मेघालय)।
व्याख्यान का शीर्षक	“त्वचीय एंथ्रेक्स - भारत में अभी भी एक वास्तविकता?”

कर्नल संघम लाल स्मारक व्याख्यान	डॉ. (ले. कर्नल) रवि कुमार अरुणाचलम, एफएएमएस निदेशक, नैदानिक सेवाओं के अध्यक्ष, ईएनटी, सिर और गर्दन शल्य चिकित्सा विभाग, श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय), संकायाध्यक्ष - शिक्षा, श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज एवं अनुसंधान संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय), पोरुर, चेन्नई - 600116।
व्याख्यान का शीर्षक	"स्वरयंत्रश्वासप्रणालीय स्टेनोसिस का प्रबंधनः स्वदेशी स्टेंट की भूमिका पर 10 वर्ष का

	अध्ययन"

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान	डॉ. गोपाल नाथ, एफएएमएस आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान, आयुर्विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी - 221005।
व्याख्यान का शीर्षक	"जीवाणुभोजी चिकित्सा: एंटीबायोटिक दवाओं के लिए एक वैकल्पिक, चूहे में प्रायोगिक अध्ययन"

डॉ. वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान	डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी, एफएएमएस निदेशक, राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, आयुर्विज्ञान संस्थान, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ - 226010 (उ. प्र.)।
व्याख्यान का शीर्षक	"क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकीमिया के प्रबंधन में सफलता और चुनौतियां"

डॉ. जे. एस. बजाज व्याख्यान	डॉ. माला धर्मलिंगम आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अंतःस्त्राविकी विभाग, कमरा नंबर 103, एम एस रमैया मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, न्यू बेल रोड, बंगलौर - 560054।
व्याख्यान का शीर्षक	"टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस और इसके नैदानिक प्रभाव के रोगजनक तंत्र"

डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान	डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, एफएएमएस आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029। (गत वर्ष 2017-2018)
व्याख्यान का शीर्षक	“स्ट्रोक के बाद पुनर्स्थापनात्मक उपचार: औषधियाँ, उपकरण और रोबोटिक्स”

पुरस्कार

दंत चिकित्सा जन स्वास्थ्य पुरस्कार	डॉ. एस. जयाचंद्रन, एमएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, मुख चिकित्सा एवं विकिरण विज्ञान विभाग, तमिलनाडु शासकीय दंत कॉलेज एवं अस्पताल, चेन्नई - 600003।
विषय: "ओरल सबम्यूकोस फाइब्रोसिस और स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में सीरम नाइट्रिक ऑक्साइड और सुपरऑक्साइड डिसम्यूटेस का महत्व: एक तुलनात्मक अध्ययन"	
डॉ. एस. एस. सिद्धू पुरस्कार	डॉ. राजीव बी वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली - 110029।
विषय: "कोन बीम परिकलित टोमोग्राफी छवि अभिविन्यास: तीन आयाम में सटीक अभिविन्यास तल की खोज"	
डॉ. अभया इंद्रायन पुरस्कार	डॉ. विष्णु वर्धन राव मेंडू निदेशक, राष्ट्रीय चिकित्सा सांख्यिकी संस्थान, (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद) स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।

विषय: "बच्चों के बीच मूत्र आयोडीन सांद्रता पर आयोडीन पुष्ट खाद्य पदार्थों के प्रभाव का आकलन करने के लिए समानांतर और क्रॉस-ओवर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणों के संयोजन का एक मेटा-विश्लेषण"	
डॉ. नन्दगुढ़ी सूर्यनारायण राव पुरस्कार	डॉ. स्मिता अस्थाना वैज्ञानिक ई, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद् - राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, 1-7, सेक्टर 39, नोएडा, जी. बी. नगर, उत्तर प्रदेश - 201301।
विषय: "निर्धूम तंबाकू प्रयोग एवं मुख कैंसर का संबंध: एक व्यवस्थित वैश्विक समीक्षा और मेटा-विश्लेषण"	
डॉ. तुलसी दास चुग पुरस्कार	डॉ. सरमन सिंह, एफएएमएस निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462020 (मध्य प्रदेश)
विषय: "फुफ्फुसीय और इतर-फुफ्फुसीय तपेदिक के त्वरित निदान के लिए 5 नए प्रोटीन बायोमार्कर का मूल्यांकन: प्रारंभिक परिणाम"	

नैम्स अमृतसर पुरस्कार

यह पुरस्कार अकादमी के वार्षिक सम्मेलन के दौरान पुरस्कार वितरण के समय एक ऐसे पुरस्कार विजेता को दिया जाता है जिसका लेख पैनल द्वारा सर्वश्रेष्ठ उत्कृष्ट घोषित किया गया है। सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया लेख नैम्स की संपत्ति बन जाता है और युवा वर्ग को उच्च गुणवत्ता की प्रस्तुति बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए इसे अकादमी के वर्ष वृत्तांत में प्रकाशित किया जाएगा।

भोपाल, में नैम्सकॉन 2019 के वार्षिक सम्मेलन (11 - 13 अक्टूबर, 2019) के दौरान इस पुरस्कार को निम्नलिखित विवरण अनुसार डॉ. सरमन सिंह, एफएएमएस को दिया गया था:

डॉ. तुलसी दास चुग पुरस्कार	डॉ. सरमन सिंह, एफएएमएस निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462024 (मध्यप्रदेश)।
विषय: "फुफ्फुसीय और इतर-फुफ्फुसीय तपेदिक के त्वरित निदान के लिए 5 नए प्रोटीन बायोमार्कर का मूल्यांकन: प्रारंभिक परिणाम"	

समापन समारोह में गत वर्ष (2018) का नैम्स अमृतसर पुरस्कार पदक डॉ. गिरीश सी. भट्ट को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार दिया गया था:

डॉ. सत्या गुप्ता पुरस्कार	डॉ. गिरीश सी भट्ट (गत वर्ष) सह आचार्य, बाल रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल - 462024 (मध्यप्रदेश)।
विषय: "बाल आयु वर्ग में बाधक निद्रा अश्वसन खराब शैक्षिक प्रदर्शन और निशा शैय्यामूत्रण से संबंधित है: मध्य भारत के स्कूली बच्चों में एक समुदाय आधारित अध्ययन"	

परिषद् की बैठकें

वर्ष 2019 के दौरान परिषद् की दो बैठकें आयोजित की गई थीं।

पहली बैठक 4 जुलाई, 2019 को, और दूसरी बैठक 11 सितम्बर, 2019 को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के परिसर में आयोजित की गई थीं।

सेवानिवृत्त होने वाले परिषद् के सदस्यों की रिक्तियां भरना – 2019

निम्नलिखित उन सदस्यों की सूची है, जो वर्ष 2019 में अपना कार्यकाल पूरा होने पर सेवानिवृत्त हुए और जिन्हें परिषद के सदस्यों के रूप में निर्वाचित किया गया:

सेवानिवृत्त सदस्य	निर्वाचित सदस्य
1. डॉ. शिव कुमार सरीन	डॉ. दिगम्बर बेहेरा
2. डॉ. राजेश्वर दयाल	डॉ. ओम प्रकाश कालरा
3. डॉ. रवि कांत	लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) वेलु नायर
4. डॉ. दिगम्बर बेहेरा	डॉ. राजेश्वर दयाल
5. डॉ. संजीव वी. थॉमस	डॉ. नीरजा भाटला

परिषद् ने सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए इसे अपने रिकार्ड पर रखा।

अध्येताओं का निर्वाचन – 2019

साख समिति ने वर्ष 2019 की अध्येतावृत्ति के लिए निर्वाचन हेतु 210 जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों पर विचार किया, इनमें से 120 नए नामांकन (94 प्रत्यक्ष और 26 प्रोन्नत) थे और 90 अग्रेनीत नामांकन (63 प्रत्यक्ष और 27 प्रोन्नत) थे। साख समिति ने अध्येतावृत्ति प्रदान करने के लिए 27 जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों की सिफारिश की। अध्येतावृत्ति और सदस्यता के निर्वाचन के लिए अनुशंसित जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों के जीवनवृत्त की फाइल की जांच करने के बाद साख समिति की सिफारिशों को परिषद् द्वारा अनुमोदित किया गया। उन्हें, नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, अध्येताओं के आम निकाय द्वारा मतदान करके अध्येताओं के रूप में निर्वाचित किया गया।

निर्वाचित अध्येताओं के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. आलोक चंद्र अग्रवाल**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थि रोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर। उनकी विशेषज्ञता अस्थि रोग शल्य चिकित्सा है।

2. **डॉ. अब्दुल सलाम अंसारी**

सह आचार्य, प्रजनन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, उन्नत अध्ययन केंद्र, प्राणी विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

3. **डॉ. एम. बालासुब्रमण्यम**

कुलपति, अनुसंधान अध्ययन और वरिष्ठ वैज्ञानिक, मद्रास मधुमेह अनुसंधान फाउंडेशन, नं .4 कोनरान स्मिथ, गोपालपुरम, चेन्नई। उनकी विशेषज्ञता आण्विक चिकित्सा है।

4. **डॉ. संदीप बंसल**

अपर आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग है।

5. **डॉ. मिहिर कुमार भट्टाचार्य**

आईसीएमआर - प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, राष्ट्रीय हैजा और आंत्र रोग संस्थान, कलकत्ता। उनकी विशेषज्ञता संक्रामक रोग है।

6. **डॉ. जिया चौधरी**

आचार्य, नेत्र रोग विभाग, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय और पीजीआईएमईआर, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता नेत्र विज्ञान है।

7. **डॉ. संजीव चोपड़ा**

महानिदेशक, अस्पताल सेवाएं (सशस्त्र बल), डीजीएएफएमएस, एम ब्लॉक, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली। उनकी विशेषता प्रसूति और स्त्री रोग है।

8. **डॉ. अनुराधा चौधरी**

आचार्य, चिकित्सा कवक विज्ञान, चिकित्सा कवक विज्ञान विभाग, वल्लभ भाई पटेल चेस्ट संस्थान, दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय। उसकी विशेषता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

9. **डॉ. माला धर्मलिंगम**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अंतःस्त्राविकी एवं चयापचय विभाग, रमैया मेडिकल कॉलेज, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता मधुमेह एवं अंतःस्त्राविकी है।

10. **डॉ. तीरथ दास डोगरा**

सलाहकार-आईक्यूएसी, एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम। उनकी विशेषज्ञता न्यायिक चिकित्सा है।

11. **डॉ. रवींद्र कुमार गर्ग**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

12. **डॉ. राकेश जलाली**

चिकित्सा निदेशक, विभागाध्यक्ष, विकिरण कैंसर विज्ञान, अपोलो प्रोटोन केंद्र, चेन्नई। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

13. **ब्रिगेडियर** (आचार्य) **अतुल कोतवाल**

उप महानिदेशक और आचार्य, कमांडेंट, द्वारा डीजीएएफएमएस, एम ब्लॉक, रक्षा मंत्रालय और एसीएमएस, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

14. **डॉ. अब्बास अली महदी**

कुलपति, एरा विश्वविद्यालय, सरफराजगंज, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

15. **डॉ. रामनाथ मिश्रा**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान है।

16. **डॉ. सरोज कांता मिश्रा**

वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अंत: स्रावी शल्यचिकित्सा विभाग, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ - 226014। उनकी विशेषज्ञता अंत: स्रावी शल्य चिकित्सा है।

17. **डॉ. अनंत मोहन**

आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

18. **डॉ. कुलकर्णी जगदीश नरहर**

रोबोटिक सर्जरी के निदेशक और मूत्र कैंसर विज्ञान के आचार्य, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, बॉम्बे अस्पताल आयुर्विज्ञान संस्थान, न्यू मरीन लाइन्स, मुंबई। उनकी विशेषज्ञता सर्जिकल कैंसर विज्ञान है।

19. **डॉ. जयराज डी पांडियन**

प्राचार्य, आचार्य, तंत्रिका विज्ञान विभाग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, ब्राउन रोड, लुधियाना। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

20. **डॉ. प्रवीण शर्मा**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

21. **डॉ. उर्वशी बी सिंह**

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

22. **डॉ. सतीश के शुक्ला**

निदेशक, लक्ष्मी स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, नई पलासिया, इंदौर। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

23. **डॉ. संगीता तलवार**

उप प्रधानाचार्या, मौलाना आजाद दंत विज्ञान संस्थान, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज कॉम्प्लेक्स, बीएसजेड मार्ग, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

24. **डॉ. महेंद्र कुमार ठाकुर**

आचार्य, प्राणि विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीवविज्ञान है।

25. **डॉ. राजनारायण रामशंकर तिवारी**

निदेशक, आईसीएमआर - राष्ट्रीय पर्यावरण स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कमला नेहरू अस्पताल भवन, गांधी मेडिकल कॉलेज कैंपस, भोपाल। उनकी विशेषता व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य है।

26. **डॉ. कौशल के वर्मा**

आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता त्वचा रोग विज्ञान एवं रतिज रोग विज्ञान है।

27. **डॉ. सविता यादव**

आचार्य, जैव भौतिकी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

सदस्यों का निर्वाचन – 2019

सदस्यता के निर्वाचन के लिए कुल 98 उम्मीदवारों के नाम पर विचार किया गया (जिनमें 91 नए नामांकन और 7 अग्रेषित नामांकन थे)। साख समिति ने 95 उम्मीदवारों की सिफारिश की और वे परिषद् द्वारा अनुमोदित किए गए। इसके बाद उनको, अध्येताओं की सामान्य निकाय द्वारा नियमों में निर्धारित कार्यविधि के अनुसार, मतदान द्वारा सदस्य के रूप में निर्वाचित किया गया। निर्वाचित सदस्यों के नाम नीचे दिए गए हैं:

1. **डॉ. प्रदीप अग्रवाल**

   सह आचार्य, सामुदायिक और परिवार चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक स्वास्थ्य / सामुदायिक चिकित्सा / सामाजिक और निवारक चिकित्सा है।

2. **डॉ. पल्लवी अहलूवालिया**

   आचार्य, तीर्थंकर महावीर मेडिकल कॉलेज, मुरादाबाद। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

3. **डॉ. फाल्गुनी आनंद अल्लादी**

   वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (वैज्ञानिक 'एफ'), नैदानिक मनोभेषज गुण विज्ञान एवं तंत्रिका क्रिया विज्ञान विभाग, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु। उसकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

4. **डॉ. रूसी औलख**

   सह आचार्य, बाल रोग विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़। उसकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

5. **डॉ. पराग डब्ल्यू बरवाड़**

   सह आचार्य, हृदय रोग विज्ञान विभाग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उसकी विशेषज्ञता हृदय रोग विज्ञान है।

6. **डॉ. सपना बाथला**

   सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

7. **डॉ. अनुपमा विठ्ठलकुमार बेटिगरि**

उपाचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, मानव रचना दंत महाविद्यालय, फरीदाबाद। उसकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

8. **डॉ. श्री कृष्ण दत्त भारद्वाज**

वरिष्ठ सलाहकार हृदय रोग वैज्ञानिक, मुज़फ्फरनगर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, मुजफ्फरनगर। उनकी विशेषज्ञता हृदय रोग विज्ञान है।

9. **डॉ. ए भास्करन**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शल्य चिकित्सा विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता सामान्य शल्य चिकित्सा है।

10. **डॉ. निधि भाटिया**

अतिरिक्त आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान और गहन देखभाल विभाग, स्तर -4, नेहरू अस्पताल, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

11. **डॉ. देवेश भोई**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनके विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

12. **डॉ. इंद्रनील चक्रवर्ती**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज, सुश्रुतानगर, दार्जिलिंग, पश्चिम बंगाल। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

13. **डॉ. प्रभात कुमार चौधरी**

सहायक आचार्य, विषमदंत विज्ञान प्रभाग, सीडीईआर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनके विशेषज्ञता दंत शल्य चिकित्सा है।

14. **डॉ. अभिषेक चौहान**

सह आचार्य, डॉ. आरएमएल आयुर्विज्ञान संस्थान, विभूति खंड, गोमती नगर, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

15. **डॉ. राजेंद्र चौधरी**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, रक्ताधान चिकित्सा विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता रक्ताधान चिकित्सा है।

16. **डॉ. दीप्ति चोपड़ा**

सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शासकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश। उसकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

17. **डॉ. सविता चौधरी**

आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, उदयपुर, राजस्थान। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

18. **डॉ. दिनेश के**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, श्री देवराज यूआरएस अकादमी मेडिकल कॉलेज, कोलार। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

19. **डॉ. कौशिक सिन्हा देब**

सहायक आचार्य, मनोरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता मनोरोग है।

20. **डॉ. शालिनी दीवान दुग्गल**

विशेषज्ञ, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, डॉ बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल, सेक्टर - 6, रोहिणी, जीएनसीटी दिल्ली, दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

21. **डॉ. गायत्री देवी डी आर**

आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उसकी विशेषता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

22. **डॉ. सुकन्या गंगोपाध्याय**

सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

23. **डॉ. कामाक्षी गर्ग**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, दयानंद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, लुधियाना। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

24. **डॉ. संध्या गुलेरिया**

वरिष्ठ रेजिडेंट, बाल नैदानिक प्रतिरक्षा विज्ञान एवं संधिवात विज्ञान, बाल रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

25. **डॉ. आशीष गुप्ता**

वैज्ञानिक 'एफ', शरीर क्रिया विज्ञान एवं संबंद्ध विज्ञान रक्षा संस्थान, तिमारपुर, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

26. **डॉ. अंकुर गुप्ता**

सहायक आचार्य, हृदय रोग विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता हृदय रोग विज्ञान है।

27. **डॉ. अंकुश गुप्ता**

सह आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता मूत्रविज्ञान है।

28. **डॉ. दीपक कुमार गुप्ता**

आचार्य, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका शल्य चिकित्सा है।

29. **डॉ. दिव्या गुप्ता**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, हिमालयन चिकित्सा विज्ञान संस्थान, स्वामी राम नगर, जॉली ग्रांट, डोईवाला, देहरादून। उसकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

30. **डॉ. पारुल चावला गुप्ता**

सहायक आचार्य, नेत्र रोग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उसके विशेषता नेत्र विज्ञान है।

31. **डॉ. परीक्षित गुप्ता**

सहायक आचार्य, कोशिका विज्ञान एवं स्त्री रोग और विकृति विज्ञान विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उसकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

32. **डॉ. सोनिका गुप्ता**

सलाहकार स्त्री रोग विशेषज्ञ, जिला अस्पताल, उधमपुर। उसकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग है।

33. **डॉ. रुद्राशीष हल्दर**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

34. **डॉ. मो. जसीम हसन**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, हमदर्द चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान संस्थान, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

35. **डॉ. पारुल जैन**

सहायक आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ। उसकी विशेषता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

36. **डॉ. शिखा जैन**

निदेशक और सलाहकार प्रजनन चिकित्सा, स्त्रीरोग एंडोस्कोपी ड्रीमज आईवीएफ, सी - 573, प्रथम तल, सरस्वती विहार, बाहरी रिंग रोड, पीतमपुरा, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग है।

37. **डॉ. प्रतिमा जायसवाल**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज, कोटा। उसकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

38. **डॉ. अनिल खेतरपाल**

संस्थापक और निदेशक, खेतरपाल अस्पताल, एफ - 95, बाली नगर, मुख्य नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शल्य चिकित्सा है।

39. **डॉ. तनुज कंचन**

अपर आचार्य, न्यायिक चिकित्सा और विष विज्ञान विभाग, कमरा नं. 3050, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, बासनी चरण- II, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता न्यायिक चिकित्सा है।

40. **डॉ. रितु करोली**

सह आचार्य, सामान्य चिकित्सा विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

41. **डॉ. ज्योति किरण कोहली**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर रचना विज्ञान विभाग, मानव रचना डेंटल कॉलेज, फरीदाबाद। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

42. **डॉ. मनजिंदर कौर**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, अकादमिक अधिकारी, चिकित्सा शिक्षा इकाई समन्वयक, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, उदयपुर। उसकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

43. **डॉ. एम. एल. हरेंद्र कुमार**

प्राचार्य, कुलपति और विकृति विज्ञान आचार्य, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, तमका, कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

44. **डॉ. नवनीत कुमार**

प्राचार्य, स्वायत्त राजकीय मेडिकल कॉलेज, बस्ती, उत्तर प्रदेश। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

45. **डॉ. पंकज कुमार**

सह आचार्य, बाल रोग विभाग, शासकीय मेडिकल कॉलेज, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश। उसकी विशेषज्ञता बाल चिकित्सा है।

46. **डॉ. राजेश कुमार**

आचार्य, बाल रोग विभाग, सरकारी मेडिकल कॉलेज, आजमगढ़, उत्तर प्रदेश। उनकी विशेषज्ञता बाल रोग है।

47. **डॉ. संतोष कुमार**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, तपेदिक और श्वसन चिकित्सा विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता श्वसन चिकित्सा है।

48. **डॉ. सुरेंद्र कुमार**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, दिल्ली राज्य कैंसर संस्थान, दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

49. **डॉ. आर मधु**

सहायक प्राध्यापक, त्वचा विज्ञान विभाग, रतिजरोग विज्ञान और कुष्ठ रोग, मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई। उसकी विशेषज्ञता त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विज्ञान है।

50. **डॉ. रजनी माथुर**

सहायक आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, दिल्ली फार्मास्यूटिकल विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, पुष्प विहार, सेक्टर-2, एमबी रोड, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

51. **डॉ. अनिल मेहता**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति और स्त्री रोग विभाग, शासकीय मेडिकल अस्पताल, गांधी नगर, जम्मू। उनकी विशेषज्ञता, प्रसूति और स्त्री रोग है।

52. **डॉ. सतीश मिश्रा**

वरिष्ठ वैज्ञानिक, आणविक पराविज्ञान और प्रतिरक्षा विज्ञान विभाग, सीएसआईआर - केन्द्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, सेक्टर 10, जानकीपुरम एक्सटेंशन, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता आणविक जीवविज्ञान है।

53. **डॉ. आशिक मोहम्मद**

विभागाध्यक्ष, नेत्र रोग जैव भौतिकी विभाग, एल. वी. प्रसाद नेत्र संस्थान, हैदराबाद। उनकी विशेषज्ञता जैव भौतिकी है।

54. **डॉ. एस. एम. अज़ीम मोहिउद्दीन**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, तमका, कोलार। उसकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान है।

55. **डॉ. आर. लक्ष्मी नरसिम्हन**

निदेशक एवं विभागाध्यक्ष, तंत्रिका विज्ञान के आचार्य, तंत्रिका विज्ञान संस्थान, मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नई। उनकी विशेषज्ञता तंत्रिका विज्ञान है।

56. **डॉ. शमरेन्द्र नारायण**

सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

57. **डॉ. सरला एन**

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, श्री देवराज उर्स उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान अकादमी, तमका, कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

58. **लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) आशुतोष ओझा**

सह आचार्य, आंतरिक चिकित्सा विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, शोलापुर रोड, पुणे। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

59. **डॉ. भारत पालीवाल**

सह आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन देखभाल विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

60. **डॉ. अंजना पांडे**

सह आचार्य, काय चिकित्सा विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता आंतरिक चिकित्सा है।

61. **डॉ. बिनोद कुमार पति**

सह आचार्य, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना। उनकी विशेषज्ञता सूक्ष्म जैव विज्ञान है।

62. **डॉ. अनु पाठक**

सह आचार्य, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग है ।

63. **डॉ. मनीष पाठक**

अपर आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान। उनकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

64. **डॉ. सुरवि पात्रा**

सह आचार्य, मनोरोग विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर, ओडिशा। उनकी विशेषज्ञता मनश्चिकित्सा है।

65. **डॉ. गुंजन प्रुथी**

सहायक प्रोफेसर, मौखिक स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता प्रोस्थोडोन्टिक्स और इम्पलेंटोलॉजी है।

66. **डॉ. के पुष्पांजलि**

कुलसचिव शिक्षाविद, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, एम. एस. रमैया प्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, संकाय दंत चिकित्सा विज्ञान, जीईएफ, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता दंत शल्य - चिकित्सा है।

67. **डॉ. अमरेंद्र सिंह पुरी**

निदेशक, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग, जीआईपीएमईआर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जठरांत्र रोग विज्ञान है।

68. **डॉ. पूनम राज**

आचार्य, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान और सिर व गर्दन और सलाहकार शल्य चिकित्सा, आर्मी अस्पताल (आर एवं आर), दिल्ली कैंट, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान है।

69. डॉ. दिनेश राजाराम

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम. एस रमैया मेडिकल कॉलेज, एम. एस. आर. नगर, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

70. **डॉ. बिकास रंजन रे**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, दर्द चिकित्सा और गहन देखभाल, कमरा नं - 5012, 5 वीं मंजिल, टीचिंग ब्लॉक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

71. **डॉ. बिजयालक्ष्मी साहू**

निदेशक, प्राध्यापक, त्वचा विज्ञान और जराविज्ञान विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और लोक नायक अस्पताल, नई दिल्ली। उसकी विशेषज्ञता त्वचा विज्ञान और रतिजरोग है।

72. **डॉ. भाग्य मनोज सत्गारी**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषज गुण विज्ञान विभाग, एसबीकेएस एमआई एवं आरसी, सुमनदीप विद्यापीठ विश्वविद्यालय, पिपरिया (VIII), टा-वाघोडिया, वडोदरा, गुजरात। उसकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

73. **डॉ. के. एन. शशिधर**

आचार्य, जैव रसायन विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, तमका कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

74. **डॉ. राहुल सक्सेना**

सह आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान। उसकी विशेषज्ञता बाल शल्य चिकित्सा है।

75. **डॉ. प्रियंका सेठी**

सहायक आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान एवं गहन देखभाल विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर, राजस्थान। उनकी विशेषज्ञता संवेदनाहरण विज्ञान है।

76. **डॉ. विनुथा शंकर एमएस**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज कोलार, कर्नाटक। उसकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

77. **डॉ. अमित कांत सिंह**

आचार्य, भौतिकी विभाग, उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा, यूपी। उनकी विशेषज्ञता शरीर क्रिया विज्ञान है।

78. **डॉ. अनामिका सिंह**

सह आचार्य, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, उत्तर प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा, उत्तर प्रदेश। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

79. **डॉ. लोकेंद्र कुमार शर्मा**

वरिष्ठ आचार्य, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एस. एम. एस. मेडिकल कॉलेज, जेएलएन मार्ग, जयपुर। उनकी विशेषज्ञता भेषजगुण विज्ञान है।

80. **डॉ. राकेश कुमार शर्मा**

कुलपति एवं आचार्य, प्रसूति विभाग और स्त्री रोग विभाग, डी. वाई. पाटिल मेडिकल कॉलेज, कोल्हापुर, महाराष्ट्र। उसकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्री रोग है।

81. **डॉ. सोनम शर्मा**

सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, कल्पना चावला शासकीय मेडिकल कॉलेज, करनाल, हरियाणा। उसकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

82. **डॉ. अरविंद रूप सिंह**

चिकित्सा निदेशक, ग्लोबल कैंसर विज्ञान चिकित्सा मामले, सनोफी। उनकी विशेषज्ञता चिकित्सा आनुवंशिकी है।

83. **डॉ. नरेश पाल सिंह**

आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, उत्तर प्रदेश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई, इटावा, उत्तर प्रदेश। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

84. **डॉ. शालिनी सिंह**

निदेशक और वैज्ञानिक 'जी', राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, नोएडा - 201303। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति और स्त्री रोग है।

85. **डॉ. तूलिका सिंह**

अपर आचार्य, विकिरण निदान एवं इमेजिंग विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान है।

86. **डॉ. परमदीप सिंह**

सह आचार्य, विकिरण निदान विभाग, जीजीएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बाबा फरीद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, फरीदकोट। उनकी विशेषज्ञता विकिरण निदान रेडियोडायग्नोसिस है।

87. **डॉ. शिल्पा सुनेजा**

सह आचार्य, जैव रसायन विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, अंसारी नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जैव रसायन है।

88. **डॉ. टी. एन. सुरेश**

आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, श्री देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज, तमका, कोलार, कर्नाटक। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

89. **डॉ. सुजानी बी.के.**

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति विभाग और स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान है।

90. **डॉ. साइमा वाजिद**

सहायक आचार्य, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, रासायनिक और जैव विज्ञान विद्यालय, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता जैव प्रौद्योगिकी है।

91. **डॉ. सुरभि वाधवा**

सह आचार्य, शरीर रचना विज्ञान विभाग, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली। उनकी विशेषज्ञता शरीर रचना विज्ञान है।

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)
विद्ययाऽमृतमश्नुते

92. **डॉ. क्लेमेंट विलफ्रेड डी**

सह आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, एम. एस. रमैया मेडिकल कॉलेज और शिक्षण अस्पताल, एमएसआर नगर, एमएसआरआईटी पोस्ट, बैंगलोर। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

93. **डॉ. अरविंद यादव**

आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, उदयपुर। उनकी विशेषज्ञता भेषज गुण विज्ञान है।

94. **डॉ. (लेफ्टिनेंट कर्नल) अरुण कुमार यादव**

सह आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, सोलापुर रोड, ओप टर्फ क्लब हाउस, वनोवरी, पुणे। उनकी विशेषज्ञता सामुदायिक चिकित्सा है।

95. **डॉ. दिव्या यादव**

सहायक आचार्य, विकृति विज्ञान विभाग, एस. एन. मेडिकल कॉलेज, आगरा। उनकी विशेषज्ञता विकृति विज्ञान है।

एमएनएएमएस

विनियमन-V के अंतर्गत अकादमी की सदस्यता-जिन उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण की है और जिनका नाम सदस्यता (एनएनएएमएस) के लिए विधिवत प्रस्तावित किया गया है।

विनियमन- V निम्नानुसार प्रदान करता हैः

> **'वे उम्मीदवार, जो राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, वे राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के सदस्य के रूप में प्रवेश के लिए व्यक्तिगत रूप से आवेदन प्रस्तुत करेंगे। उनका नाम अकादमी के कम से कम एक अध्येता द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया हो तथा उम्मीदवार के चरित्र एवं आचरण को सत्यापित किया गया हो। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की परिषद् के अनुमोदन के आधार पर उम्मीदवार को एककालिक 7000/- रुपये के आजीवन सदस्यता शुल्क (1000/- रुपये के प्रवेश शुल्क सहित) अथवा समय-समय पर यथा-प्रभारित शुल्क तथा दायित्व बंधयपत्र के निष्पादन के बाद अकादमी के सदस्य के रुप में भर्ती किया जाएगा।'**

तदनुसार, उम्मीदवारों के अनुरोध पर अकादमी द्वारा आवेदन प्रपत्रों को जारी किया गया।

निम्नलिखित उम्मीदवार, जिन्होंने उपर्युक्त श्रेणी के अधीन अकादमी की सदस्यता (एमएनएएमएस) के लिए आवेदन किया था और जिन्हें विनियमन-V के अधीन यथानिर्दिष्ट कम से कम एक अध्येता (फेलो) द्वारा विधिवत प्रस्तावित किया गया था, के नामों को परिषद् के समक्ष विचारार्थ दिनांक 11 सितंबर, 2019 को आयोजित बैठक में रखा गया। परिषद ने उसे अनुमोदित किया।

दिनांक 11 सितंबर, 2019 को आयोजित परिषद की बैठक में अनुमोदित नाम

1. डॉ. हर्ष देवड़ा
2. डॉ. नाइक शर्मिला शशिकांत
3. डॉ. बोरकर आलोक वासुदेराव
4. डॉ. श्याम कल्याण एन
5. डॉ. खंडगे अश्विनकुमार वसंत
6. डॉ. सिबी के. आर.
7. डॉ. सोनल अग्रवाल
8. *डॉ. कीर्ति क्यालाकोंड
9. डॉ. विनीश मोहन सी.
10. डॉ. मयप्पन एल
11. डॉ. मयंक गुप्ता
12. डॉ. निधि शर्मा
13. डॉ. सुलेमान सठ
14. डॉ. यादव अमित शेषनारायण
15. डॉ. विश्वनाथ ताड़ीकामल्ला
16. डॉ. नरेश कुमार अग्रवाल
17. डॉ. जसप्रिया संधू
18. डॉ. वर्षा साबू
19. डॉ. मनप्रीत सिंह
20. डॉ. बी हरीश कुमार
21. डॉ. नितिन कुमार गुप्ता
22. डॉ. अंकित गुलाटी
23. डॉ. होलानी अपूर्वा राजेंद्रराव
24. डॉ. मोहसिन खान
25. डॉ. अमित कुमार
26. डॉ. भिसे अमेय किशोर
27. डॉ. वरुण खन्ना
28. *डॉ. भव्या सरीन
29. डॉ. बृजेश कुमार सोनी
30. डॉ. पोल शशिकांत अनिल
31. डॉ. सौविक बसक
32. डॉ. मरुद्वार पीयूष प्रदीपराव
33. डॉ. आहूजा रश्मि
34. डॉ. पारेख नियति नितिनकुमार
35. डॉ. कवीश कुम्र चौरसिया
36. डॉ. बी. सुनंदा
37. डॉ. अख्तर रमीज जावेद
38. डॉ. सावन गंगाधरन के
39. डॉ. सैयद मिन्हाज अहमद
40. डॉ. नेहा शकरवाल
41. डॉ. आलोक अग्रवाल
42. डॉ. मोनिका
43. डॉ. शाह श्रेयस रंजीत
44. डॉ. शिबोजित तालुकदार
45. डॉ. पाटिल संगमेश्वर सिधलिंग
46. डॉ. पी. अरुण प्रसाद
47. डॉ. परिमोहन वार्ष्णेय
48. डॉ. धिव्या
49. डॉ. डस्पिन डी
50. डॉ. नौफ़ल पी एम
51. डॉ. अनिरुद्ध मैती
52. डॉ. सतीश बी
53. डॉ. अनिल कुमार गुप्ता
54. डॉ. इंद्रनील सेन
55. डॉ. अक्षिता
56. डॉ. सांगले रामदास भाऊराव

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES

57. डॉ. मिश्रा सुधीर रामकिशोर
58. डॉ. इंदु गौड़
59. डॉ. कलंत्री राम पुरुषोत्तम
60. डॉ. रोहित वी
61. डॉ. सुमन साहा
62. डॉ. शीतांशु शेखर
63. डॉ. निरपिन क्लीटस
64. डॉ. अरुप चक्रवर्ती
65. डॉ. आलोकेंदु बोस
66. डॉ. कौशिक कुमार दास
67. डॉ. अंकुर शर्मा
68. डॉ. हरि किशन
69. डॉ. सुमन दास
70. डॉ. बाल मुकुंद
71. डॉ. शुक्ला उन्नति विश्वनाथ
72. डॉ. प्रकृति खेतान
73. डॉ. कपिल बब्बर
74. डॉ. हरिकिशन देवीसती
75. डॉ. गौरव कुमार
76. डॉ. आकांक्षा सेतिया
77. डॉ. हमसिनी बी सी
78. डॉ. आर्य एस
79. डॉ. आशीष अम्रानी
80. डॉ. सालुंके शिरीश सुरेश
81. डॉ. करवड़े प्रवीण वसंतराव
82. डॉ. कार्तिक राजेंद्रन
83. डॉ. मुकेश कुमार गर्ग
84. डॉ. अजय कुमार गोयल
85. डॉ. विनीता रस्तोगी
86. डॉ. गौरव अग्रवाल
87. डॉ. पचनी अंकुर भूपेंद्रकुमार
88. डॉ. प्रकाश बाबूराव सोनकुसरे
89. डॉ. दिव्या वर्मा
90. डॉ. बंसोड मिनाक्षी दत्तात्रेय
91. डॉ. सुधांशु बंसल
92. डॉ. हिना जजोरिया
93. डॉ. जीनो जयन
94. डॉ. तरुणदीप सिंह
95. डॉ. नवनीत अधिकारी
96. डॉ. विनू जॉय
97. डॉ. माहेश्वरी एम
98. डॉ. तिरुमूर्ति नटराजन
99. डॉ. वीराराघवन के
100. डॉ. तनवीर अहमद
101. डॉ. अदिति पी
102. डॉ. रिजास के
103. डॉ. सौम्यज्योति पांजा
104. डॉ. लूमिया मलिक
105. डॉ. अरविंद एस गणपत
106. डॉ. सूल्फ़ेकर एम एस
107. डॉ. निषाद के
108. डॉ. उषा जी
109. डॉ. सुरेश कुमार एस
110. डॉ. पिपलिया हर्षद कल्याणजी
111. डॉ. शोभा पी
112. डॉ. उत्सव पान
113. डॉ. राजीव मारियो कोलाको
114. डॉ. सलोनी गुप्ता
115. डॉ. जिम थॉमस मालायिल
116. डॉ. गुरसिमरन कौर

117. डॉ. स्वीटो वर्गीज
118. डॉ. हरिहरन टी डी
119. डॉ. सतीश आनंद वी एस
120. डॉ. प्रियंका शर्मा
121. डॉ. शशांक अग्रवाल
122. डॉ. मुदित कुमार अग्रवाल
123. डॉ. विशेष वर्मा
124. डॉ. अरिजीत डे
125. डॉ. स्वर्णवा दत्तागुप्ता
126. डॉ. वसंत एस
127. डॉ. राजीब दुगड़
128. डॉ. शेख नोमान खालिद
129. डॉ. आशीष डागर
130. डॉ. लक्ष्मी कृष्णा एन
131. डॉ. जैकब इपेन
132. डॉ. सबुवाला शब्बीर कुतबीभाई
133. डॉ. गिरीशा
134. डॉ. लेनन जेसन डी सूजा
135. डॉ. मीनाक्षी सी
136. डॉ. दीपक वर्मा
137. डॉ. नयना एस
138. डॉ. नीरज वी
139. डॉ. दुष्यंत कुमार वार्ष्णेय
140. डॉ. स्मिता सामल मानसिंह
141. डॉ. दवे अमित कैलाशभी
142. डॉ. कुटमारे शीतल महेंद्र
143. डॉ. सौम्या ईश
144. डॉ. जोस मैथ्यू
145. डॉ. संदीप कुमार
146. डॉ. आकांक्षा तिवारी
147. डॉ. विवेक कुमार
148. डॉ. मोनिका
149. डॉ. रुचिर रुस्तगी
150. डॉ. आकांक्षा शर्मा
151. डॉ. विकास कुमार केशरी
152. डॉ. जाधव स्वप्निल अशोकराव
153. *डॉ. जोमी जॉर्ज
154. डॉ. वकचौरे किरण रंगनाथ
155. डॉ. पेस रोहिल
156. डॉ. जानकी शरण भदानी
157. डॉ. अरविंद एस
158. *डॉ. महिमा उपाध्याय
159. डॉ. इंगले प्रमोद शालिग्राम
160. डॉ. प्रवीण सुंदर बी
161. डॉ. सौरभ पिपरसानिया
162. डॉ. शाह जूही झावेरचंद
163. डॉ. बालामुरुगन टी
164. डॉ. रचना गहलावत
165. डॉ. अमित अग्रवाल
166. डॉ. नजीम इशरत सिद्दीकी
167. डॉ. सलमान मोहम्मद अब्दुल सलाम
168. डॉ. अरुण कुमार तिवारी
169. डॉ. स्मारिका दुबे
170. डॉ. निहित परिमल
171. डॉ. बिलाला ऋषभ राजकुमार
172. डॉ. गौरव भाटला
173. डॉ. कापसे अमोल आत्माराम
174. डॉ. विजय कुमार गुप्ता
175. *डॉ. आर सबरीन सोनजीव रॉस

176. डॉ. पाटिल विक्रम उत्तम
177. डॉ. बाराद दिनेशकुमार करसनभाई
178. डॉ. विकास अग्रवाल
179. डॉ. पेसवानी अमित रतनलाल
180. डॉ. पल्लवी बी
181. डॉ. गुरमुखानी सुनील निच्छलदास
182. डॉ. राजेश बी एस
183. डॉ. समीरन पुरकित
184. डॉ. अनिशा मनोचा
185. डॉ. वंशिका गुप्ता
186. डॉ. निखिल कुमार सेनियारे
187. डॉ. दीप्ति हांडा
188. डॉ. मंजू ई आई
189. डॉ. अरुणा एन
190. डॉ. गुंजन अग्रवाल
191. डॉ. फरहान फ़ज़ल
192. डॉ. हेमंत प्रवीण मल्ला
193. डॉ. श्रींखल
194. डॉ. रोहित कंसल
195. *डॉ. बिजया शालिनी
196. डॉ. बालाजी मुसुनुरी
197. डॉ. इंद्राणी दत्ता
198. डॉ. सालुंके अभिजीत अशोक
199. डॉ. रोहित चावला
200. डॉ. अमित मीणा
201. डॉ. राहुल ग्रोवर
202. डॉ. नागा राहुल
203. डॉ. स्मिता कपूर
204. डॉ. सजिन जॉर्ज जोसेफ
205. डॉ. विजयराविंद आर
206. डॉ. संदीप तपशैट्टी
207. डॉ. कुशल विराजकुमार शाह
208. डॉ. जैन हार्दिक मिनेश
209. डॉ. कुमारन एम
210. डॉ. झा मानवेन्दु अमरनाथ
211. डॉ. तनुमोय मौलिक
212. डॉ. दिव्या महाजन
213. डॉ. श्रीनिधि आर
214. डॉ. अंकिता माहेश्वरी
215. *डॉ. कल्पना देवी यू
216. डॉ. मेघा जिंदल
217. डॉ. मंजीत
218. डॉ. निखिल दिलीप पलांगे
219. डॉ. अपूर्व सहगल
220. डॉ. देबासीस बेहरा
221. डॉ. छाव सत्य प्रसाद
222. डॉ. लक्षिता वार्ष्णेय
223. डॉ. शाह दिगीश चंद्रवदन
224. डॉ. दिव्यशांति सी एम
225. डॉ. कुणाल किशोर
226. डॉ. एडविन जे जॉर्ज
227. डॉ. देबप्रतिम राउथ
228. डॉ. शइक अफसर पाशा
229. डॉ. श्रीहरि डी
230. डॉ. नीरज शर्मा
231. डॉ. मधुमंती पांजा
232. डॉ. अध्यारु कुणाल दिलीप
233. डॉ. सुभ्रांशु शेखर नायक
234. डॉ. जोस्टोल पिंटो
235. डॉ. अमोघ असगाँवकर

236. डॉ. शिवानी शर्मा
237. डॉ. रूपाली गुप्ता
238. डॉ. गौरव अग्रवाल
239. डॉ. मोना गुप्ता
240. डॉ. शनमुगम एम
241. डॉ. लुंकड़ रूपेश अशोक
242. डॉ. स्वेता कोठारी

* 2 अपूर्ण

परिषद ने यह भी सिफारिश की कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ आवेदन पूरा होने के बाद एमएनएएमएस को शेष उम्मीदवारों पर सम्मानित किया जा सकता है।

अकादमी की सूची में अध्येता/सदस्य

	मानद अध्येता	अध्येता एफएएमएस	सदस्य एमएएमएस	सदस्य एमएनएएमएस
दिनांक 31.03.2019 की यथास्थिति	3	920	2,129	7,006
दिवंगत (2018-2019 की अवधि के दौरान)	-	(-) 8	(-) 0	-
वर्ष 2019 में निर्वाचित	-	(+) 27*	(+) 95	-
वर्ष 2019 में सदस्यगण जिन्हें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत किया गया	-	-	(-) 8	-
वर्ष 2019 में डीएनबी परीक्षा में अर्हता प्राप्त करने के बाद विनियमन-V द्वारा प्रवेश दिए गए सदस्य	-	-	2,224	242
दिनांक 31.03.2020 की यथास्थिति रोल पर	**3**	**929**	**2,216**	**7,248**

* इसमें अध्येतावृत्ति को प्रोन्नत 8 सदस्य सम्मिलित हैं।

चिकित्सा वैज्ञानिकों का व्याख्यान तथा पुरस्कार के लिए नामांकन-2019-20

व्याख्यान तथा पुरस्कार समिति की सिफारिशों के आधार पर परिषद् ने वर्ष 2019-20 के लिए निम्नलिखित वैज्ञानिकों को व्याख्यान तथा पुरस्कार प्रदान करना अनुमोदित कियाः

व्याख्यान

डॉ. आर. वी. राजम व्याख्यान	डॉ. सुभाष चंद्र परीजा, एफएएमएस कुलपति, श्री बालाजी विद्यापीठ, (सम - विश्वविद्यालय), एनएच 45 ए, पिल्ल्यारकुप्पम, पुदुचेरी - 607402
व्याख्यान का शीर्षक	"अमीबा - रुग्णता के सटीक प्रयोगशाला निदान और वास्तविक व्यापकता में आणविक जांच की भूमिका और रोगजनक एंटामोइबा हिस्टोलिटिका की पहचान"।

अचंता लक्ष्मीपति व्याख्यान:	डॉ. सत्यनारायण लबानी वैज्ञानिक जी (निदेशक ग्रेड), आईसीएमआर - राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान, 1-7, सेक्टर 39, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश - 20131।
व्याख्यान का शीर्षक	"दिल्ली एनसीआर में सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यान्वयन परियोजनाएँ: नैदानिक दृष्टिकोण को समझना"।

डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी व्याख्यान	डॉ. बिजय रंजन मिर्धा, एफएएमएस आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	"क्रिप्टोस्पोरिडिओसिस के विकसित होते हुए प्रतिरूप: भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के संदर्भ में मुद्दे और निहितार्थ"।

डॉ. वी.आर. खानोल्कर व्याख्यान	डॉ. श्याम सिंह चौहान, एफएएमएस आचार्य एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली - 110029।
व्याख्यान का शीर्षक	"श्वेतरक्तता में सिस्टीन कैथेप्सिन और उनकी रोगजन्य और चिकित्सीय प्रासंगिकता"।

डॉ. जे. एस. बजाज व्याख्यान	कर्नल (डॉ.) के वी एस हरि कुमार सलाहकार अंतःस्त्रावी वैज्ञानिक मैग्ना क्लीनिक हैदराबाद-500029।
व्याख्यान का शीर्षक	"टाइप 2 मधुमेह और संबद्ध संवहनी जटिलताओं के प्रबंधन में नव दृष्टिकोण"।

पुरस्कार

दंत चिकित्सा जन स्वास्थ्य पुरस्कार	डॉ. आशिमा गोयल, एफएएमएस आचार्य, बाल रोग दंत चिकित्सा, मौखिक स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, सेक्टर -12, चंडीगढ़ -160012।
विषय: " एकीकृत बाल विकास योजना, भारत के तहत आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले 1-6 वर्षीय बच्चों के मौखिक रोगों को रोकने और कम करने के लिए एक समुदाय-आधारित व्यावहारिक, नियंत्रित परीक्षण"।	
डॉ. विनोद कुमार भार्गव पुरस्कार:	डॉ. निधि सहायक आचार्य, पारगम्य एवं चिकित्सा अनुसंधान केंद्र रासायनिक और जैव विज्ञान विद्यालय, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली -110062।
विषय: "सीएचओपी और रिटक्सिमैब - सीएचओपी कीमोथेरेपी प्राप्त कर रहे बी कोशिका गैर हॉजकिन लिम्फोमा रोगियों में हल्के संज्ञानात्मक हानि की प्रारंभिक अभिव्यक्ति"	
डॉ. अभया इंद्रायन पुरस्कार	डॉ. पीयूष गुप्ता, एफएएमएस आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग, विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान कॉलेज, दिल्ली - 110095।

<table>
<tr><td></td><td></td></tr>
<tr><td colspan="2">विषय: "पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों में निमोनिया के उपचार और रोकथाम के लिए विटामिन डी अनुपूरण: एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण"।अंसारी नगर, नई दिल्ली - 110029।</td></tr>
<tr><td>डॉ. सत्या गुप्ता पुरस्कार</td><td>डॉ. मनीषा जना
अपर आचार्य,
विकिरण निदान विभाग,
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान,
नई दिल्ली - 110029।</td></tr>
<tr><td colspan="2">विषय: "जन्मजात चोट में ब्रैकियल प्लेक्सस विकृति विज्ञान के प्राथमिक देखभाल स्तर मूल्यांकन में अल्ट्रासोनोग्राफी"।</td></tr>
<tr><td>डॉ. तुलसी दास चुग पुरस्कार</td><td>डॉ. सतीश मिश्रा
प्रधान वैज्ञानिक,
आणविक पराविज्ञान एवं प्रतिरक्षा विज्ञान प्रभाग,
सीएसआईआर- केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान,
सेक्टर - 10, जानकीपुरम एक्सटेंशन,
सीतापुर रोड, लखनऊ - 226031।
विषय</td></tr>
<tr><td colspan="2">विषय: : "अल्ट्रेटेड थ्रोम्बोस्पोन्डिन रिपीट (एसपीएटीआर) के साथ स्रावित प्रोटीन, अलैंगिक रक्त चरणों के लिए आवश्यक है, लेकिन मलेरिया परजीवी प्लास्मोडियम बेरहेही द्वारा यकृतकोशिका आक्रमण के लिए आवश्यक नहीं है"।</td></tr>
</table>

वर्ष 2019 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 4 जुलाई, 2019 को आयोजित अपनी बैठक में नियम 34 (डी) के तहत डॉ. मुकुंद एस. जोशी, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए वर्ष 2019 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है। वह प्रतिबद्ध पेशेवर और एक अच्छे विद्याविद् रहे हैं। उन्होंने अध्यक्ष, परिषद् सदस्य, सदस्य, आदि के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है।

इमारत का रख-रखाव

नीचे दिए गए विवरण के अनुसार सभागार और अकादमी इमारत का मरम्मत कार्य/ परिवर्तन किया गया था: -

1. बहु व्यावसायिक शिक्षा और सीएमई के देश के अन्य संस्थानों में लाइव इंटरेक्टिव प्रसारण के लिए वीडियो सम्मेलन संयंत्रों / उपकरणों (सिस्को-एसएक्सएक्स 80 उच्च स्तरी वीडियो सम्मेलन प्रणाली) की ध्वनि की गुणवत्ता में सुधार के डिजिटल एम्पलीफायर और ऑडियो सिग्नल प्रोसेसर के साथ संगत मौजूदा एनालॉग उपकरणों के साथ डिजिटल फ़िल्टर स्पीकर, हाथ में पकड़े जाने वाले माइक व पोडियम माइक का उन्नयन।

2. अप्रत्याशित बिजली विफलताओं से होने वाले नुकसान से उपकरणों की रक्षा करने के लिए एपीसी 3 किलो वाट यूपीएस की स्थापना।

3. सम्मेलन कक्ष का नवीनीकरण जिसमें सफेदी, वेल्डिंग, लकड़ी की मरम्मत का काम और पुराने एसी के स्थान पर नए स्पलिट एसी (गर्म एवं ठंडे) लगाना शामिल हैं।

4. दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अग्नि सुरक्षा मानदंडों के अनुपालन के तहत नए एबीसी टाइप सिलेंडरों के साथ अग्नि सुरक्षा प्रणाली की मरम्मत / तबदीली की गई। परिणामस्वरूप डीएफएस द्वारा 14 जनवरी, 2020 को 3 साल की वैधता के साथ अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी किया गया।

उपरोक्त सभी कार्यों से संबंधित निविदाएं संविदाएं अकादमी द्वारा भारत सरकार की निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार बुलाई गई थीं और कार्य 2019-20 के दौरान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

(सभागार इमारत के चित्र के लिए कृपया वार्षिक रिपोर्ट के पृष्ठभाग को देखिए)

वर्ष वृत्तांत (एनल्स) का प्रकाशन

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के वर्ष वृत्तांत वर्ष 2019 के प्रथम अंक, अर्थात् खंड 55 से मैसर्स थिएम चिकित्सीय एवं वैज्ञानिक प्रकाशक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रकाशित किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) और मैसर्स थिएम पब्लिशिंग एजेंसी के मध्य आरंभ में पांच वर्ष की अवधि के लिए एक औपचारिक समझौते में प्रवेश करने का निर्णय लिया गया जिसमें वर्ष 2019 के प्रथम अंक, अर्थात् खंड 55, अंक संख्या 1 से लेकर वर्ष 2023 के अंतिम अंक अर्थात् खंड 59, अंक संख्या 4 तक के प्रकाशन के साथ वर्ष – वृत्तांतों को मुद्रित एवं प्रचारित किया जाएगा।

प्रकाशन एजेंसी की आवश्यकता / सुझाव के अनुसार राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी परिषद द्वारा संपादकीय बोर्ड का पुनर्गठन किया गया था जिसमें एक अंतर्राष्ट्रीय संपादक के साथ क्षेत्रीय विविधताओं का भी समावेश किया गया था। नए संपादकीय मंडल ने 2019 के पहले अंक से, यानी खंड 55, 2019 की अंक संख्या 1 से कार्य आरंभ कर दिया है। प्रकाशन सामग्री की तैयारी के लिए अंतरराष्ट्रीय दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए लेखकों के लिए निर्देशों का एक संशोधित संस्करण भी शामिल किया गया था। पत्रिका को एक नया रूप देने के लिए वर्ष वृत्तांत के मुख पृष्ठ को भी बदल दिया गया है। वर्ष वृत्तांत अब https:// www.thieme.in// Annals-of-National-Academy-of-Medical-Sciences पर उपलब्ध हैं।

वर्ष वृत्तांत के सभी प्रकाशित खंडों को प्रत्येक प्रकाशित अंक की विषय सूची सहित एक अंक के सभी लेख भी राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी की वेबसाइट: www.nams-india.in पर पोस्ट किए गए हैं। पत्रिका के एक अंक को प्रकाशित करने से पहले प्रत्येक लेख को https:// www. thiemeconnect.de/ products/ ejournals/ journal/10.1055/s-00044025 पर भी ई-प्रकाशित किया जाता है, जो बाद में उनके प्रकाशन की समय-सीमा के अनुसार पत्रिका के बाद के प्रकाशित अंकों में शामिल हो जाता है ।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के संपादकीय कार्यालय और मैसर्स थिएम के सामूहिक रूप से कड़े परिश्रम और गंभीर प्रयासों से एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त वैज्ञानिक प्रकाशन के रूप में पत्रिका, एएनएएमएस की एक बेहतर छवि निर्मित हुई है।

अनुक्रमण स्थिति:

1. वर्ष वृत्तांत वार्षिक ओपन जर्नल्स (डीओओजे) की निर्देशिका में सूचीबद्ध हैं।
2. दक्षिण पूर्व एशियाई क्षेत्र के मेडिकस सूचकांक में अनुक्रमित https://imsear.searo.who.int/handle/123456789/162464
3. ईबीएससीओ और प्रोक्वेस्ट में सूचीबद्ध
4. आरओएडी में सूचीबद्ध https://portal.issn.org/resource/ISSN/2454-5635।

मृत्युलेख

अकादमी के निम्नलिखित विशिष्ट अध्येताओं की मृत्यु को गहन शोक की भावना के साथ दुखी हृद्य से सूचित किया जाता है:

अध्येताः

1. डॉ. महाराज कृष्ण भान, एफएएमएस
2. डॉ. हरि कृष्ण छुट्टानी, एफएएमएस
3. डॉ. प्रफुल्लचंद्र मगनलाल दलाल, एफएएमएस
4. डॉ. प्रबल कुमार घोष, एफएएमएस
5. डॉ. सी. गोपालन, एफएएमएस
6. डॉ. डी. एन. गुप्ता, एफएएमएस
7. डॉ. मुकुंद सदाशिव जोशी, एफएएमएस
8. डॉ. स्टेनली जॉन, एफएएमएस
9. डॉ. पी. के. मिश्रा, एफएएमएस
10. डॉ. एस. पद्मावती, एफएएमएस
11. डॉ. जितेंद्र नाथ पांडे, एफएएमएस
12. डॉ. टी. एस. रंगनाथन, एफएएमएस
13. डॉ. आर. संबाशिव राव, एफएएमएस
14. डॉ. सुशील दुआ शर्मा, एफएएमएस
15. डॉ. वी. एन. सहगल, एफएएमएस
16. डॉ. राकेश के. टंडन, एफएएमएस
17. डॉ. सुरेंद्र पाल सिंह तेवतिया, एफएएमएस
18. डॉ. भानु एस. वर्मा, एफएएमएस

अनुबंध-।

भोपाल में दिनांक 12 अक्टूबर, 2019 को आयोजित 59वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल, अध्यक्ष, एनएएमएस द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

माननीय मुख्य अतिथि, मध्य प्रदेश के राज्यपाल श्री लालजी टंडन जी, विशिष्ट अतिथि, एम्स भोपाल के अध्यक्ष, डॉ. वाई. के. गुप्ता जी, आयोजन समिति अध्यक्ष, एम्स भोपाल के निदेशक, डॉ. सरमन सिंह जी, आयोजन सचिव, डॉ. शशांक पुरवार, नैम्स सचिव, डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, मंच पर और मंच से दूर अन्य गणमान्य व्यक्तियों, वरिष्ठ अध्येता जो अकादमी की शक्ति हैं, प्रो. पी. के. दवे (प्रतिष्ठित अध्यक्ष), माननीया एस. एस. देशमुख, माननीया डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन, प्रो. के. के. शर्मा, परिषद के सदस्य, प्रतिष्ठित व्याख्यानों और विभिन्न अकादमी पुरस्कारों से पुरस्कृत व्यक्तियों, नैम्स सीएमई और संगोष्ठी के विशिष्ट आमंत्रित वक्ता, पूर्व सम्मेलन कार्यशाला के संकाय, प्रतिनिधियों, यूजी और पीजी छात्रों, आमंत्रित अतिथियों, मीडिया के व्यक्तियों और मित्रों, नैम्स और मेरी अपनी ओर से, मैं आप सभी का 59 वें नैम्सकॉन और इसके दीक्षांत समारोह में ऐतिहासिक शहर भोपाल में एम्स में लिए स्वागत करती हूँ।

महामहिम महोदय, इस समारोह को अनुग्रहित करने के लिए अपना बहुमूल्य समय देने के लिए हम वास्तव में आपके बहुत आभारी हैं। एक जनप्रतिनिधि के रूप में आपका बहुत नाम है। मुझे अटल वैज्ञानिक कन्वेंशन सेंटर को पूरा करने के लिए किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ के लिए आपकी मदद याद है, जब आपने इस प्रयोजन के लिए अपनी सभी सांसद नेतृत्व निधि प्रदान की थी। आप जन कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता के साथ अनुकरणीय राजनीतिज्ञ रहे हैं।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के बारे में कुछ शब्द: जनवरी 1959 में, आंध्र प्रदेश सरकार के एक प्रस्ताव के अनुसार तत्कालीन गणमान्य चिकित्साविदों के व्यापक, विचार-विमर्श और प्रयासों के बाद केन्द्रीय स्वास्थ्य परिषद ने 1961 में "भारतीय आयुर्विज्ञान भवन" की स्थापना की थी जिसके ज्ञापन पर डॉ. बी के आनंद, लेफ्टिनेंट कर्नल संघम लाल, डॉ. वी. रामालिंगस्वामी, डॉ. के एल विग, कर्नल बी एल तनेजा, डॉ. आर विश्वनाथन, कर्नल अमन चंद, डॉ. एस के सेन, और तत्कालीन प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने हस्ताक्षर किए थे।

तत्कालीन प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 19 दिसंबर 1961 को सप्रू हाउस में अकादमी का उद्घाटन किया। वे अकादमी की मानद अध्येतावृत्ति को स्वीकार करते हुए प्रसन्न हुए और जोर देकर कहा कि अकादमी चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए और उच्च मानकों को प्रोत्साहित करेगी। । महोदय, जिसे अब राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) के नाम से जाना जाता है, यह भारत में प्रतिभाशाली चिकित्सा और जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों को अध्येतावृत्ति और सदस्यता प्रदान करने के लिए एक अद्वितीय संस्थान है, जो कि प्रशंसित साख समिति द्वारा निर्धारित कड़े, पारदर्शी मानदंड को अपनाते हैं।

1963 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन द्वारा पहली बार दीक्षांत समारोह को संबोधित किया गया था, जिन्होंने कहा था कि "अकादमी समर्थ पुरुषों को प्रोत्साहन प्रदान करती है जिससे कि वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्राप्त कर सकें, जिससे सभी युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।" हमारे राष्ट्रपति डॉ. ए पी जे. अब्दुल कलाम हमारे अध्येता थे। भारत में चिकित्सा विज्ञान में ज्ञान और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्राथमिक जनादेश के साथ, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ चिकित्सा विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा को पहचानते हुए, मुझे आपको यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि एक कठोर सहकर्मी समीक्षा प्रक्रिया के बाद अकादमी की अध्येतावृत्ति को अत्यधिक प्रतिष्ठित गौरव प्राप्त हुआ है। अकादमी हर वर्ष अत्यधिक प्रशंसित चिकित्सा और जैव चिकित्सा वैज्ञानिकों के नाम पर प्रतिष्ठित व्याख्यान और अकादमी पुरस्कार देने के माध्यम से उत्कृष्टता और प्रतिभा को पुरस्कृत करती है। अब तक अकादमी के 920 अध्येता हैं और अकादमी के 2129 सदस्य (एमएएमएस) और डीएनबी डिप्लोमा पास करने के माध्यम से 7006 एमएनएएमएस हैं। हम असाधारण योग्यता का सम्मान करने के लिए मानद अध्येतावृत्ति प्रदान करते हैं - हमने केवल 3 को मानद अध्येतावृत्ति प्रदान की। यहाँ नैम्सकॉन 2019 में 27 नए अध्येताओं, 95 एमएएमएस और डीएनबी के माध्यम से 589 एमएनएएमएस के अलावा 6 अध्येताओं को प्रतिष्ठित व्याख्यान और 5 प्रतिष्ठित पुरस्कारों के अलावा प्रोफेसर पी के दवे (2017) और डॉ. प्रेमा रामचंद्रन (2018) को अकादमी के आजीवन उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया जाना है। निम्नलिखित व्याख्यान और पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता हैं।

अकादमी के प्रतिष्ठित व्याख्यानों से पुरस्कृत: डॉ. आर.वी. राजन व्याख्यान - डॉ. देविंदर मोहन थप्पा, शिलांग; डॉ. प्राण नाथ छुटानी व्याख्यान - डॉ. गोपाल नाथ, आईएमएस, बीएचयू,

वाराणसी; कर्नल संगम लाल व्याख्यान - डॉ. रवि कुमार अरुणा चलम, पुणे; डॉ. वी. आर. खानोलकर व्याख्यान - डॉ. अनिल कुमार त्रिपाठी, लखनऊ; डॉ. बलदेव सिंह व्याख्यान - डॉ. एम. वी. पद्मा श्रीवास्तव, एम्स, दिल्ली; डॉ. जे. एस. बजाज व्याख्यान - डॉ. माला धर्मलिंगम, लखनऊ।

डॉ. टी. डी. चुग पुरस्कार - डॉ. सरमन सिंह, एम्स, भोपाल; डेंटल पब्लिक हेल्थ अवार्ड - डॉ. जया चंद्रन, चेन्नई; डॉ. एस. एस. सिद्धू अवार्ड - डॉ. राजीव बी, नई दिल्ली; डॉ. एन। सूर्यनारायण राव पुरस्कार - डॉ. स्मिता अस्थाना, नोएडा; डॉ. अभय इंद्रायन पुरस्कार - डॉ. विष्णु वर्धन राव मेंदु, नई दिल्ली। उन्हें और नए शामिल किए गए अध्येताओं और अकादमी के सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं। जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कारों के लिए अत्यधिक निपुण प्रो. पी. के. दवे (2017) और डॉ. प्रेमा रामचंद्रन (2018) को विशेष शुभकामनाएं।

चिकित्सा और पराचिकित्सा पेशेवरों के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए चिकित्सा शिक्षा को जारी रखने के लिए अकादमी को नोडल एजेंसी के रूप में मान्यता दी गई है। सीएमई के विषय राष्ट्रीय स्वास्थ्य मुद्दों के लिए प्रासंगिक हैं। मोनोग्राम इन सीएमई के आधार पर प्रकाशित होते हैं। ज्ञान का प्रसार करने के लिए एनकेएन सुविधा भी उपयोगी है।

डॉ. संजीव मिश्रा, निदेशक, एम्स, जोधपुर के नेतृत्व में संपादकीय बोर्ड की ऊर्जावान टीम के साथ और अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन गृह को शामिल करने के साथ हमारे अकादमी के वृत्तांत को फिर से तैयार किया गया है। इसे शीघ्र ही पब मेड में अनुक्रमित किया जाएगा जिससे अकादमिक अनुसंधान प्रभाव को समृद्ध करने के लिए हमारे देश के भीतर और बाहर से चिकित्सा वैज्ञानिकों के अच्छे लेखों को आकर्षित किया जा सके।

आगे का मार्ग:

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीतियों, स्वास्थ्य वितरण प्रणाली, देश में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा को बढ़ाने और चिकित्सक और समाज (चिकित्सक रोगियों के संबंध) के बीच बंधन को बनाए रखने, स्वास्थ्य देखभाल के वितरण को सस्ता बनाने, उच्च स्तर की देखभाल के साथ चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने भ्रष्टाचार और चिकित्सा त्रुटियों को रोकने के तरीकों और साधनों को अपनाने के साथ के लिए अकादमी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। हमें रोगी की देखभाल में नैतिकता और करुणा को बढ़ावा देना होगा। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित निकायों के साथ सक्रिय बातचीत द्वारा अनुसंधान और नवाचारों को

प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। मानव संसाधन में इतना समृद्ध होने के नाते, हम नैदानिक अनुसंधान में अच्छा करने के लिए बाध्य हैं।

गुणवत्ता अनुसंधान को बढ़ाने के लिए अच्छे मेडिकल कॉलेजों में प्रत्येक नैदानिक विभाग में एक अनुसंधान वैज्ञानिक के पद की योजना बनाने के लिए निवेश करना लाभकारी होगा।

समय आ गया है जब हमें चिकित्सक: भारत में जनसंख्या अनुपात की कमी का रोना नहीं रोना है। हमने 2018 में 1000 लोगों के लिए 1 चिकित्सक की डब्ल्यूएचओ स्वर्ण रेखा को पार कर लिया है। (रमन कुमार और रणवीर - परिवार चिकित्सा प्राथमिक देखभाल पत्रिका 7 (5): 841-844); साथ ही हमारे पास 67218 एमबीबीएस छात्रों के वार्षिक दाखिले की क्षमता वाले 479 से अधिक मेडिकल कॉलेज और आयुष के कुल 7.6 लाख (2017) स्नातक हैं।

हमें शहरी क्षेत्रों में सुपर विशेषज्ञता के लिए लालयित चिकित्सकों के असंतुलित वितरण को संबोधित करने और यहां तक कि ग्रामीण भारत से भी आने वाले औसत भारतीय के लिए चिकित्सा शिक्षा को सस्ती बनाने की आवश्यकता है। वर्तमान में चिकित्सा शिक्षा निजी संस्थानों के हाथों में जा रही है। इन के वाणिज्यिक कोण को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। इसके लिए चिकित्सा वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, रोगियों, जनप्रतिनिधियों, मीडियाकर्मियों, चिकित्सा छात्रों और आम लोगों जैसे सभी प्रभावित होने वाले लोगों में विचार विमर्श के सत्रों की आवश्यकता है। पुनर्विचार और बोल्ड अभिनव पहल की आवश्यकता है। निश्चित रूप से वर्तमान आवश्यकता नए मेडिकल कॉलेजों की भीड़ एकत्रित करना नहीं है, अपितु उपकरणों, अनुसंधान और नवाचारों के लिए बुनियादी ढाँचा के साथ सरकार और उद्योग और सार्वजनिक भागीदारी के साथ मौजूदा कॉलेजों को मजबूत बनाना है। बहुत कुछ हासिल किया जा सकता है, अगर हम भारतीय प्रणाली और आधुनिक चिकित्सा के साथ अनुसंधान में मिल कर प्रयत्न करें। केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सरकारों को जीडीपी के केवल 1.4% से स्वास्थ्य देखभाल और चिकित्सा शिक्षा बजट आवंटन में वृद्धि करनी होगी। आखिरकार भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभर रहा है। हम निश्चित रूप से चिकित्सा क्षेत्र में भी अच्छा कर सकते हैं जैसा कि हमने अंतरिक्ष अनुसंधान और औषध विज्ञान में किया है।

अंत में मैं अकादमी के सभी अनुभवी वरिष्ठों विशेष रूप से स्वर्गीय प्रो जे. एस. बजाज के अमूल्य योगदान का धन्यवाद करता हूँ जिनका हृद्य अकादमी के लिए धड़कता था, जिनकी दृष्टि ने अकादमी का पोषण किया और जिन्होंने हम सभी का नेतृत्व किया। अकादमी के

जनादेश को आगे ले जाने के लिए पूरे दिल से एकजुट होकर काम करना उनके प्रति हमारी ईमानदारी से प्रतिज्ञा और सादर श्रद्धांजलि है।

मैं वास्तव में अकादमी के आचार्यों की बहुत आभारी हूँ, जैसे प्रो. पी. के. दवे, (निर्वाचित प्रतिष्ठित अध्यक्ष), महोदया एस. एस. देशमुख, अध्यक्ष, वित्त समिति, एक बहुमुखी थिंक-टैंक, मेरे गुरु, जिन्होंने मुझे हमेशा आशीर्वाद दिया है और सदा सुख और दुख में मेरे साथ खड़े रहे हैं, और एक बहुत ही सुखद सम्मानजनक व्यक्ति डॉ. प्रेमा रामचंद्रन, अध्यक्ष, अकादमिक समिति हैं। उन्होंने सदैव मेरा मार्गदर्शन किया है और व्यक्तिगत रूप से मेरी सहायता की है। मैं उनका आशीर्वाद पाकर बहुत भाग्यशाली हूँ।

कहने की आवश्यक्ता नहीं है कि हमारे पास एक बहुत ही जीवंत परिषद और विभिन्न स्थायी समितियां है जो निस्वार्थ रूप से अकादमी के सभी कार्यों और कर्तव्यों के निर्वहन में मदद करती हैं। मैं हमारे अकादमी के सचिव डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव और अकादमी की शैक्षणिक गतिविधियों के सलाहकार डॉ. के. के. शर्मा द्वारा चुपचाप किए गए शानदार कार्यों का आभार व्यक्त करना चाहूंगी।

मैं एक बार पुनः सभी प्रतिनिधियों, प्रतिभागियों, छात्रों और मीडिया का स्वागत करती हूं और माननीय राज्यपाल श्री लालजी टंडन जी और मुख्य अतिथि डॉ. वाई. के गुप्ता जी के प्रति आभार व्यक्त करती हूं और अकादमी की अध्येतावृत्ति और सदस्यता के सभी नए प्राप्तकर्ता, व्याख्यान पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं और अकादमी के अन्य पुरस्कारों सहित जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार विजेता प्रो. पी के दवे और डॉ. प्रेमा रामचंद्रन को बधाई देना चाहती हूँ।

इस कार्यक्रम के शानदार आयोजन के लिए डॉ. सरमन सिंह और एम्स भोपाल की उनकी पूरी आयोजन टीम को मेरा विशेष धन्यवाद है। मैं नैम्सकॉन 2019 की शानदार सफलता के लिए सभी नैम्स स्टाफ की कड़ी मेहनत के लिए भी आभारी हूँ।

अकादमी बनी रहे, जय हिन्द।

अनुबंध-II

भोपाल में दिनांक 12 अक्टूबर, 2019 को आयोजित 59वें वार्षिक दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन द्वारा दिए गए अभिभाषण का पाठ

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल, 59 वीं नैम्सकॉन संगोष्ठी का आयोजन कर रहा है। मुझे प्रतिष्ठित एवं उन्नति की ओर अग्रस्थ संस्थान में आकर बहुत हर्ष हो रहा है एवं मुझे विश्वास है कि इस संस्थान के माध्यम से मरीजों के जटिल से जटिल रोगों का निदान निपुणता के साथ किया जा रहा है इससे प्रदेश के दूर दराज एवं आस-पास के मरीज अत्यंत लाभान्वित हो रहे होंगे। मुझे हर्ष है कि इसी सन्दर्भ में मरीजों के उत्तम उपचार के लिए एम्स द्वारा यह संगोष्ठी कराई जा रही है जिससे समस्त चिकित्सकों को उन्नत चिकित्सा पद्धति का ज्ञान होगा एवं यह निश्चित ही मरीजों के हित में होगा।

एम्स की वार्षिक बैठक उन वैज्ञानिकों और चिकित्सकों को सम्मानित करने के लिए महत्वपूर्ण है, जिन्होंने अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। ये बैठकें अकादमी की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे इस बात पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं कि कैसे सदस्यों को चिकित्सा और वैज्ञानिक क्षेत्र में प्रगति करने में मदद कर सकते हैं। ये बैठकें निदान और चिकित्सा विज्ञान की प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति के साथ समृद्ध बनाने और रखने के लिए एक मंच प्रदान करती हैं।

मुझे बताया गया है कि इस वर्ष के वार्षिक सम्मेलन के विषय में आण्विक जीव विज्ञान और इमेजिंग तकनीकों में हाल की प्रगति पर सम्मेलन - पूर्व कार्यशाला, नैदानिक स्टिवार्डशिप में हालिया उन्नति पर प्रायोगिक कार्यशाला, सतत ग्लूकोज मॉनिटरिंग, एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर और होल्टर, तंत्रिका विज्ञान विकारों में बोटुलिनम टॉक्सिन शामिल हैं। आईसीयू और बेसिक स्पायरोमेट्री आदि मे हिमोडायनामिक मॉनिटरिंग।

10 अक्टूबर को सम्मेलन - पूर्व कार्यशाला के अतिरिक्त, 11 अक्टूबर को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस के ज्वलंत मुद्दे पर एक समर्पित सीएमई कार्यक्रम है, जहां अकादमिक ख्याति के सूक्ष्म जैव वैज्ञानिक और चिकित्सा के क्षेत्र में विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श किया जाएगा।

इससे अंडरग्रेजुएट, पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थी और प्रतिनिधि लाभान्वित होंगे। इस क्षेत्र में प्रशंसित वैज्ञानिकों द्वाराः "आणविक जीवविज्ञानः चिकित्सा पर प्रभाव" पर एक संगोष्ठी होगी।

मै एम्स के अध्यक्ष डॉ. वाई. के. गुप्ता एवं संचालक डॉ. सरमन सिंह को शुभकामनायें देता हूँ और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी एम्स मरीजों एवं प्रदेश की जनता के हित में उन्नत तकनीकी से रोगियों की सेवा करेगा एवं संस्थान को चिकित्सा की उन्नत उपचार प्रोटोकॉल के अनुसन्धान के लिए सतत प्रयासरत रहे।

आज दीक्षांत समारोह में आये हुए प्रतिष्ठित चिकित्सको एवं वैज्ञानिको के चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उपाधि दी जा रही है। मुझे बताया गया है, कि यह डिग्री बहुत वर्षो के परिश्रम के बाद ही प्राप्त होती है। मै अकादमी द्वारा चयनित सभी अध्येताओं एवं सदस्यों को बधाई देता हूँ।

(श्री लालजी टंडन)

शैक्षिक रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यकलापों की रिपोर्ट

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1.	डॉ. देवेन्द्र के. तनेजा	-	सभापति
2.	डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल	-	अध्यक्ष
3.	डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन	-	सदस्य
4.	डॉ. मीरा रजानी	-	सदस्य
5.	डॉ. अशोक कुमार शर्मा	-	सदस्य
6.	डॉ. एम. वी. पदमा श्रीवास्तव	-	सदस्य
7.	डॉ. राजेश्वर दयाल	-	सदस्य
8.	डॉ. देवेन्द्र कुमार गुप्ता	-	सदस्य
9.	डॉ. के. के. शर्मा	-	सलाहकार, शैक्षणिक कार्यकलाप
10.	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव, एफएएमएस	-	मानद सचिव

शैक्षणिक समिति के निम्नलिखित सदस्य हैं:

1.	डॉ. प्रेमा रामाचंद्रन	-	सभापति
2.	डॉ. सरोज चूड़ामणि गोपाल	-	अध्यक्ष
3.	डॉ. एस. एस. देशमुख	-	सदस्य
4.	डॉ. कमल बक्शी	-	सदस्य
5.	डॉ. योगेश चावला	-	सदस्य
6.	डॉ. मोहन कामेश्वरन	-	सदस्य
7.	डॉ. पी. के. दवे	-	सदस्य
8.	डॉ. वी. के. शुक्ला	-	सदस्य
9.	डॉ. के. के. शर्मा	-	सलाहकार, शैक्षणिक कार्यकलाप
10.	डॉ. दीप नारायण श्रीवास्तव	-	मानद सचिव

वर्ष 2019-2020 के दौरान, सीएमई कार्यक्रम समिति की एक बैठक 3 मार्च, 2020 को आयोजित की गई थी।

समिति समय-समय पर, चर्चा के विषय और प्राप्त सीएमई प्रस्तावों के अनुसार विशेषज्ञ सलाह की आवश्यकता के आधार पर बैठक में भाग लेने के लिए अध्येताओं को सहयोजित करती है।

बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमः ये सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। एनएएमएस द्वारा निधिपोषित बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों की गुणवत्ता और विषय-वस्तु में सुधार करने के लिए निधिपोषण हेतु प्राप्त प्रस्तावों की सबसे पहले एक विषय विशेषज्ञ, जो एनएएमएस के अध्येता भी हैं, द्वारा तकनीकी रूप से समीक्षा की जाती है। इस पद्धति का जुलाई, 2004 से ही अनुपालन किया जा रहा है और इस प्रकार नामोदिष्ट समीक्षकों ने प्रस्तावों का मूल्यांकन किया है और कार्यक्रम की विषय-वस्तु में अगर कोई खामियाँ हैं तो उनकी पहचान की है। समीक्षकों ने कार्यक्रम में समामेलित किए जाने वाले संशोधनों/आशोधनों का भी सुझाव दिया है। ये सुझाव सूचित किए जाते हैं और ऐसे लगभग सभी सुझाव आयोजकों द्वारा स्वीकार किए गए हैं और उसके बाद ही सीएमई प्रस्तावों को निधिपोषित किया जाता है। अकादमी के अध्येताओं को बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने और उनका मूल्यांकन करने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामोदिष्ट किया जाता है। अकादमी सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेने, समीक्षा करने और रिपोर्ट देने के लिए पर्यवेक्षकों के रूप में नामित अध्येताओं को यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान कर रही है।

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों/व्यावसायिक निकायों से प्राप्त सीएमई प्रस्तावों में से अकादमी ने वित्तीय वर्ष 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान 14 बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आंशिक वित्तीय सहायता स्वीकृत की है। 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान निधिपोषित बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का ब्यौरा अनुबंध - IV के रूप में प्रस्तुत है।

01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर स्वीकृत कुल व्यय रुपए 18,47,096/- (केवल अठारह लाख सैंतालीस हजार छियानवे रुपए) है।

अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम: ये संगोष्ठियाँ/ सीएमई कार्यक्रम अकादमी की सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम समिति के तत्वाधान में चलाए जा रहे हैं। सीएमई कार्यक्रम समिति समय-समय पर अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम के रूप में निधिपोषण के लिए राष्ट्रीय और शैक्षणिक संगतता के विषयों की पहचान करती है। बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के समान ही अकादमी उन अध्येताओं को, जो पर्यवेक्षकों के रूप में सीएमई कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और रिपोर्ट दाखिल करते हैं, यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता और मानदेय प्रदान करती है।

अकादमी ने वर्ष 2019-2020 के दौरान 4 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी का निधिपोषण किया है।

अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों का विवरण निम्नलिखित हैः-

1. 2 मई, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में आयोजित **"स्तन कैंसर- निदान और प्रबंधन में वर्तमान रुझान"** पर सीएमई कार्यक्रम।

2. 11 अक्टूबर, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में आयोजित **"रोगाणुरोधी प्रतिरोध"** पर सीएमई कार्यक्रम।

3. 18 अक्टूबर, 2019 को कमला रहेजा सभागार एवं प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित **"भारत में कुपोषण का तिहरा बोझ: एक शोध अद्यतन"** पर एनएफआई - नैम्स डॉ. सी. गोपालन शताब्दी संगोष्ठी।

4. 3 नवंबर, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में आयोजित **"बाल रोग में योग्यता आधारित शिक्षा: चुनौतियां और अवसर"** पर सीएमई कार्यक्रम एवं कार्यशाला।

अंत-सांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम आयोजित करने में कुल व्यय 7,97,227 रुपए (केवल सात लाख सतानवे हजार दो सौ सत्ताईस रुपए) था। ब्यौरे अनुबंध-V में दिए गए हैं।

चित्र 1 वर्ष 2018-19 और 2019-20 के दौरान बाहयसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक कार्यक्रमों पर किए गए व्यय का चित्रांकन करता है।

वर्ष 2018-19 और 2019-20 के दौरान सीएमई कार्यक्रमों (बाहयसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक दोनों) पर किए गए कुल व्यय का नीचे सचित्र प्रदर्शन किया गया है।

वर्ष 2018-19 और 2019-20 में सीएमई कार्यक्रमों पर कुल व्यय

हजार रूपयों में

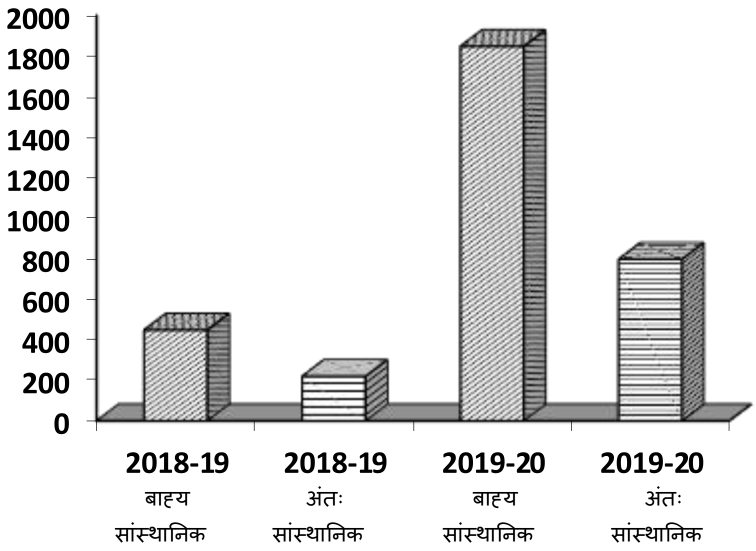

चित्र 1. वर्ष 2018-19 और 2019-20 में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों में किए गए व्यय का तुलनात्मक प्रदर्शन।

राज्य-चैप्टर-वार बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विवरण चित्र 2 में दिया गया है।

राज्य जहाँ 1 अप्रैल, 2019 - 31 मार्च 2020 के दौरान बाह्यसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम आयोजित किए गए
राज्य जहाँ 1 अप्रैल, 2019 - 31 मार्च 2020 के दौरान अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम आयोजित किए गए

चित्र 2. राज्य चैप्टर-वार वर्ष 2019-20 में बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का प्रदर्शन

वर्ष 2019-20 के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार विवरण चित्र 3 में दर्शाया गया है।

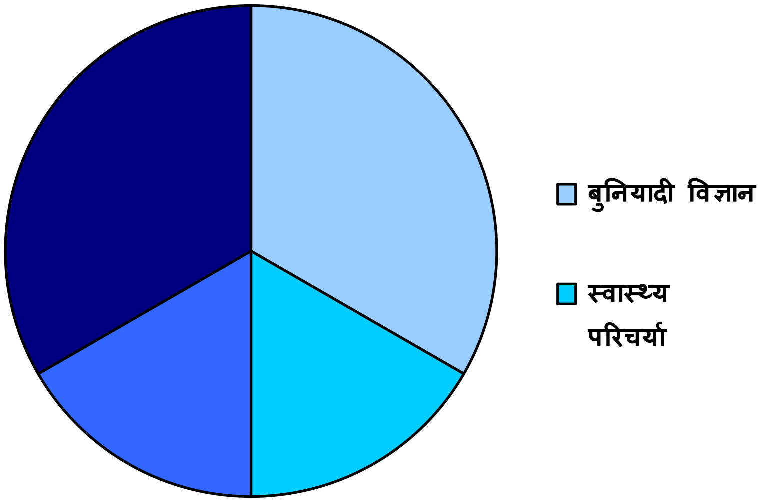

चित्र-3. वर्ष 2019-20 के लिए बाह्यसांस्थानिक और अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का विशेषज्ञता-वार वितरण

राज्य चैप्टर के अधीन सीएमई कार्यक्रमों के अंतर्गत समर्थित गोष्ठियों, संगोष्ठियों, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, और कार्यशालाओं का विवरण नीचे अनुबंध-III में दिया गया है।

पिछले 3 वर्षों, अर्थात् 2017-18 से 2019-20 में स्वीकृत बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का राज्य-वार वितरण

बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों का वर्ष 2017 - 2020 में प्रति वर्ष राज्य-वार वितरण नीचे सारणी में दिया गया है

राज्य	2017-18	2018-19	2019-2020	वर्ष 2019-20 के दौरान किया गया व्यय (रुपए)
पश्चिम बंगाल	2	1	2	2,38,000
असम	-	-	-	-
मणिपुर	1	-	-	-
आंध्र प्रदेश	-	-	-	-
बिहार	-	1	-	-
चंडीगढ़	1	-	3	4,08,000
छत्तीसगढ़	-	-	-	-
दिल्ली	1	-	1	1,34,468
गुजरात	-	-	-	-
हरियाणा	1	-	-	-
हिमाचल प्रदेश	-	-	-	-
केरल	-	-	1	1,64,490
मेघालय	-	-	1	83,924
कर्नाटक	-	-	2	2,55,000
महाराष्ट्र	2	-	-	-
पुडुचेरी	3	-	1	1,50,000
राजस्थान	-	1	1	1,60,214
तमिलनाडु	-	-	1	1,70,000
उत्तर प्रदेश	1	1	1	83,000
जोड़	**12**	**4**	**14**	**18,47,096**

राज्य चैप्टर के अधीन सीएमई कार्यक्रमों के अंतर्गत समर्थित बाह्यसांस्थानिक गोष्ठियों, संगोष्ठियों, अल्पकालिक पाठ्यक्रमों, और कार्यशालाओं का विवरण नीचे अनुबंध-III में दिया गया है।

अनुबंध-III

एनएएमएस अध्यायों के बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम

अकादमी की वैज्ञानिक गतिविधियों में उसके राज्य चैप्टरों की शैक्षणिक गतिविधियां शामिल होती हैं। वितीय वर्ष 2019-20 के लिए सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट नीचे दी गई हैः

उत्तर प्रदेश

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया है।

केरल

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केरल चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया है।

राजस्थान

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान राजस्थान चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया है।

पश्चिम बंगाल

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पश्चिम बंगाल चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से दो बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

चंडीगढ़

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान चंडीगढ़ चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से तीन बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

दिल्ली

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दिल्ली चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया है।

कर्नाटक

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान कर्नाटक चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से दो बाहृयसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

मेघालय

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान मेघालय चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाहृयसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया है।

पुद्दुचेरी

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान पुद्दुचेरी चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाहृयसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया है।

तमिलनाडु

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान तमिलनाडु चैप्टर ने एनएएमएस की वित्तीय सहायता से एक बाहृयसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम आयोजित किया है।

अनुबंध-IV

दिनांक 01.04.2019 से 31.03.2020 तक बाह्यसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. **3 मई, 2019 को उत्तर-पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग में आयोजित "उत्तर पूर्वी राज्यों में मुख और सिर और गर्दन के कैंसर की बढ़ती घटनाएँ और उनका प्रबंधन" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. सुवामोय चक्रवर्ती, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, ईएनटी, उत्तर-पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और आयुर्विज्ञान संस्थान, शिलांग।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य

पूर्वोत्तर राज्यों में मुख और सिर और गर्दन के कैंसर की घटनाओं में तंबाकू और तंबाकू से संबंधित उत्पादों के अनियंत्रित उपयोग के कारण वृद्धि हो रही है। इस क्षेत्र में ऐसे रोगियों के प्रबंधन की सीमित सुविधा है।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

1. सिर और गर्दन के कैंसर के प्रबंधन में वर्तमान रुझानों के बारे में ज्ञान प्रदान करना।
2. उत्तर पूर्व भारत में उपलब्ध अवसंरचना के लिए वर्तमान उपचार प्रवृत्तियों के अनुप्रयोग के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराना।
3. विभिन्न उत्तर पूर्वी राज्यों में उपचार प्रथाओं और उपलब्ध संसाधनों के संबंध में डेटा एकत्र करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. मोहन कामेस्वरन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

"उत्तर-पूर्वी राज्यों में सिर और गर्दन के कैंसर का बढ़ना" पर सीएमई कार्यक्रम का आयोजन इस तरह से किया गया था कि यह पूरी तरह से निर्धारित उद्देश्यों को पूरा करे। सभी वैज्ञानिक प्रस्तुतियों से संबंधित अच्छी तरह से प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रतिभागियों को प्रदान की गई थी। 110 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था और लगभग 90-100 प्रतिभागी कार्यक्रम के दौरान हर समय उपस्थित थे। सीएमई कार्यक्रम में शिक्षाप्रद इंटरएक्टिव व्याख्यान और दो पैनल विचार विमर्श सम्मिलित थे।

प्रत्येक व्याख्यान के समय विचार-विमर्श के दौरान मामले के परिदृश्यों पर चर्चा की गई थी और सभी चर्चाएँ बहुत जीवंत थीं। पूरे कार्यक्रम को सभी की भागीदारी के साथ एकल समूह के रूप में आयोजित किया गया था, लेकिन एक समय में एक प्रतिभागी को इंगित करने वाले प्रश्न पूछे गए थे। सीएमई प्रयोगशाला / बेंच व्यावहारिक कार्य से संबंधित नहीं थी इसलिए कोई प्रायोगिक प्रशिक्षण नहीं था। जैसा कि सीएमई चार प्रमुख रोग क्षेत्रों के प्रबंधन को लागू करने से संबंधित था, सभी संसाधन व्यक्तियों ने नैदानिक और चिकित्सीय तौर-तरीकों का वर्णन करने के लिए वास्तविक जीवन के परिदृश्यों का उपयोग किया। सभी संकाय / संसाधन व्यक्तियों की प्रस्तुति की गुणवत्ता साक्ष्य आधारित, बहुत जीवंत और इंटरैक्टिव थी। वैज्ञानिक कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न प्रकार के उत्तम श्रव्य दृश्य उपकरण प्रदान किए गए थे। दर्शकों द्वारा व्यापक रूप से देखने के लिए मुख्य स्क्रीन के अतिरिक्त 2 उच्च दृश्यता वाले टीवी स्क्रीन का भी उपयोग किया गया था। प्रस्तुत शैक्षणिक सामग्री अच्छी गुणवत्ता, साक्ष्य-आधारित थी और प्रभावी ढंग से वितरित की गई थी।

2. 18 और 19 जून, 2019 को मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर में आयोजित "भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में तीव्रता लाना: मुद्दे और चुनौतियां" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. डी. सी. नानजुंडा, सह आचार्य सह निदेशक, सामाजिक बहिष्कार और समावेशी नीति के अध्ययन के लिए केंद्र, मानविकी ब्लॉक, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर 06, कर्नाटक।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

1. भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को वितरित करने के लिए संगठन, वित्तपोषण, प्रबंधन और संसाधनों पर चर्चा करना
2. यूएचसी के तहत स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं पर बहस करना
3. देश में सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल प्राप्त करने के लिए मुद्दों और चुनौतियों की पहचान करना।

4. विशेष रूप से ग्रामीण और जनजातीय तबके के लिए प्रोत्साहन, निवारक उपचारात्मक और पुनर्वास स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के प्रभाव पर बहस करना
5. यूएचसी प्रयासों के भीतर वर्तमान स्वास्थ्य असमानताओं के संभावित कारणों और न्यायसम्यक रणनीतियों की ओर वक्र को स्थानांतरित करने के संभावित तरीकों पर चर्चा करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. एम. के. सुदर्शन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

समग्र रूप से वातावरण अच्छा था। प्रतिभागी उत्साही थे और पैनल चर्चा आदि सहित परिणाम पूर्ण चर्चाएँ / प्रश्न एवं उत्तर सत्र थे। उद्देश्यों को पूरा किया गया था और संयोजक द्वारा उल्लिखित किया गया था। अधिगम संसाधन सामग्री प्रतिभागियों को नहीं दी गई थी केवल प्लास्टिक फ़ोल्डर / पेन / पैड / प्रदान किया गया था। 106 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया और लगभग 90+ कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे। एक पैनल चर्चा थी जो बहुत जीवंत थी और आयोजित की गई थी। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति अच्छी थी और कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए जाने वाले दृश्य-श्रव्य उपकरण अच्छे थे। एक अच्छी गुणवत्ता की अत्याधुनिक जानकारी प्रदान की गई थी और यह साक्ष्य आधारित थी।

3. 26 जुलाई 2019 को वी डी स्वामी सभागार, शंकर नेत्रालय, कॉलेज मार्ग, चेन्नई में आयोजित 26 वीं भारतीय नेत्र अनुसंधान समूह आईईआरजी 2019 सम्मेलन पूर्व (1) कार्यशाला: पुनर्योजी चिकित्सा और नेनो चिकित्सा में हालिया प्रगति और (2) जीनोमिक्स में प्रगति एवं डेटा विश्लेषण के साथ नैनोपोर प्रौद्योगिकी का उपयोग कर अगली पीढ़ी अनुक्रमण पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. एन. अंगयारकर्णी, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, जैव रसायन और कोशिका जीव विज्ञान विभाग, दृष्टि अनुसंधान प्रतिष्ठान, शंकर नेत्रालय, 41, कॉलेज रोड, चेन्नई।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

कार्यशाला 1:

1. बड़े पैमाने पर एकल कोशिका आरएनए-अनुक्रमिक डेटा से दुर्लभ कोशिकाएं खोजना।
2. चुंबकीय मनका आधारित डीएनए अलगाव।
3. नैनोपोर तकनीक और डेटा विश्लेषण का उपयोग करते हुए एनजीएस-आधारित डीएनए अनुक्रमण।
4. जीनोमिक डेटा का उपयोग करके गणितीय मॉडलिंग।

कार्यशाला 2:

1. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए नेनो सामग्री।
2. 3 डी इन विट्रो कोशिकीय परख में: कोशिकाओं के केप्सूलीकरण और विकास के आधार पर एक सरल सूक्ष्म तरल विधि।
3. यांत्रिक जैव विज्ञान: कोशिकीय गतिशीलता।
4. एसईएम लक्षण वर्णन के बाद नैनोफाइबर और हाइड्रोजेल तैयारी का प्रदर्शन।

संगोष्ठी:

1. आईपीआर के मूलभूत सिद्धांत।
2. पेटेंट प्रक्रिया।
3. प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।
4. सफल नवीन आविष्कारकर्ताओं के अनुभव।
5. ब्लॉक श्रृंखला क्या है और क्या चिकित्सा / नैदानिक अनुसंधान में इसके अनुप्रयोग हैं।
6. पैनल चर्चा।

पर्यवेक्षक (डॉ. वेमुगंटी गीता के., एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कार्यशाला 1 और कार्यशाला 2 के रूप में दो समानांतर सत्रों को एक ही इमारत में आयोजित और संचालित किया गया था। 27 प्रतिभागियों के साथ कार्यशाला 1 व्याख्यान कक्ष में आयोजित की गई थी और 25 प्रतिभागियों के साथ कार्यशाला 2 सभागार में आयोजित की गई थी। दोनों सत्रों में भली प्रकार से कार्य कर रही श्रव्य-दृश्य सुविधा का

अच्छा उपयोग किया गया था। सुबह के सत्रों को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक 3 घंटे तक आयोजित किया गया। प्रत्येक कार्यशाला में सीएमई के शीर्षक से संबंधित व्याख्यान थे और प्रत्येक व्याख्यान के बाद इंटरैक्टिव सत्र थे। इसके बाद उसी इमारत में संबंधित प्रयोगशालाओं (नैनोप्रौद्योगिकी प्रयोगशाला और आनुवंशिकी प्रयोगशाला) में प्रदर्शन सत्र आयोजित किया गया। विभागों से संकाय और संसाधन कर्मियों द्वारा अगले 1.15 घंटे के लिए वास्तविक समय 1.30 बजे तक प्रयोगों को किया गया था। ये प्रदर्शन सत्र भी इंटरैक्टिव थे और स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी के नए प्लेटफॉर्म के बारे में जानकारी दी गई जो उपयोगकर्ता के अनुकूल है और आनुवंशिकी में चुंबकीय मनका तकनीक का उपयोग करके डीएनए और प्रोटीन शुद्धि के अधिक संवेदनशील तरीकों के बारे में बताया गया।

बौद्धिक संपदा अधिकारों पर दोपहर के सत्र में कार्यशालाओं 1 और 2 के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जहां वक्ताओं ने आईपीआर के अवलोकन और प्रासंगिकता के साथ शुरुआत की, इसके बाद आईपीआर में सम्मिलित चरणों पर चर्चा की गई। इसके बाद समय सीमा के भीतर पेटेंट के प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को कैसे करना है, इस पर चर्चा की गई। सफल वैज्ञानिकों के वास्तविक अनुभव साझा किए गए थे। पेटेंट को भरने के दौरान ध्यान में रखे जाने वाले बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। एक अपेक्षाकृत नए विषय - ब्लॉक श्रृंखला प्रौद्योगिकी और अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवा में इसके अनुप्रयोगों को सामने रखा गया, जिस पर अच्छी चर्चा हुई। इसमें कार्यशाला 1 और 2 के 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो अपराह्न 2.00 बजे से शाम 6.00 बजे तक चला। कुल 8.5 घंटे का समय लगा था। सभी 3 सत्रों में पूर्व और पश्च मूल्यांकन किया गया था। सत्रों में सक्रिय, उत्साही प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी सत्रों में अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया, जो संसाधन व्यक्ति, संकाय और अन्य छात्र थे तथा जिनकी कुल संख्या 100 से अधिक थी।

4. 16 नवंबर, 2019 को सभागार, जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, जयपुर में आयोजित "सुखद जरण चिकित्सीय, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलू" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. प्रेरणा उपाध्याय, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, जयपुर।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

क) बुजुर्ग रोगियों में सामान्य बीमारियों की परिवर्तित प्रस्तुति को पहचानना
ख) बुजुर्ग रोगियों में उचित और प्रभावी प्रिस्क्राइबिंग के सिद्धांतों की समीक्षा करना
ग) सीओपीडी, दर्द, संक्रमण और पुराने अस्थिरोग गठिया के बुजुर्ग रोगियों में सामान्य चिकित्सा समस्याओं का प्रबंधन करने के लिए नई रणनीतियों को लागू करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. जे. एस. बापना, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई अच्छी तरह से आयोजित की गई थी। प्रत्येक सत्र के बाद प्रतिभागियों द्वारा प्रासंगिक प्रश्नों और उत्तरों के साथ इंटरैक्टिव सत्रों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम स्थल का वातावरण बहुत अच्छा था। प्रतिभागी बहुत उत्साही थे। संयोजक द्वारा उल्लिखित उद्देश्यों एवं विषय वस्तु को सीएमई कार्यक्रम द्वारा पूरा किया गया। प्रतिभागियों को एक अच्छी तरह से प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की गई थी। कार्यक्रम में 280 प्रतिभागी पंजीकृत थे और कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 प्रतिभागी उपस्थित थे। कार्यक्रम में केवल शिक्षाप्रद व्याख्यान शामिल नहीं थे, अपितु प्रत्येक सत्र के बाद इंटरएक्टिव चर्चा हुई। व्यावहारिक प्रदर्शन / प्रायोगिक प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं थी। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति उत्कृष्ट थी। स्लाइड्स का पूर्ण स्क्रीन प्रक्षेपण प्रदर्शित किया गया था। भारतीय जराचिकित्सा अकादमी के वरिष्ठ अध्यक्ष, गणमान्य प्रतिष्ठित आचार्यों, प्राचार्यों और भारतीय जराचिकित्सा समिति के पूर्व अध्यक्ष जैसे वरिष्ठ विशेषज्ञों द्वारा अत्याधुनिक नवीनतम जानकारी प्रदान की गई। जानकारी नवीनतम थी और साक्ष्य आधारित थी।

5. 25 नवंबर, 2019 को सतत तंत्र प्रयोगशाला, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बंगलौर में आयोजित "ऑपरेशन कक्ष में पूर्व सम्मेलन सतत तंत्र" पर सीएमई कार्यक्रम।

आयोजन सचिव: डॉ. के. एस. सविता, आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एसजेएमसीएच, बंगलौर।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य थेः

1. संवेदनाहरण विज्ञानी को प्रशिक्षण और सक्षमता मूल्यांकन के लिए सिमुलेशन नामक नए अभिनव और शैक्षिक उपकरण से लैस करना।
2. चिकित्सकों को कार्य प्रबंधन के महत्व के बारे में समझाना जिसमें नियोजन, तैयारी, प्राथमिकता निर्धारित करना, मानकों को बनाए रखना और संसाधनों का उपयोग करना शामिल है।
3. अच्छी टीम की गतिशीलता के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक करना जिसमें टीम का नेतृत्व, समन्वय गतिविधियों और बंद लूप संचार शामिल हैं।
4. स्थिति जागरूकता के तत्वों जैसे कि सतर्कता और प्रत्याशित समस्याएँ को समझना।
5. प्रतिभागियों को निर्णय लेने के विभिन्न तत्वों से अवगत करवाना जैसे कि पहचानना, प्रतिबिंबित करना और चयन करना और उन्हें संतुलित करना और उनका पुनर्मूल्यांकन करना।

कार्यशाला के विषय क्षेत्र के लिए विशिष्ट उद्देश्य कालानुक्रमिक क्रम में निम्नानुसार हैं-

1. अखिल भारतीय कठिन वायुमार्ग संघ के अनुसार अप्रत्याशित कठिन वायुमार्ग के मामले में प्रभावी नैदानिक प्रबंधन और प्रलेखन।
2. पोस्ट एक्सटुबेशन स्ट्रीडर के एक मामले की प्रारंभिक पहचान और सुरक्षित प्रबंधन।
3. सामान्य संज्ञाहरण के तहत अंतर्शल्यक्रियात्मक अनहोनी हृद घटना की प्रारंभिक पहचान और इसका नैदानिक प्रबंधन ।
4. अंतर्शल्यक्रियात्मक अल्प आक्सीयता के लिए विभिन्न विभेदक निदान जानना और इसका उपयुक्त नैदानिक प्रबंधन ।
5. प्रभावी रूप से बहु-विषयक टीमों के साथ संवाद करना और आपातकालीन ड्यूटी पर हीमोडायनमिकली अस्थिर बहु आघात रोगी का प्रबंधन करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. ए. वी. कुरपाद, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

ऑपरेशन कक्ष में पूर्व सम्मेलन सतत तंत्र पर कार्यशाला अच्छी तरह से संरचित, योजनाबद्ध और आयोजकों द्वारा समय प्रबंधन के लिए उचित ध्यान देते हुए निष्पादित की गई थी। संकाय शिक्षण में बहुत अभिनव था जिसने प्रत्येक प्रतिभागी को प्रायोगिक शिक्षा में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित किया। परिसर में सभी बुनियादी आवश्यकताएँ प्रदान की गई थीं। समग्र रूप से कार्यशाला का संचालन सर्वोत्तम तरीके से किया गया। केंद्रीय वातानुकूलन, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और प्रभावी दृश्य श्रव्य उपकरणों के साथ कार्यशाला कक्ष विशाल, सुखद था जो इंटरएक्टिव शिक्षण के लिए पूर्णतया अनुकूल था। सिमुलेशन प्रयोगशाला आधुनिक तकनीकी सहायता के साथ ऑपरेशन थियेटर की तरह ही सुसज्जित था। प्रतिभागियों द्वारा उत्साहपूर्वक प्रायोगिक शिक्षण में भाग लिया गया था। सीखने सिखाने की प्रक्रिया बहुत इंटरैक्टिव थी जो आलोचनात्मक सोच और समझ को विकसित कर रही थी। उद्देश्यों को पूरा किया गया और प्रशिक्षण अभिनव था, संयोजक द्वारा दिए गए उद्देश्यों के हर घटक को चित्रित किया गया। प्रतिभागियों को एक अच्छी तरह से प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की गई थी और शिक्षण के दौरान हर परिदृश्य में प्रतिभागियों को शिक्षण सामग्री प्रदान की गई थी। सीएमई के लिए 32 प्रतिभागी पंजीकृत थे।

6. **6 - 7 दिसंबर, 2019 को कमान अस्पताल, कोलकाता में आयोजित "क्षेत्रीय संज्ञाहरण - भविष्य का मार्ग" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) सुरेश बाबू, आयोजन सचिव, वर्गीकृत विशेषज्ञ (संवेदनाहरण), कमान अस्पताल (पूर्वी कमान), अलीपुर रोड, कोलकाता।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

1. सीएमई का उद्देश्य मुख्य रूप से क्षेत्रीय और परिधीय अस्पतालों में नियुक्त युवा विशेषज्ञों को व्यावहारिक कौशल प्रदान करना होगा।
2. विशेषज्ञों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में शिक्षाप्रद व्याख्यान के अतिरिक्त क्षेत्रीय संज्ञाहरण तकनीकों के लिए अल्ट्रा साउंड इमेजिंग के उपयोग के संबंध में एक विस्तृत व्यवस्थित अवलोकन सीएमई के दौरान आयोजित किया जाएगा।

3. अस्पतालों के विशेषज्ञों के अलावा, सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के अतिथि वक्ताओं को आमंत्रित करने का प्रस्ताव है, जिनका वर्षों का अनुभव प्रतिनिधियों के लिए व्यावहारिक महत्व का होगा।

पर्यवेक्षक (डॉ. ए. रूद्र, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई का माहौल उत्कृष्ट था, उत्साही प्रतिनिधियों के साथ शानदार इंटरैक्टिव सत्र और प्रायोगिक कार्यशाला आयोजित किए गए थे। सीएमई कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महामारी संज्ञाहरण, सोनोग्राफी जैसी तकनीकों का उपयोग करके सुरक्षा के लिए आवश्यक उपकरण थे। संयोजक द्वारा उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा किया गया। प्रतिभागियों को एक अच्छी तरह से प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की गई थी। कार्यक्रम के दौरान 103 प्रतिभागी पंजीकृत थे और कार्यक्रम के दौरान लगभग 80-90 प्रतिभागी उपस्थित थे। प्रायोगिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान किया गया था। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति उत्कृष्ट थी। कार्यक्रम के दौरान दृश्य श्रव्य उपकरणों का उपयोग किया गया था और अद्यतन जानकारी प्रदान की गई थी जो कि साक्ष्य आधारित थी।

7. **18-23 नवंबर 2019 को, भेषजगुण विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी में आयोजित "एकीकृत फार्माकोजेनोमिक्स कार्यक्रम" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. आर. रवेन्द्रन, वरिष्ठ आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भेषजगुण विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

1. यह कार्यक्रम चिकित्सकों के साथ-साथ वैज्ञानिकों को विशेष फार्माकोजेनिक अनुसंधान विधियों द्वारा भविष्य के फार्माकोजेनेटिक अध्ययन की योजना बनाने में मदद करेगा।
2. दवा के हर क्षेत्र में फार्माकोजेनेटिक परीक्षण के अनुप्रयोग पर प्रकाश डालने में सहायता करना।
3. वैज्ञानिकों को चिकित्सा के विभिन्न क्षेत्रों में फार्माकोकोजेनेटिक अनुसंधान की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. सी. आदिथन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

कार्यशाला एक उद्घाटन समारोह के साथ आरंभ हुई और इसके बाद संसाधन व्यक्तियों और प्रतिभागियों द्वारा अपना परिचय दिया गया। कार्यक्रम ने संयोजक द्वारा उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा किया है। मुख्य उद्देश्य फार्माकोनोमिक्स में अनुसंधान पद्धति में प्रासंगिक ज्ञान के साथ प्रतिभागियों को लैस करना था, ताकि भविष्य के फार्माकोजेनिक अध्ययनों को प्रभावी ढंग से योजना बनाने के लिए चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और स्नातकोत्तर छात्रों की सहायता की जा सके। प्रतिभागियों को एक अच्छी तरह से प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की गई थी। कार्यक्रम में 60 प्रतिभागी पंजीकृत थे और लगभग सभी उपस्थित थे। सभी सत्र इंटरैक्टिव थे और सभी सत्रों के लिए प्रायोगिक अभ्यास दिया गया था। प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। व्याख्यान और अभ्यास अच्छी तरह से प्रस्तुत किए गए थे और अच्छी गुणवत्ता के थे। कार्यक्रम के लिए उच्च मानकों और गुणवत्ता के विभिन्न प्रकार के दृश्य-श्रव्य उपकरणों का उपयोग किया गया था। मुख्य प्रोजेक्टर के अलावा, 2 बड़े उच्च परिभाषा टीवी भी कार्यक्रम के लिए उपयोग किए गए थे। प्रस्तुत शैक्षणिक सामग्री अच्छी गुणवत्ता की थी और प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम - संकाय द्वारा प्रभावी ढंग से वितरित की गई थी। जानकारी साक्ष्य आधारित थी।

8. **27 नवंबर, 2019 को उष्णकटिबंधीय औषधि विद्यालय, कोलकाता में आयोजित "मुख्य रोग क्षेत्रों में तर्कसंगत औषध सह उपचार में पुनरीक्षण मुद्दे" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: आचार्य (डॉ.) शांतनु कुमार त्रिपाठी, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, नैदानिक एवं प्रायोगिक भेषज गुण विज्ञान विभाग, उष्णकटिबंधीय औषधि विद्यालय, चित्त रंजन एवेन्यू, कोलकाता।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

सीएमई के उद्देश्य निम्नलिखित थे:

1. दवाओं के तर्कसंगत उपयोग के सिद्धांतों के बारे में जानकारी।
2. एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप की आवश्यकता और कार्यक्षेत्र के बारे में संज्ञान लेना।
3. मधुमेह, अस्थमा, सीओपीडी, उच्च रक्तचाप आदि में साक्ष्य सूचित निर्धारण से अवगत कराना।
4. दवा सामंजस्य में प्रक्रिया की आवश्यकता की सराहना करना और उसे समझना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

इस कार्यक्रम में भाग लेने के माध्यम से प्रतिभागियों में निम्नलिखित विशेषताएं दिखाई देंगी:

1. प्रतिभागियों को दवाओं के तर्कसंगत उपयोग के सिद्धांतों के बारे में जानकारी।
2. प्रतिभागियों द्वारा एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप की आवश्यकता और कार्यक्षेत्र के बारे में संज्ञान लेना।
3. प्रतिभागियों को मधुमेह, अस्थमा, सीओपीडी, उच्च रक्तचाप आदि में साक्ष्य सूचित निर्धारण से अवगत कराना।
4. प्रतिभागियों को दवा सामंजस्य में प्रक्रिया की आवश्यकता की सराहना करना और उसे समझाना।

जिस तरह से सीएमई कार्यशाला का आयोजन किया गया था उसने निर्धारित उद्देश्यों को पूर्ण किया था। चर्चा के समय पटल पर दृश्य प्रस्तुतियों द्वारा प्रतिभागियों को अच्छी तरह से प्रलेखित अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की गई थी। 60 प्रतिभागी पंजीकृत थे और कार्यक्रम के दौरान किसी भी समय लगभग 55-60 प्रतिभागी उपस्थित थे। सीएमई कार्यक्रम में 12 शिक्षाप्रद इंटरएक्टिव व्याख्यान शामिल थे। प्रत्येक व्याख्यान के समय विचार-विमर्श के दौरान मामले के परिदृश्यों पर चर्चा की गई थी और सभी चर्चाएँ बहुत जीवंत थीं। पूरे कार्यक्रम को सभी की भागीदारी के साथ एकल समूह के रूप में आयोजित किया गया था, लेकिन एक समय में एक प्रतिभागी को इंगित करने वाले प्रश्न पूछे गए थे। सीएमई प्रयोगशाला / बेंच व्यावहारिक कार्य से संबंधित नहीं थी इसलिए कोई प्रायोगिक प्रशिक्षण नहीं था। जैसा कि सीएमई चार प्रमुख रोग क्षेत्रों के प्रबंधन को लागू करने से संबंधित था, सभी संसाधन व्यक्तियों ने नैदानिक और चिकित्सीय तौर-तरीकों का वर्णन करने के लिए वास्तविक जीवन के परिदृश्यों का उपयोग किया। सभी संकाय / संसाधन व्यक्तियों की प्रस्तुति की गुणवत्ता साक्ष्य आधारित, बहुत जीवंत और इंटरैक्टिव थी। वैज्ञानिक कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न प्रकार के उत्तम श्रव्य दृश्य उपकरण प्रदान किए गए थे। दर्शकों द्वारा व्यापक रूप से देखने के लिए मुख्य स्क्रीन के अतिरिक्त 2 उच्च दृश्यता वाले टीवी स्क्रीन का भी उपयोग किया गया था। प्रस्तुत शैक्षणिक सामग्री अच्छी गुणवत्ता, साक्ष्य-आधारित थी और प्रभावी ढंग से वितरित की गई थी। जानकारी साक्ष्य आधारित थी।

9. **19 - 20 दिसंबर 2019 को सार्वजनिक स्वास्थ्य विद्यालय, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित "स्वास्थ्य प्रणाली का सशक्तिकरण" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. अरुण अग्रवाल, आचार्य, सार्वजनिक स्वास्थ्य विद्यालय, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

1. कार्यालय और समुदाय की भांति रोगी और संबंधियों में उपचार के दौरान संचार कौशल के बुनियादी सिद्धांतों को बताना।

2. विशेष स्थिति के लिए संचार कौशल प्रदान करने के लिए जैसे कि एचआईवी रोगियों के परिचारकों को प्रतिकूल परिणाम प्रकट करना।

3. नेतृत्व और सहायक पर्यवेक्षण की अवधारणाओं को प्रदान करना।

4. आयुष्मान भारत - पीएमजेएवाई, स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों जैसे हालिया राष्ट्रीय पहलों के बारे में प्रतिभागियों को जागरूक करने के लिए: विभिन्न राज्यों में अनुभव और चुनौतियों को साझा करना और राज्यों की प्रगति बताना।

5. स्वास्थ्य सेवा वितरण और डेटा संग्रह और निगरानी के लिए जीआईएस जैसी सेवाओं के उपयोग के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग में प्रतिभागियों को सक्षम करना।

अपेक्षित परिणाम:

- संचार कौशल में सुधार
- नेतृत्व कौशल में सुधार
- सहायक पर्यवेक्षण के लिए कौशल में सुधार
- स्वास्थ्य देखभाल में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में ज्ञान प्राप्त करना
- आयुष्मान भारत - पीएमजेएवाई के कार्यान्वयन पर अनुभव।

पर्यवेक्षक (डॉ. राजेश कुमार, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई कार्यक्रम का समग्र वातावरण अच्छा था। प्रतिभागी उत्साही थे और पैनल चर्चा सहित लाभकारी चर्चा / प्रश्नोत्तर सत्र भी थे। आयोजक द्वारा बताए गए उद्देश्यों को पूरा किया गया था। प्रतिभागियों को वैज्ञानिक प्रस्तुति का अधिगम संसाधन सामग्री

प्रदान की गई थी। कुल 67 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया और लगभग 60 - 65 कार्यक्रम के दौरान किसी भी समय उपस्थित थे। तीन पैनल चर्चाएँ थीं जो बहुत जीवंत थीं और प्रत्येक पैनल चर्चा के दौरान वास्तविक जीवन के परिदृश्यों के साथ आयोजित की गईं। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा सभी प्रस्तुतियां उत्तम थीं और कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए गए श्रव्य - दृश्य उपकरण बहुत अच्छी गुणवत्ता वाले थे। अत्याधुनिक साक्ष्य आधारित जानकारी प्रदान की गई। संपूर्ण सीएमई कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक शैक्षणिक अनुभव था।

10. **2 फरवरी 2020 को पतंजलि हॉल, शासकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित "स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए आधारभूत जीवन सहायता पाठ्यक्रम" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. मालोबिका भट्टाचार्य, सह आचार्य, बाल रोग विभाग, शासकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः

1. वयस्क, बच्चे और शिशु को बुनियादी जीवन सहायता प्रदान करना।
2. प्रतिभागियों को वयस्क, बच्चे और शिशु में साँस रुकने का प्रबंधन करने में सक्षम बनाना।

पर्यवेक्षक (डॉ. के. के. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति - 2017 सरकार द्वारा जारी की गई जिसमें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने भारत में सभी रैंक और ऑर्डर के स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को आधारभूत जीवन सहायता कौशल में प्रशिक्षित करना और प्रमाणित करना अनिवार्य कर दिया है। इसी प्रकार राष्ट्रीय आपदा राहत बल (एनडीआरएफ) में शामिल सभी लोगों को आधारभूत जीवन सहायता कौशल में कुशल होना चाहिए, जिसमें अस्पतालों में / आईपीडी ड्यूटी में रोगी देखभाल और आपातकालीन सेवाओं और नियमित ओपीडी में संलग्न सभी एम्बुलेंस ड्राइवर, प्रयोगशाला तकनीशियन, अस्पताल वार्ड स्टाफ और नर्स और नर्सिंग ऑर्डरली शामिल हैं। । वर्तमान आधारभूत जीवन सहायता कार्यशाला जीआईएमएस, ग्रेटर नोएडा में आयोजित आधारभूत जीवन सहायता कार्यशालाओं की

श्रृंखला में चौथी है। । कार्यशाला ने 35 डॉक्टरों और नर्सों को कार्डियो-पल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) तकनीकों में अपने कौशल को सीखने और उन्नत करने का अवसर प्रदान किया।

कार्यशाला का आयोजन डॉ. आर. के. थापर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, बाल रोग, अल-फलाह आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान विद्यालय, फरीदाबाद के निर्देशन में प्रमाणित प्रशिक्षकों की एक सक्षम टीम के साथ किया गया था जिनमें डॉ. एस एस बिष्ट (विशेषज्ञ), डॉ. ए पी आजाद (वरिष्ठ विशेषज्ञ), डॉ. महेंद्र सिंह (नैदानिक फार्मासिस्ट), और डॉ. मालोबिका भट्टाचार्य (सह आचार्य, बाल रोग विभाग, जीआईएमएस, ग्रेटर नोएडा) सम्मिलित थे।

सभी उपस्थित लोगों को 25 बहु विकल्प प्रश्नों के माध्यम से आधारभूत जीवन सहायता और उसके कौशल घटकों की पृष्ठभूमि की समझ का परीक्षण करने के लिए पूर्व कार्यशाला मूल्यांकन प्रश्नावली दी गई थी। वास्तविक अभ्यासों में, प्रशिक्षकों द्वारा सभी को सीपीआर के विभिन्न घटकों और हाल ही में अद्यतन किए गए कदमों के वैज्ञानिक आधार को समझाते हुए निर्देशात्मक वीडियो दिखाए गए थे। इसके बाद उन्हें दो समूहों में विभाजित किया गया और दोनों समूहों को शिशुओं / बच्चे और वयस्क पुतलों और मानव स्वयंसेवकों पर सीपीआर में प्रशिक्षण दिया गया। सभी अभ्यास इंटरैक्टिव थे और सभी प्रतिभागियों को प्रश्न पूछने और अपने प्रश्नों को स्पष्ट करने के लिए प्रशिक्षकों के साथ बातचीत करने का पूरा अवसर दिया गया था।

अंत में, प्रतिनिधियों का फिर से एक लिखित परीक्षा द्वारा मूल्यांकन किया गया जिसमें 15 बहु विकल्प प्रश्नों की प्रश्नावली और दो व्यावहारिक सीपीआर स्टेशन शामिल थे, जहाँ प्रत्येक को मूल्यांकन करने वाले अनुदेशकों की चौकस निगरानी के अंतर्गत पुतलों पर सीपीआर चरणों का प्रदर्शन करना था जो दिए गए अभ्यास के प्रदर्शन चरणों के लिए अंक दे रहे थे। अधिकांश प्रतिभागियों ने 80% और उससे अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि पूर्व कार्यशाला मूल्यांकन में उन्होंने 50% से कम अंक प्राप्त किए थे।

सभी प्रतिनिधियों ने सफलतापूर्वक कार्यशाला सम्पन्न की और पाठ्यक्रम सामग्री और कार्यशाला की गतिविधियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अंत में सभी को मूल्यांकन प्रक्रिया में भाग लेने और सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए प्रमाण पत्र दिए गए।

आधारभूत जीवन सहायता कार्यशाला पांच संकाय / संसाधन व्यक्तियों द्वारा आयोजित की गई थी। इसमें तीन सत्र शामिल थे: वीडियो प्रदर्शन का एक घंटा, सिद्धांत व्याख्यान का एक घंटा, सीपीआर सिद्धांत के वैज्ञानिक आधार पर, व्यावहारिक और कौशल युक्तियां और पांडुलिपियों और प्रायोगिक अभ्यास के रूप में स्वयंसेवक प्रदर्शन पर 4 घंटे के प्रशिक्षण सत्र। समस्या आधारित प्रदर्शन कार्यशाला के मुख्य आकर्षण थे। कार्यशाला में पूर्व और पश्च कार्यशाला मूल्यांकन, दोनों अभ्यास थे। कार्यशाला के अंत में दूसरे मूल्यांकन अभ्यास में उम्मीदवारों द्वारा सीखे गए सीपीआर कौशल का मूल्यांकन करने के लिए दो प्रायोगिक कार्य स्टेशन भी थे। वैज्ञानिक कार्यक्रम के स्थल पर अत्याधुनिक उत्कृष्ट श्रव्य दृश्य उपकरण प्रदान किए गए थे। सभी जानकारी अद्यतन थी, जो साहित्य के साक्ष्य पर आधारित थी, कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रदान किए गए लेखों के प्रकाशित पांडुलिपियों द्वारा समर्थित थे। सभी विचार-विमर्श साक्ष्य आधारित थे।

11. **6 - 7 फरवरी, 2020 को उन्नत बाल रोग केंद्र, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित "प्राथमिक रोगक्षम अपर्याप्तता रोगों पर एपीएसआईडी विद्यालय सह कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. विग्नेश पी, सहायक आचार्य, एलर्जी प्रतिरक्षा विज्ञान इकाई, उन्नत बाल रोग केंद्र, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

1. प्राथमिक रोगक्षम अपर्याप्तता रोगों की नवीन खोज और खोजने की विधियों के बारे में ज्ञान प्रदान करना।
2. प्रतिरक्षा असंतुलन के विभिन्न विकारों के रोगजनक तंत्र को जानना।
3. रोगों के आनुवंशिक निर्धारकों की संवेदनशीलता और परिणाम को समझना।
4. प्रतिरक्षा मॉडुलन और निहाई पर नए उपचारों के बारे में जागरूक होना।

पर्यवेक्षक (डॉ. मीनू सिंह, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई अच्छी थी, सीखने के लिए समग्र वातावरण उपयुक्त था। 76 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था और सभी उपस्थित लोग उत्साही थे। शिक्षाप्रद व्याख्यानों के

बाद चर्चा के साथ-साथ मौखिक पोस्टर के लिए भी समय दिया गया था। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा शिक्षाप्रद व्याख्यान और साथ ही चर्चा उत्कृष्ट थी। कार्यशाला में फ्लो साइटोमेट्री और अगली पीढ़ी के अनुक्रमण पर प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान करने की आशा थी। सीएमई कार्यक्रम ने संयोजक द्वारा उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा किया, सैद्धांतिक पहलुओं को अच्छी तरह से किया गया था; हालांकि व्यावहारिक प्रशिक्षण अधिक प्रायोगिक हो सकता था। प्रतिभागियों को एक अच्छी तरह से प्रलेखित शिक्षण संसाधन सामग्री दी गई। प्रवाह साइटोमेट्री और आनुवांशिकी पर मौखिक पोस्टर प्रस्तुति, पोस्टर वॉक और कार्यशालाएं थीं और पोस्टर वॉक और कार्यशालाएं लघु शिक्षण सत्रों में आयोजित की गई थीं। प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा समग्र प्रस्तुति उत्तम थी। सीएमई कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए गए श्रव्य दृश्य उपकरण पर्याप्त और अच्छी गुणवत्ता के थे।

12. **22 फरवरी 2020 को दिल्ली औषधि विज्ञान एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय, पुष्प विहार, सेक्टर 3, एमबी रोड, नई दिल्ली में आयोजित "कार्डियोवास्कुलर स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नवीन प्रथाओं का उपयोग करने का प्रशिक्षण और प्रायोगिक कार्यशाला" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. अजीत कुमार ठाकुर, भेषज गुण विज्ञान विभाग, दिल्ली औषधि विज्ञान एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय, पुष्प विहार, नई दिल्ली।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सिद्धांतों और दृष्टिकोणों का अवलोकन प्रस्तुत करना।
2. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के निर्माण खंडों की एक बुनियादी समझ विकसित करने में मदद करना और प्रतिभागियों को अपने स्थानों पर हृदय स्वास्थ्य से संबंधित एआई प्रणाली को लागू करना सिखाना।

पर्यवेक्षक (डॉ. एस. द्विवेदी, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

यह एक बहुत ही शिक्षाप्रद और इंटरैक्टिव सीएमई था, जिसमें अभिनव प्रथाओं पर बहुत सा प्रायोगिक अनुभव था। एकमात्र कमी इसका विभिन्न सत्रों का भिन्न भिन्न स्थानों पर आयोजन था। हालाँकि, यह संबंधित स्थानों की पूर्व सूचना से दूर हो गया था।

उद्देश्यों को रेखांकित किया गया था, जो प्रतिभागियों को हृदय रोगों के लिए चिकित्सा उपकरणों में नवाचार के बारे में अवगत कराते थे। प्रतिभागियों को एक अच्छी तरह से प्रलेखित अधिगम संसाधित सामग्री प्रदान की गई थी। हाल ही में चिकित्सा उपकरणों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सीखने के लिए उत्सुक बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के साथ यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में 55 प्रतिभागी पंजीकृत थे और औसतन 40 उपस्थित थे। कार्यक्रम पीपीटी, ओवरहेड और इंटरैक्टिव सत्र पर आधारित था। प्रतिभागियों को कई इंटरैक्टिव सत्र और व्यावहारिक प्रदर्शन / प्रायोगिक प्रशिक्षण सत्र प्रदान किए गए। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति अति उत्तम थी। अद्यतन जानकारी साक्ष्य आधारित थी।

13. **28 फरवरी 2020 को व्याख्यान कक्ष, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित "मूल और अनुप्रयुक्त फार्माकोकाइनेटिक्स: क्षमता निर्माण कार्यक्रम" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. नुसरत शफीक, आचार्य, भेषज गुण विज्ञान विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

विशिष्ट अधिगम उद्देश्य	कार्यक्रम के लिए उद्देश्यों की प्रासंगिकता	अनुमानित परिणाम/ प्रभाव क्षेत्र
फार्माकोकाइनेटिक्स की अवधारणा के बारे में ज्ञान प्रदान करना।	फार्माकोकाइनेटिक्स के सिद्धांत औषधि की खुराक का आधार हैं और इसलिए बुनियादी समझ दवाओं के चिकित्सीय अनुप्रयोग में अवधारणाओं में सुधार करेगी।	मूल फार्माकोकाइनेटिक सिद्धांतों की बुनियादी समझ को मजबूत करना।
प्रतिभागी को कंप्यूटर	चूंकि शरीर में औषधि के	प्रतिभागियों को दिए गए

सॉफ्टवेयर द्वारा पीके मापदंडों की गणना करने के लिए कौशल प्रदान करना।	फैलाव को समझने के लिए भली प्रकार परिभाषित गणना मापदंड महत्वपूर्ण हैं इसलिए उसी के लिए कौशल प्राप्त करना महत्वपूर्ण है।	डेटा सेट के लिए विभिन्न फार्माकोकाइनेटिक्स मापदंडों की गणना के लिए कौशल प्राप्त होगा।
प्रतिभागियों को विभिन्न नैदानिक और अनुसंधान संदर्भों के लिए फार्माकोकाइनेटिक्स के सिद्धांतों के अनुप्रयोग समझना।	यह जानकारी किसी दिए गए रोगी में खुराक अनुकूलन और अध्ययन के परिणामों की व्याख्या करने और आगे के अध्ययन की योजना बनाने के लिए आवश्यक है।	एक नैदानिक फार्माकोलॉजिस्ट के रूप में बेहतर भूमिका निभाना और चिकित्सीय निर्णय लेने में सहायता करना, एक शोध अध्ययन का सार्थक निष्कर्ष (चित्र) तैयार करना और इस शोध की रूपरेखा बनाना।

पर्यवेक्षक (डॉ. पी. एल. शर्मा, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई भले प्रकार से सजग दर्शकों के साथ आयोजित किया गया था और सभी सत्र और व्याख्यान इंटरैक्टिव थे। चर्चा सार्थक थी। सीएमई संयोजक द्वारा उल्लिखित उद्देश्यों को पूरा किया गया था, जो थे (1) फार्माकोकाइंटिक्स की अवधारणाओं को समझना, (2) सॉफ्टवेयर की गणना करके पीके मापदंडों की गणना करने के कौशल प्राप्त करना, (3) विभिन्न नैदानिक और अनुसंधान संदर्भों के लिए फार्माकोकाइनेटिक्स के सिद्धांतों के अनुप्रयोग समझना। प्रतिभागियों को अधिगम संसाधित सामग्री प्रदान की गई थी। 112 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था, कार्यक्रम के दौरान लगभग सभी प्रतिभागी उपस्थित थे। सभी कार्यक्रम सत्रों में न केवल शिक्षाप्रद व्याख्यान शामिल थे, बल्कि व्यावहारिक प्रशिक्षण और इंटरैक्टिव चर्चा भी शामिल थी। प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रदर्शन / प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा

प्रस्तुति बहुत अच्छी थी। कार्यक्रम के दौरान इस्तेमाल किए गए श्रव्य दृश्य उपकरण अच्छे थे। प्रतिभागियों के लिए अत्याधुनिक जानकारी प्रदान की गई जो कि साक्ष्य आधारित थी।

14. **1 मार्च, 2020 को संचारी एवं संज्ञानात्मक संस्थान, शोरानूर, पलक्कड़, केरल में आयोजित "दुर्लभ रोगों की आनुवांशिकी" पर सीएमई कार्यक्रम।**

आयोजन सचिव: डॉ. अनीता अय्यप्पन पिल्लई, सह आचार्य, तंत्रिका आनुवंशिकी विभाग, कव्लपारा, शोरानूर, पलक्काड, केरल।

सीएमई कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्य:

1. प्रतिभागियों को यह समझाना कि कैसे शोध निष्कर्षों को नैदानिक अभ्यास में परिवर्तित किया जा सकता है।
2. विभिन्न प्रकार के आनुवंशिक परीक्षणों और उनके उपयोगों के बारे में जानकारी प्रदान करना।
3. प्रतिभागियों को दुर्लभ विकारों के आनुवंशिक परीक्षण में संभावनाओं और चिंताओं की समझ विकसित करना।
4. दुर्लभ बाल रोगों और उनके प्रबंधन पर एक अवलोकन प्रदान करना।
5. प्रतिभागियों द्वारा दुर्लभ आनुवंशिक विकारों के जैविक तंत्र की गहरी समझ प्राप्त करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. डी. एम. वासुदेवन, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

सीएमई कार्यक्रम एक बड़ी सफलता थी। सभी प्रतिभागियों ने बहुत उत्साह दिखाया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और छात्रों को मिलाकर 125 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था और 100 से अधिक उपस्थित थे। प्रत्येक प्रस्तुति के अंत में, पाठ्यक्रम संकाय और छात्रों के बीच अच्छी चर्चा हुई। सीएमई कार्यक्रम ने सीएमई कार्यक्रम के उद्देश्यों को पूरा किया, जो दुर्लभ विकारों के आनुवंशिक परीक्षण थे, और दुर्लभ रोगों के जैविक तंत्र की गहरी समझ प्रदान करते हैं। प्रतिभागियों को एक अच्छी तरह से प्रलेखित अधिगम संसाधित सामग्री प्रदान की गई थी। कार्यक्रम में व्याख्यान, पोस्टर प्रस्तुतियाँ, नैदानिक मामलों पर चर्चाएँ, पैनल चर्चा आदि शामिल थे। प्रायोगिक प्रशिक्षण और लघु समूह शिक्षण गतिविधियाँ प्रदान नहीं की गईं। पाठ्यक्रम

संकाय द्वारा प्रस्तुति उत्कृष्ट थी। सीएमई कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए गए श्रव्य दृश्य उपकरण अच्छे थे। अत्याधुनिक ज्ञान प्रदान किया गया था और सभी जानकारी और आंकड़े साक्ष्य आधारित थे।

दिनांक **01.04.2019** से **31.03.2020** तक बाह्यसांस्थानिक
सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के तहत अनुदान दर्शाती विवरणी

क्र.सं.	**विषय**	**स्वीकृत राशि (रुपए)**
1.	**"उत्तर पूर्वी राज्यों में मुख और सिर और गर्दन के कैंसर की बढ़ती घटनाएँ और उनका प्रबंधन"** पर सीएमई कार्यक्रम 3 मई 2019 उत्तर-पूर्वी इंदिरा गांधी क्षेत्रीय स्वास्थ्य और आयुर्विज्ञान संस्थान शिलाँग।	83,924/-
2.	**"भारत में सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में तीव्रता लाना: मुद्दे और चुनौतियां"** पर सीएमई कार्यक्रम 18 -19 जून 2019 मैसूर विश्वविद्यालय मैसूर।	85,000/-
3.	**क. कार्यशाला 1 (सत्र 1): जीनोमिक्स में प्रगति एवं डेटा विश्लेषण के साथ नैनोपोर प्रौद्योगिकी का उपयोग कर अगली पीढ़ी अनुक्रमण (एनजीएस) पर सत्र। ख. कार्यशाला 2 (सत्र 2): पुनर्योजी चिकित्सा और नेनो चिकित्सा में हालिया रुझान** 26 जुलाई 2019 वी डी स्वामी सभागार, शंकर नेत्रालय, कॉलेज मार्ग, चेन्नई।	1,70,000/-

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
4.	**"सुखद जरण चिकित्सीय, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक पहलू"** पर सीएमई कार्यक्रम 16 नवंबर, 2019 जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र, जयपुर।	1,60,214/-
5.	**"ऑपरेशन कक्ष में पूर्व सम्मेलन सतत तंत्र"** पर सीएमई कार्यक्रम 25 नवंबर, 2019 सतत तंत्र प्रयोगशाला, सेंट जॉन मेडिकल कॉलेज अस्पताल, बंगलौर।	1,70,000/-
6.	**"क्षेत्रीय संज्ञाहरण - भविष्य का मार्ग"** पर सीएमई कार्यक्रम 6 - 7 दिसंबर, 2019 कमान अस्पताल, कोलकाता।	1,19,000/-
7.	**"एकीकृत फार्माकोजेनोमिक्स कार्यक्रम"** पर सीएमई कार्यक्रम 18-23 नवंबर 2019 भेषजगुण विज्ञान विभाग, जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी।	1,50,000/-

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
8.	**"मुख्य रोग क्षेत्रों में तर्कसंगत औषध सह उपचार में पुनरीक्षण मुद्दे"** पर सीएमई कार्यक्रम 27 नवंबर, 2019 उष्णकटिबंधीय औषधि विद्यालय, कोलकाता।	1,19,000/-
9.	**"स्वास्थ्य प्रणाली का सशक्तिकरण"** पर सीएमई कार्यक्रम 19 - 20 दिसंबर 2019 सार्वजनिक स्वास्थ्य विद्यालय, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।	1,70,000/-
10.	**"स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए आधारभूत जीवन सहायता पाठ्यक्रम"** पर सीएमई कार्यक्रम 2 फरवरी 2020 पतंजलि हॉल, शासकीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश।	83,000/-
11.	**"प्राथमिक रोगक्षम अपर्याप्तता रोगों पर एपीएसआईडी विद्यालय सह कार्यशाला"** पर सीएमई कार्यक्रम 6 - 7 फरवरी, 2020 उन्नत बाल रोग केंद्र, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।	1,19,000/-

क्र.सं.	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
12.	**"कार्डियोवास्कुलर स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और नवीन प्रथाओं का उपयोग करने का प्रशिक्षण और प्रायोगिक कार्यशाला"** पर सीएमई कार्यक्रम 22 फरवरी 2020 दिल्ली औषधि विज्ञान एवं अनुसंधान विश्वविद्यालय, पुष्प विहार, सेक्टर 3, एमबी रोड, नई दिल्ली।	1,19,000/-
13.	"**मूल और अनुप्रयुक्त फार्माकोकाइनेटिक्स: क्षमता निर्माण कार्यक्रम"** पर सीएमई कार्यक्रम 28 फरवरी 2020 पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़।	1,19,000/-
14.	**"दुर्लभ रोगों की आनुवांशिकी"** पर सीएमई कार्यक्रम 1 मार्च, 2020 संचारी एवं संज्ञानात्मक संस्थान, शोरानूर, पलक्कड़, केरल।	1,64,490/-

चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान कार्यक्रम (स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास)

सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रम के अधीन स्वास्थ्य मानवशक्ति विकास के क्षेत्र में अकादमी द्वारा संवर्धित कार्यकलापों में से एक है-कनिष्ठ स्तरों और मध्यम स्तरों पर "चिकित्सा वैज्ञानिकों का आदान-प्रदान"।

अकादमी कनिष्ठ और मध्यम स्तर के विशेषज्ञों/वैज्ञानिकों को सुस्थापित उत्कृष्टता केंद्र पर जाने के लिए और नए कौशल प्राप्त करने के लिए निधि उपलब्ध कराता है। इस योजना के अंतर्गत चयनित नामिती यात्रा व्यय की प्रतिपूर्ति (वास्तविक द्वितीय श्रेणी एसी टू-टियर रेल किराया तक सीमित) और 5000/- रुपए की अधिकतम सीमा के अधीन प्रशिक्षण अवधि के दौरान 300/- रुपए प्रतिदिन की दर पर दैनिक भत्ता के पात्र हैं।

वर्ष 2019-20 तक दो सौ तीन (203) चिकित्सा वैज्ञानिकों/ शिक्षकों का उन्नत प्रशिक्षण के लिए चयन हुआ है और नैम्स से अनुदान सहायता प्राप्त कर उन्होंने अपना प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया है।

<u>अनुबंध- V</u>

01.04.2019 से 31.03.2020 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों पर रिपोर्ट

1. 2 मई, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में आयोजित **"स्तन कैंसर- निदान और प्रबंधन में वर्तमान रुझान"** पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

आयोजन सचिव: डॉ. बीना रवि, आयोजन सचिव, वरिष्ठ आचार्य, शल्य चिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश।

संगोष्ठी के मुख्य उद्देश्य:

संगोष्ठी के उद्देश्य थे:

1. भारत में महामारी विज्ञान और स्तन कैंसर के बदलते रुझानों पर एक अवलोकन प्रदान करना।
2. एकीकृत स्तन क्लिनिक सुविधा और इसके निहितार्थ की अवधारणा को रेखांकित करना और समझाना।
3. स्तन इमेजिंग और इसके महत्व, चुनौतियों और सीमाओं में हाल के अग्रिमों पर अद्यतन करना।
4. विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं के लिए इमेजिंग के लिए लागू रणनीतियों का चयन करना।
5. स्तन कैंसर और चिकित्सा में इसके नैदानिक निहितार्थों में आवश्यक ऊतकविकृति विज्ञानी संकेतक की गणना और व्याख्या करना।
6. हालिया संभावी और पूर्वसंकेत मार्कर को उजागर करना और भारतीय जनसंख्या के संदर्भ में उनकी प्रासंगिकता को स्पष्ट करना।
7. पूर्ण स्तन विकिरण के लिए एक सुविधाजनक विकल्प के रूप में त्वरित आंशिक स्तन विकिरण के विकल्प पर चर्चा करना।

8. स्तन कैंसर में निदान और प्रबंधन से संबंधित व्यावहारिक समस्याओं पर चर्चा करना।

9. स्तन की उपस्थिति पर संतोषजनक कॉस्मेटिक प्रभाव देने के लिए नवीन सर्जिकल तकनीकों के अनुप्रयोग पर चर्चा करना।

10. कम उत्परिवर्तन प्रक्रियाओं के साथ रोगी के जीवन की गुणवत्ता पर शल्य चिकित्सा के प्रभाव पर ध्यान देना।

पर्यवेक्षक (डॉ. बी. के. जैन) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

स्तन कैंसर में निदान और प्रबंधन में वर्तमान रुझान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी बहुत अच्छी तरह से आयोजित की गई थी। स्तन कैंसर पर विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रख्यात विशेषज्ञ संकाय द्वारा साझा किया गया था। प्रतिभागियों ने संकाय के साथ स्वतंत्र रूप से चर्चा की। पैनल चर्चा के दौरान, प्रतिभागियों को पैनल विशेषज्ञों से स्पष्टीकरण के लिए विविध विषयों को उठाने का अवसर मिला। संगोष्ठी का समग्र वातावरण प्रतिभागियों के लिए बहुत उत्साहजनक था। प्रतिभागियों को स्तन कैंसर के निदान और प्रबंधन के नवीनतम दिशानिर्देशों से परिचित कराया गया। संगोष्ठी के दौरान प्रस्तुत किए गए विषयों पर 69 पृष्ठ की एक अच्छी तरह से प्रलेखित सार पुस्तिका प्रतिभागियों को वितरित की गई थी। 97 प्रतिभागियों को पंजीकृत किया गया था और 85 से 95 प्रतिभागी आम तौर पर पूरे कार्यक्रम के दौरान उपस्थित थे। सभी व्याख्यान इंटरैक्टिव थे। इसके अतिरिक्त एक पैनल चर्चा द्वारा विशेषज्ञ पैनल से अपने प्रश्नों को स्पष्ट करने का पर्याप्त अवसर दिया गया। स्तन कैंसर के महामारी विज्ञान, निदान और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाने वाला एक पोस्टर प्रदर्शन भी आयोजित किया गया था। सभी व्याख्यान प्रारूप में इंटरैक्टिव थे और प्रतिभागियों को कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति उत्कृष्ट थी। सीएमई कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए गए श्रव्य - दृश्य उपकरण बहुत अच्छे थे। उपलब्ध कराई गई जानकारी साक्ष्य आधारित थी। सीएमई कार्यक्रम उच्च गुणवत्ता वाला था और प्रतिभागियों के लिए अत्यधिक लाभदायक था।

2. 11 अक्टूबर, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल में आयोजित **"रोगाणुरोधी प्रतिरोध"** पर सीएमई कार्यक्रम।

संचालन अधिकारीः डॉ. अरनीत अरोड़ा, नैम्सकॉन - 2019, शैक्षणिक संकायाध्यक्ष, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल।

सीएमई के उद्देश्य प्रतिभागियों को इस बारे में परिचित करना था:

1. भारत और मध्य प्रदेश में दवा प्रतिरोध के वर्तमान प्रसार पर अद्यतन प्रदान करना।
2. एएमआर युक्त दिशानिर्देशों और रणनीतियों पर चर्चा करना।
3. समस्या से निपटने में एक स्वास्थ्य दृष्टिकोण की उपलब्धियों को समझना और भविष्य का मार्ग।
4. विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स विशेष रूप से आईसीयू में एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग को तर्कसंगत बनाने की विधि जानना।

पर्यवेक्षक (**डॉ. स्नेहलता एस. देशमुख**, **एफएएमएस**) **की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

सीएमई कार्यक्रम के उल्लिखित उद्देश्यों पर चर्चा की गई और आंशिक रूप से पूरा किया गया। सभी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए स्नातक छात्रों, स्नातकोत्तर छात्रों और व्याख्याताओं सहित रेजिडेंट डॉक्टरों की अधिक भागीदारी होनी चाहिए; अस्पताल की एंटीबायोटिक नीति होने पर अधिक तनाव। इसके अतिरिक्त संक्रमण को रोकने के लिए उचित स्टरलाइज़िंग तकनीकों, फंगल संक्रमण की रोकथाम, अस्पताल की सफाई और हाथ धोने पर जोर दिया जाना चाहिए। आयोजकों ने प्रतिभागियों को अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान नहीं की गई। कुल पंजीकृत प्रतिभागी 176 थे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों की संख्या 70 थी। कार्यक्रम में व्याख्यान और वीडियो द्वारा व्याख्यान और प्रदर्शन थे। कार्यक्रम इंटरैक्टिव था। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुतीकरण उत्कृष्ट थी क्योंकि कुछ को छोड़कर सभी वक्ता अपने क्षेत्र में अग्रणी थे। सीएमई कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए गए श्रव्य दृश्य उपकरण उत्कृष्ट थे। शैक्षणिक सामग्री, यानी प्रदान की गई अत्याधुनिक जानकारी की स्थिति 75% तक थी। प्रदान की गई जानकारी 45% तक साक्ष्य आधारित थी।

3. 18 अक्टूबर, 2019 को श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र, नैम्स भवन, नई दिल्ली में आयोजित **"भारत में**

कुपोषण का तिहरा बोझ: एक शोध अद्‌यतन" पर एनएफआई-नैम्स डॉ. सी. गोपालन संगोष्ठी।

संचालन अधिकारी: डॉ. प्रेमा रामचंद्रन, निदेशक, भारतीय पोषण प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।

सीएमई के उद्‌देश्य प्रतिभागियों को इस बारे में परिचित करना था:

1. गर्भावस्था में हल्के और मध्यम एनीमिया का प्रबंधन।
2. गर्भवती महिलाओं को कैल्शियम और विटामिन डी की खुराक।
3. बचपन और प्रारंभिक बचपन के दौरान कैल्शियम और विटामिन डी पूरकता।
4. आईवाईसीएफ और पोषण में सुधार के लिए मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड का उपयोग।
5. शहरी निम्न मध्य आय समूहों में विद्‌यालय - पूर्व बच्चों की पोषण स्थिति।
6. शहरी निम्न मध्यम आय वाले परिवारों में पोषण की स्थिति में अंतर-पारिवारिक भिन्नता।
7. सरकारी विद्‌यालयों के बच्चों में दोहरे पोषण का बोझ।
8. शहरी निम्न मध्यम आय वर्ग की महिलाओं में दोहरे पोषण का बोझ।

पर्यवेक्षक (**डॉ. आर. एम. पांडे**, **एफएएमएस**) **की रिपोर्ट की विशिष्टताएं**:

संगोष्ठी बहुत अच्छी तरह से आयोजित की गई थी। वातावरण उत्कृष्ट था। प्रतिभागियों में से अधिकांश युवा शोधकर्ता थे जो विषय के बारे में जानने के लिए पूरे उत्साहित और उत्सुक थे। सभी सत्रों में ऑनलाइन के माध्यम से दर्शकों और एम्स, जोधपुर, दोनों से प्रतिभागियों की एक उत्कृष्ट भागीदारी थी। भविष्य में ऐसे कार्यक्रमों को व्यापक प्रचार की आवश्यकता है ताकि अधिक युवा शोधकर्ता लाभान्वित हो सकें। उपयोग की गई श्रव्य दृश्य प्रणाली पूर्वकाल की तुलना में बहुत बेहतर थी। संगोष्ठी का मुख्य विषय भारत में कई स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर और शोध कार्य के निष्कर्षों के आधार पर भारत में कुपोषण के तिहरे बोझ के बारे में प्रकाश डालना था। लक्षित दर्शक मुख्य रूप से पोषण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वाले युवा शोधकर्ता थे। एक उत्कृष्ट सामग्री और वक्ताओं के माध्यम से, आयोजक संगोष्ठी के उद्‌देश्यों को प्राप्त करने में सक्षम थे।

पूरे कार्यक्रम में लगभग 60 प्रतिभागी पंजीकृत थे और 50 उपस्थित थे। कार्यक्रम इंटरैक्टिव था। पाठ्यक्रम संकाय द्‌वारा प्रस्तुति उत्कृष्ट थी। सीएमई कार्यक्रम के दौरान उपयोग की जाने वाली श्रव्य दृश्य उपकरण उत्कृष्ट थे। शैक्षणिक सामग्री, अर्थात् प्रदान

की गई अत्याधुनिक जानकारी सबसे अद्यतन थी और जो जानकारी प्रदान की गई थी वह साक्ष्य - आधारित थी।

4. 3 नवंबर, 2019 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में आयोजित **"बाल रोग में योग्यता आधारित शिक्षा: चुनौतियां और अवसर"** पर सीएमई कार्यक्रम एवं कार्यशाला।

संचालन अधिकारी: डॉ. कुलदीप सिंह, शैक्षणिक संकायाध्यक्ष एवं आचार्य, बाल रोग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर।

सीएमई के उद्देश्य प्रतिभागियों को इस बारे में परिचित करना था:

1. स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर शिक्षा के लिए नए एमसीआई सीबीएमई पाठ्यक्रम के प्रति युवा संकाय सदस्यों को संवेदनशील बनाना।
2. बाल चिकित्सा शिक्षा और बाल स्वास्थ्य में प्रौद्योगिकी एकीकरण के लिए जागरूकता उत्पन्न करना।
3. विश्वसनीय व्यावसायिक गतिविधियों के लिए संकाय विकास की सुविधा और स्वास्थ्य पेशेवरों में आवश्यक दक्षताओं का निर्माण करना।
4. बच्चों के साथ व्यवहार करने वाले स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच शिक्षण अधिगम में शोध की रूचि का विकास करना और नवाचारों का उपयोग करना।
5. समकालीन योग्यता आधारित शैक्षिक विधियों के साथ पारंपरिक शिक्षण तकनीकों को संरेखित करना।

पर्यवेक्षक (डॉ. पीयूष गुप्ता, एफएएमएस) की रिपोर्ट की विशिष्टताएं:

संगोष्ठी एक अनुकूल वातावरण में आयोजित की गई थी। सीएमई के लिए उपयोग की जाने वाली ई-कक्षा आकार में उपयुक्त थी। सभी आवश्यक श्रव्य दृश्य सुविधाएं उपलब्ध थीं। चूँकि सीएमई सम्मेलन से ठीक पहले आयोजित किया गया था, सम्मेलन से अधिकांश प्रतिभागी और संकाय जोधपुर पहुंचे और उत्साहपूर्वक सीएमई में भाग लिया। बातचीत की सुविधा के लिए कक्ष एकदम उपयुक्त था। प्रतिभागियों को अर्ध चंद्रविन्यास में 5-6 प्रति मेज के समूह में बैठाया गया और वक्ता अंतिम प्रतिभागी तक पहुंचने के लिए तालिकाओं के माध्यम से आसानी से नेविगेट कर सकता था। बेतार माइक

प्रतिभागियों के साथ समस्या मुक्त टिप्पणियों और चर्चा के लिए थे। कक्ष का तापमान एकदम सही था और मुख्य कक्ष के ठीक बाहर चाय / कॉफी की व्यवस्था थी। प्रतिभागी बहुत उत्साही थे और पूरे भारत और नेपाल और भूटान के प्रतिनिधि भी सम्मिलित हुए थे। उपरोक्त सभी उद्देश्यों को सीएमई में संबोधित किया गया था। समय की कमी के कारण सभी क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा नहीं की जा सकी, लेकिन सभी अवधारणाओं को पर्याप्त रूप से स्पर्श किया गया, जो वयस्क शिक्षार्थियों के लिए पर्याप्त होनी चाहिए और उन्हें आगे के अन्वेषणों के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। बाद के सीएमई व्यक्तिगत रूप से विधियों या विशिष्ट शिक्षण उद्देश्यों जैसे छोटे उपखंडों को संबोधित कर सकते हैं। अधिगम संसाधन सामग्री प्रदान की गई थी क्योंकि सभी प्रस्तुतियों के सार को एक स्मारिका पुस्तिका में संकलित किया गया था। पंजीकृत प्रतिभागियों की संख्या 105 थी और उन्हें मुख्य सीएमई समूह, कार्यस्थल आधारित मूल्यांकन और दृष्टिकोण, नैतिकता और संचार समूह में विभाजित किया गया था। पूरे कार्यक्रम में 98 प्रतिभागी उपस्थित थे। कार्यक्रम बहुत इंटरैक्टिव था और प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण और व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान किया गया था। पाठ्यक्रम संकाय द्वारा प्रस्तुति उत्कृष्ट थी। सीएमई कार्यक्रम के दौरान उपयोग किए गए श्रव्य दृश्य उपकरण उपयुक्त थे। शैक्षणिक सामग्री, अर्थात् प्रदान की गई अत्याधुनिक जानकारी सबसे अद्यतन थी और जो जानकारी प्रदान की गई थी वह साक्ष्य - आधारित थी।

01.04.2019 से 31.03.2020 तक अंतःसांस्थानिक सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाती विवरणी

क्रम संख्या	विषय	स्वीकृत राशि (रुपए)
1	**"स्तन कैंसर- निदान और प्रबंधन में वर्तमान रुझान"** पर सीएमई कार्यक्रम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश। 2 मई, 2019	2,16,982/-
2	**"रोगाणुरोधी प्रतिरोध"** पर सीएमई कार्यक्रम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल। 11 अक्टूबर, 2019	2,50,000/-
3	**"भारत में कुपोषण का तिहरा बोझ: एक शोध अद्यतन"** पर एनएफआई-नैम्स डॉ. सी. गोपालन संगोष्ठी श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रोफ़ेसर जे. एस. बजाज केंद्र। 18 अक्टूबर, 2019	1,10,245/-
4	**"बाल रोग में योग्यता आधारित शिक्षा: चुनौतियां और अवसर"** पर सीएमई कार्यक्रम एवं कार्यशाला अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर। 3 नवंबर, 2019	2,20,000/-

अनुबंध-VI

एनएएमएस अध्याय

उत्तरी क्षेत्र

जम्मू और कश्मीर	डॉ. आर. मदान पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, पूर्व सदस्य, लोक सेवा आयोग जम्मू एवं कश्मीर सरकार	निदेशक, मदान अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, 37 ए/सी, गांधी नगर, जम्मू - 180004
चंडीगढ़ हिमाचल प्रदेश	डॉ. योगेश चावला पूर्व निदेशक, पीजीआईएमईआर, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़-160012	पूर्व निदेशक, पीजीआईएमईआर आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, हेप्टोलोजी विभाग, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़ - 160012
दिल्ली	नए संयोजक को नामित किया जाना है।	
हरियाणा	एयर मार्शल डॉ. एम. एस. बोपाराय पूर्व निदेशक, एएफएमसी, पुणे, और पूर्व महानिदेशक, सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवा, नई दिल्ली	915, डिफेंस कालोनी, सेक्टर - 17बी, गुड़गांव - 122001
पंजाब	डॉ. एच. एस. संधू पूर्व प्रधानाचार्य, मेडिकल कालेज, अमृतसर	मकान सं. 883, सर्कुलर रोड, नर्स होस्टल के सामने अमृतसर - 143001

उत्तर प्रदेश	नए संयोजक को नामित किया जाना है।	
मध्य क्षेत्र		
राजस्थान	डॉ. संजीव मिश्रा निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर	निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान जोधपुर।
मध्य प्रदेश	डॉ. जी. पी. पाल आचार्य एवं विभागाध्यक्ष शरीर रचना विभाग मार्डर्न दंत कॉलेज एवं अनुसंधान केंद्र, गांधी नगर, हवाई अड्डा मार्ग, इंदौर - 453112	74, पद्मावती कॉलोनी, सेंट पॉल विद्यालय के पीछे, इंदौर - 452001 (मध्य प्रदेश)।
पश्चिम क्षेत्र		
महाराष्ट्र	डॉ. एस. एस. देशमुख पूर्व कुलपति, बंबई विश्वविद्यालय, मुम्बई	समर्थ कृपा, राम मंदिर मार्ग, विले-पार्ले (ईस्ट), मुम्बई - 400057
गुजरात	डॉ. हरिभाई एल. पटेल	50/322, सरस्वती नगर, वस्त्रपुर, अहमदाबाद - 380015
दक्षिण क्षेत्र		
तमिलनाडु	डॉ. मोहन कामेस्वरन निदेशक, मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, चेन्नई	मद्रास ईएनटी अनुसंधान प्रतिष्ठान, 1 क्रॉस स्ट्रीट, ऑफ मुख्य मार्ग, राजा अन्नामलाईपुरम चेन्नई - 600028
केरल	डॉ. वी. मोहन कुमार	8-ए, हीरा गेट अपार्टमेंट डीपीआई जंक्शन, जगथी तिरुवनंतपुरम - 695014

आंध्र प्रदेश	डॉ. अल्लादि मोहन अध्यक्ष, पल्मोनरी क्रिटिकल केयर एवं निद्रा मेडिसिन प्रभाग, आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, काय चिकित्सा विभाग, श्री वेंकेटेश्वर आयुर्विज्ञान संस्थान, तिरुपति - 517507।	19-12-501 (ऊपर) बैरागीपट्टेड़ा तिरुपति - 517501।
कर्नाटक	डॉ. अनुरा विश्वनाथ कुरपद संकायाध्यक्ष, सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बंगलौर	सेंट जॉन अनुसंधान संस्थान सेंट जॉन राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, बीडीए कॉम्पलैक्स कोरामंगला, बंगलौर-560034
पूर्व क्षेत्र		
पश्चिम बंगाल	डॉ. डी. बक्सी पूर्व आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, अस्थिरोगविज्ञान विभाग, मेडिकल कालेज एवं अस्पताल, कोलकाता	डीए-3, सेक्टर-1, साल्ट लेक सिटी, कोलकाता - 700064
उड़ीसा	डॉ. सुरेश्वर मोहंती तंत्रिकाशल्यचिकित्सा आचार्य एवं प्रधानाचार्य, आयुर्विज्ञान संस्थान, सेक्टर-8 कलिंग नगर, भुवनेश्वर	206 डुप्लेक्स, मनोरमा एस्टेट, रसूलगढ़, भुवनेश्वर - 751010

बिहार	नए संयोजक को नामित किया जाना है।	
झारखंड	डॉ. सुरेश्वर पांडे	आरजेएसआईओआर, रामेश्वरम, बरियातु रोड, रांची - 834009, झारखंड
असम	डॉ. देबी चरण चौधरी	बेजबरुआ रोड, सिलपुखेरी, गुवाहाटी - 781003
मेघालय अरूणाचल प्रदेश	डॉ. डी. एम. थापा वरिष्ठ वेतनमान आचार्य त्वचा रोग विज्ञान एवं रतिज रोग विभाग, जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी - 605006	वरिष्ठ वेतनमान आचार्य त्वचा रोग विज्ञान एवं रतिज रोग विभाग, जेआईपीएमईआर, पुद्दुचेरी - 605006

एनएएमएस के प्रतिष्ठित आचार्य

नैम्स के प्रतिष्ठित आचार्यों द्वारा 2019-20 में दिए गए व्याख्यान/ सारांश की रिपोर्ट

1. **सेवानिवृत्त एयर मार्शल (डॉ.) एम. एस. बोपाराय, प्रतिष्ठित आचार्य, नैम्स द्वारा दिए गए व्याख्यानों का सारांश।**

15 दिसंबर 2019 को दिल्ली में आयोजित नेत्र अभिघात की विश्व कांग्रेस में नेत्र अभिघात पर यादृच्छिक विचारों पर व्याख्यान।

अभिघात मानव सभ्यता जितना ही प्राचीन है। नेत्र अभिघात कोई अपवाद नहीं है। भारत में लगभग 90 लाख नेत्रहीन लोगों में से लगभग 1/3 नेत्र अभिघात के कारण अपनी दृष्टि खो चुके हैं। नेत्र संबंधी आघात बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि इसके उपचार में देरी दृश्य रुग्णता और यहां तक कि अंधापन का कारण हो सकती है। यह विशेष रूप से बहु अभिघात के मामलों में होता है।

प्रारंभ से ही इन मामलों के उपचार में नेत्र शल्य चिकित्सकों को सम्मिलित करने के लिए आकस्मिक चिकित्सा अधिकारियों और सामान्य शल्य चिकित्सकों को संवेदनशील बनाने की तत्काल आवश्यकता है। पहला ध्यान जीवन को बचाने पर जाता है, लेकिन अगर एक नेत्र शल्य चिकित्सक को आरंभ में ही सम्मिलित कर लिया जाता है तो आंख की चोट का समय पर उपचार करके नेत्र और दृश्य संबंधी रुग्णता से बचाव किया जा सकता है और इसका प्रभाव कम किया जा सकता है। किसी रोगी को बहु अभिघात से उबरते देखना असामान्य नहीं है, लेकिन यह बिगड़ी हुआ दृष्टि या अंधापन छोड़ जाता है। यह परिहार्य है। नेत्रहीन विकलांगों का पुनर्वास बहुत महत्वपूर्ण है और यह उपचार करने वाले नेत्र शल्य चिकित्सक का कार्य है। उन्हें आरंभ से ही नेत्रहीन संस्थान, देहरादून या इस तरह के अन्य संगठन को सम्मिलित करने में कोई संकोच नहीं होना चाहिए।

रोकथाम उपचार की तुलना में और भी महत्वपूर्ण है और इसके लिए बहुत बल दिया जाता है। मीडिया और सामाजिक-धार्मिक संगठनों का समावेश बहुत महत्वपूर्ण है। सरकारी संगठनों को व्यापार, कृषि और विनिर्माण में सुरक्षा उपकरणों और प्रणालियों की

उपलब्धता सुनिश्चित करनी चाहिए। अंत में, नेत्र अभिघात से निपटने में नेत्र शल्य चिकित्सकों के प्रशिक्षण की पुनश्चर्या और अद्यतन करना और नेत्र के अंदर के साथ-साथ नेत्र की बाहरी चोटों से निपटने के लिए माइक्रोस्कोप का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

शैक्षणिक समिति एवं शैक्षणिक परिषद् की रिपोर्ट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत), नई दिल्ली में मंगलवार, 3 मार्च, 2020 को शैक्षणिक समिति और शैक्षणिक परिषद की बैठकें आयोजित की गईं। सदस्यों को वर्ष के दौरान आयोजित चार अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के बारे में अवगत कराया गया। सभी कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए थे।

बैठक की सिफारिशें निम्नानुसार हैं:

वर्ष 2019 के लिए डॉ. मुकुंद एस. जोशी को जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार के संबंध में, यह दीक्षांत समारोह के बाद मुंबई में उनके घर पर उनके परिवार के सदस्यों को दिया जाएगा।

- **एम्स, जोधपुर में चिकित्सा शिक्षा में अनुसंधान के लिए नैम्स - केंद्र का योगदान**

  सदस्यों ने जोधपुर केंद्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की और अगले दो वर्ष अर्थात (जुलाई 2020 से जून 2022 तक) केंद्र के विस्तार को जारी रखने की सिफारिश की।

- **उत्तर पूर्वी इंदिरा गाँधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान आंचलिक संस्थान, शिलांग में आयोजित होने वाले एनएएमएस वार्षिक सम्मेलन 2020 के लिए वैज्ञानिक कार्यक्रमों पर विचार और चर्चा**

  नैम्सकॉन - 2020 के संबंध में डॉ. डी. एम. थप्पा, निदेशक से प्राप्त पत्र को समिति के समक्ष रखा गया। सचिव ने समिति को सूचित किया कि डॉ. थप्पा ने सीएमई के लिए "उत्तर-पूर्व में बहु-औषध प्रतिरोधी क्षय रोग" विषय का प्रस्ताव रखा है; (महामारी विज्ञान के पहलू, सूक्ष्म जैवविज्ञानी पहलू, दवा प्रतिरोध, नैदानिक प्रोफ़ाइल, प्रयोगशाला निदान में चुनौतियां, एमडीआर टीबी में उपचार प्रोटोकॉल, एमडीआर टीबी में शल्यचिकित्सीय पहलू, एमडीआर टीबी के संदर्भ में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, नई दवाओं और भविष्य की संभावनाओं, उपचार के लिए पालन / अनुपालन। सीएमई प्रस्ताव को समिति द्वारा अनुमोदित किया गया था। कुछ विषय / वक्ता का सदस्यों द्वारा भी सुझाव दिया गया था- जैसे कि बच्चों में टीबी, एमडीआर - एचआईवी - टीबी योगदान - डॉ. राजेश्वर दयाल, डॉ. ए. के. शर्मा ने सीएमई कार्यक्रम में एक वक्ता बनने के लिए भी अपनी रुचि दिखाई। डॉ. मीरा रजानी ने सुझाव दिया कि अंतःहस्तक्षेपी पहलुओं पर बात होनी

चाहिए। डॉ. श्रीवास्तव ने सुझाव दिया कि वे अध्यक्ष के साथ चर्चा करेंगे और निदेशक शिलाँग को एक पत्र लिखेंगे।

डॉ. एस. एस. देशमुख ने वैज्ञानिक संगोष्ठी के लिए **"मानसिक स्वास्थ्य"** विषय का सुझाव दिया और उसे समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। डॉ. देशमुख ने नैम्सकॉन - 2020 में वैज्ञानिक संगोष्ठी के लिए मनोचिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों के कुछ नामों का सुझाव दिया। संगोष्ठी निम्नलिखित विषयों पर चर्चा करने के लिए चार वक्ताओं के साथ 2 घंटे की अवधि की होगी:

1. डॉ. आनंद नेदगकर, मुंबई

2. डॉ. राकेश चड्डा, दिल्ली

3. डॉ. निमेश देसाई, दिल्ली

डॉ. निमेश देसाई, दिल्ली को एक वक्ता के रूप में नैम्सकॉन - 2020 में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजने का सुझाव दिया गया था। मानसिक स्वास्थ्य विषय को बाल चिकित्सा, किशोर, वयस्क और जराचिकित्सा की श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है।

शैक्षणिक समिति ने अधिकृत कियाः

- अध्यक्ष और सचिव, शैक्षणिक समिति को उत्तर पूर्वी इंदिरा गाँधी स्वास्थ्य एवं आयुर्विज्ञान आंचलिक संस्थान, शिलांग की नैम्सकॉन - 2020 सीएमई कार्यक्रम को अंतिम रूप देने में सहायता देंगे।

- डॉ. एस. एस. देशमुख, डॉ. प्रेमा रामचंद्रन और डॉ. दीप एन. श्रीवास्तव वक्ताओं की पहचान करने और नैम्सकॉन - 2020 संगोष्ठी के कार्यक्रम को अंतिम रूप देंगे।

- **वर्ष 2020 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार के लिए नामांकन**

चर्चा के बाद समिति ने डॉ. मनोरमा बेरी को वर्ष 2020 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया।

एनएएमएस वेबसाइट और एनकेएन कनेक्टिविटी

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) और इसकी गतिविधियों के बारे में सभी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। इसमें नियम और विनियम, परिषद् के सदस्य, अध्येता और सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट, लेखापरीक्षित लेखा विवरण, कर्मचारी डाटा, अधिगम संसाधन सामग्री, वर्ष वृत्तांत, सीएमई मोनोग्राफ, सीएमई हेतु दिशानिर्देश शामिल हैं। इस पर विगत वर्षों के दीक्षांत समारोह, अभिभाषण और वार्षिक रिपोर्ट भी पढ़ी और डाउनलोड की जा सकती हैं। इस पर आगामी अकादमिक गतिविधियों का ब्यौरा जैसे कि सीएमई कार्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रम आदि भी दर्शाए गए हैं। डिजिटल सुविधाएं प्राप्त करने के लिए, नैम्स ने अपनी वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान प्रणाली शुरू की थी और वर्ष वृत्तांत के लेखों को ऑनलाइन जमा करना भी शुरू किया था। नैम्स ने नैम्स यूट्यूब चैनल (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी भारत) भी शुरू किया है जो हमारे द्वारा आयोजित सीएमई के व्यापक परिसंचरण के लिए निःशुल्क है। एनकेएन कनेक्टिविटी की सहायता से, हम एम्स, जोधपुर, ऋषिकेश, भोपाल, पटना, भुवनेश्वर इत्यादि जैसे अन्य शैक्षिक संस्थानों से जुड़ते हैं ताकि दूर - दूर के लोग भी इंटरैक्टिव सत्र और शिक्षण / शिक्षण कार्यक्रमों में भाग ले सकें। यह न केवल हमारी भारत सरकार के लक्ष्यों का विस्तार करता है अपितु वित्तीय व्यय को भी कम करता है।

"भारत में कुपोषण का तिहरा बोझ: एक शोध अद्यतन" पर एनएफआई - नैम्स डॉ. सी. गोपालन शताब्दी संगोष्ठी 18 अक्टूबर, 2019 को कमला रहेजा सभागार एवं प्रोफेसर जे. एस. बजाज बहुव्यावसायिक शिक्षा केंद्र, नैम्स भवन, अंसारी नगर, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक आयोजित की गई थी।

राष्ट्रीय संस्थान, एम्स जोधपुर भी कार्यक्रम के दौरान जुड़े हुए थे।

वित्तीय रिपोर्ट

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

सरकारी अनुदान

योजना

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अकादमी को सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए 'योजना' के तहत स्वीकृत/ दिए गए सहायता अनुदान की स्थिति और उसके विरुद्ध गत 3 वर्षों (2017-18 से 2019-20) के दौरान किया गया व्यय निम्नानुसार हैः

(लाख रुपए में)

वर्ष	स्वीकृत अनुदान	प्राप्त अनुदान	व्यय (खरीदी गई परिसंपत्तियों सहित)
2017-18	180.00	170.00	160.22
2018-19	180.00	180.00	155.69
2019-20	180.00	180.00	174.00

वित्त

वर्ष 2019-20 के दौरान अध्येताओं और सदस्यों से आजीवन सदस्यता शुल्क के रूप में 44,36,000/- रुपए की राशि प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त 38.23 लाख रुपए की राशि सावधि जमा पर ब्याज के द्वारा प्राप्त हुई।

लेखा

वर्ष 2019-20 के लिए लेखे की लेखापरीक्षा चार्टर्ड लेखाकार द्वारा पूरी कर ली गई है। परिषद के सदस्यों ने भी सैद्धांतिक रूप में लेखा विवरण को अनुमोदित कर दिया है। अब इनको आम सभा द्वारा अपनाए जाने के लिए सिफारिश की जाती है।

लेखा

लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

अंसारी नगर, रिंग रोड, नई दिल्ली।

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट

हमने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) ("अकादमी") के संलग्न वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन-पत्र और समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा, तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य स्पष्टीकारक जानकारी का सारांश शामिल है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों की तैयारी के लिए उत्तरदायी है जो, अकादमी के धर्मार्थ संस्था होने के कारण उस पर लागू, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखांकन मानकों के अनुसार अकादमी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय निष्पादन का सही और निष्पक्ष रूप प्रस्तुत करें। इस उत्तरदायित्व में वित्तीय विवरणों की तैयारी और प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुरक्षण निहित है जो एक सच्चा और निष्पक्ष विचार दे और धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण सामग्री के ग़लत बयान से मुक्त हो।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारा उत्तरदायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर राय व्यक्त करना है। हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखापरीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखापरीक्षा की है। वे मानक अपेक्षा करते हैं कि हम नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें और इस बारे में, कि क्या वित्तीय विवरण गलत विवरण से मुक्त हैं, उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें।

लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों और प्रकटनों का समर्थन करने वाले लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त के लिए प्रक्रियाएँ शामिल होती है। चुनी गई प्रक्रियाएँ लेखा परीक्षकों के निर्णय, जिसमें धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण वित्तीय विवरणों के गलत विवरण के जोखिम का आकलन निहित है, पर निर्भर

करती हैं । इस जोखिम का आकलन करते हुए लेखा परीक्षक अकादमी द्वारा वित्तीय विवरणों की तैयारी और सही प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक आंतरिक नियंत्रण को ध्यान में रखते हुए परिस्थितयों के अनुसार उपयुक्त लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की रूपरेखा बनाता है। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों की उपयुक्ता का आकलन और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण लेखा अनुमानों का औचित्य तथा साथ ही समग्र वित्तीय विवरण के प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर्याप्त हैं और हमारी लेखापरीक्षा राय के लिए उचित आधार प्रदान करते हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, वित्तीय विवरण भारत में साधारणतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों के अनुरूप सही और उचित दृश्य प्रस्तुत करते हैं:

i. तुलन-पत्र के मामले में अकादमी की 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति कार्यकरण

ii. आय-व्यय लेखा के मामले में उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए व्यय की अपेक्षा आय का आधिक्य।

विषय का महत्व

अपनी राय को योग्य ठहराए बिना, हम निम्नलिखित की ओर ध्यान आकर्षित करते हैः

- अचल परिसंपत्तियों का वास्तविक सत्यापन और बहियों से उसका समंजन लंबित है।
- सावधि जमा राशि की परिपक्वता पर ब्याज जमाखाते हुआ।

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

हस्ताक्षर
(बी. एल. खन्ना)
साझेदार

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को यथास्थिति तुलन-पत्र

(राशि रुपए)

संचित निधि/पूंजी निधि और देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संचित/पूंजी निधि	1	6,74,16,727.90	6,14,75,381.46
प्रारक्षित निधि और अधिशेष	2	6,26,519.58	6,26,519.58
पूंजी परिसंपत्ति निधि	3	1,52,00,370.66	1,60,09,911.58
निर्धारित/धर्मादा निधि (सरकारी)	4	25,80,123.00	17,00,550.00
निर्धारित/धर्मादा निधि (गैर-सरकारी)	5	82,10,197.48	76,16,370.48
चालू देयताएं और प्रावधान	6	25,000.00	25,000.00
जोड़		**9,40,58,938.62**	**8,74,53,733.10**
परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां	7	1,52,00,370.66	1,60,09,911.58
चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम	8	7,88,58,567.96	7,14,43,821.52
जोड़		**9,40,58,938.62**	**8,74,53,733.10**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए
आय और व्यय लेखा (समेकित)

(राशि रुपए)

आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसंधान कार्य		
अनुदान	1,80,00,000.00	1,80,00,000.00
अर्जित ब्याज	2,34,649.00	1,27,110.00
अकादमी		
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	2,91,100.00	5,02,900.00
अनुदान	-	-
शुल्क/ अभिदान	7,35,000.00	8,20,000.00
अर्जित ब्याज	39,35,749.44	36,24,823.91
अन्य आय	85728.00	100.31
जोड़ (क)	**2,32,82,226.44**	**2,30,74,934.22**
व्यय		
अनुसंधान कार्य		
स्थापना व्यय	83,28,622.00	94,34,270.00
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	44,36,101.00	36,60,171.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय	30,73,877.00	20,16,908.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	7,53,144.00	3,16,042.00
पूंजीगत व्यय	7,63,332.00	1,41,337.00
अकादमी		
स्थापना व्यय	6,61,075.00	12,21,221.50
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	28,81,156.00	21,73,319.00
जोड़ (ख)	**2,08,97,307.00**	**1,89,63,268.50**
कुल जोड़ (क - ख)	**23,84,919.44**	**41,11,665.72**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 10.12.2020

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए

अनुसंधान कार्य के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
बिक्री/सेवाओं से आय			
अनुदान	3	1,80,00,000.00	1,80,00,000.00
		-	-
अर्जित ब्याज	3	2,34,649.00	1,27,110.00
		-	-
जोड़ (क)		**1,82,34,649.00**	**1,81,27,110.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	3	8328622.00	94,34,270.00
अनुसंधान प्रकोष्ठ के अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	3	44,36,101.00	36,60,171.00
अनुदानों, अनुसंधान, सीएमई पर व्यय	3	30,73,877.00	20,16,908.00
नैम्स अनुसंधान केंद्र- जोधपुर के व्यय	3	7,53,144.00	3,16,042.00
पूंजीगत व्यय	3	7,63,332.00	1,41,337.00
जोड़ (ख)		**1,73,55,076.00**	**1,55,68,728.00**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		8,79,573.00	25,58,382.00
		-	-
		-	-
अनुसंधान गतिविधियों के लिए अनुसूची 4 के अनुसार ब्यौरा		**8,79,573.00**	**25,58,382.00**

ह./-	ह./-	ह./-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)
दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि/वर्ष के लिए
अकादमी के लिए आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुपस्थिति में स्क्रॉल से आय	7	2,91,100.00	5,02,900.00
		-	-
शुल्क/ अभिदान		7,35,000.00	8,20,000.00
अर्जित ब्याज	8	39,35,749.44	36,24,823.91
अन्य आय	9	85,728.00	100.31
जोड़ (क)		**50,47,577.44**	**49,47,824.22**
व्यय			
स्थापना व्यय	10	6,61,075.00	12,21,221.50
गैर-योजना पर अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	11	28,81,156.00	21,73,319.00
अनुदानों, आर्थिक सहायता पर व्यय		--	--
जोड़ (ख)		**35,42,231.00**	**33,94,540.50**
व्यय की तुलना में आय के आधिक्य का शेष (क - ख)		15,05,346.44	15,53,283.72
विशेष प्रारक्षित निधि को अंतरण (प्रत्येक निर्दिष्ट करें)		-	-
सामान्य प्रारक्षित निधि को/ से अंतरण		-	-
अधिशेष/(कमी)) का शेष संचित/पूंजी निधि को अग्रेनीत		**15,05,346.44**	**15,53,283.72**

ह./-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)
अध्यक्ष

ह./-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह./-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन-पत्र का भाग होने वाले अनुसूचियां

अनुसूची 1 - संचित/ पूंजी निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष के प्रारंभ में शेष	6,14,75,381.46		5,50,64,097.74	
जोड़ेः प्रवेश शुल्क	44,36,000.00		48,58,000.00	
	--		--	
	--		--	
जोड़े/(घटाएं): आय और व्यय का लेखा से अंतरित निवल आय/(व्यय) का शेष	15,05,346.44	6,74,16,727.90	15,53,283.72	6,14,75,381.46
वर्ष के अंत में शेष		**6,74,16,727.90**		**6,14,75,381.46**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2018 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची ड़ - प्रारक्षित निधि और अधिशेष

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1.	**पूंजी प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
2.	**पूनर्मूल्यांकन प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
3.	**विशेष प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
4.	**सामान्य प्रारक्षित निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि				
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां				
5.	**उपस्कर निधि और इमारत निधिः**				
	पिछले लेखे के अनुसार				
	वर्ष के दौरान वृद्धि	--		--	
	घटाएं: पूंजी परिसंपत्ति निधि को अंतरण	--		--	

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		**पिछला वर्ष**	
6. इमारत निधि (अनुरक्षण)				
पिछले लेखे के अनुसार	6,26,519.58		6,26,519.58	
वर्ष के दौरान वृद्धि				
घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां		6,26,519.58		6,26,519.58
जोड़		**6,26,519.58**		**6,26,519.58**

ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 2 - पूंजी परिसंपत्ति निधि

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
निधि का अथशेष	1,60,09.911.58		1,79,33,074.97	
		1,60,09.911.58		1,79,33,074.97
जोड़ें: सीएमई कार्यक्रम अनुदान के अधीन पूंजी परिसंपत्तियां	7,63,332.00		1,41,337.00	
जोड़े: पूंजी परिसंपत्तियां अन्य अनुदान		7,63,332.00		1,41,337.00
घटाएं: रद्दी की गई/ चोरी हुई परिसंपत्तियां	15,72,872.92	(15,72,872.92)	(20,64,500.39)	(20,64,500.39)
		1,52,00,370.66		**1,60,09,911.58**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि)

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(क)	**निधियों का अथशेष**		17,00,550.00		(8,57,832.00)
(ख)	**निधियों में वृद्धियां**				
i.	दान/अनुदान(अनुबंध-क)	1,80,00,000.00		1,80,00,000.00	
ii.	निधि के कारण किए गए निवेश से आय	2,34,649.00		1,27,110.00	
iii.	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें)		1,82,34.649.00		1,81,27.110.00
जोड़ (क + ख)			**1,99,35,199.00**		**1,72,69,278.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (सरकारी योजना निधि)

(सीएमई कार्यक्रम निधि) ज़ारी.......

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
(ग) उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय				
i. **पूंजी व्यय**				
- अचल परिसंपत्तियां	7,63,332.00	7,63,332.00	1,41,337.00	1,41,337.00
ii. **राजस्व व्यय**				
- वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि (अनुबंध-ख)	83,28,622.00		94,34,270.00	
- सीएमई कार्यक्रम के लिए अनुदान निर्गमन(अनुबंध-ग)	30,73,877.00		20,16,908.00	
- अन्य प्रशासनिक व्यय (अनुबंध-घ)	44,36,101.00		36,60,171.00	
- नैम्स अनुसंधान केंद्र-जोधपुर के व्यय (अनुबंध-ड़)	7,53,144.00	1,65,91,744.00	3,16,042.00	1,54,27,391.00
जोड़ (ग)		**1,73,55,076.00**		**1,55,68,728.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष	(क + ख + ग)	**25,80,123.00**		**17,00,550.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार

कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स

चार्टर्ड लेखाकार

फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली

दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध - क

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
दान/ अनुदान		
अनुदान - सामान्य	75,00,000.00	75,00,000.00
अनुदान - वेतन	1,00,00,000.00	1,00,00,000.00
अनुदान - पूंजी	5,00,000.00	5,00,000.00
जोड़	**1,80,00,000.00**	**1,80,00,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध - ख

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
स्थापना व्यय			
क)	वेतन और मजदूरी	73,24,133.00	87,87,093.00
ख)	भविष्य निधि में अंशदान	6,69,892.00	6,92,627.00
ग)	अन्य निधि में अंशदान (निर्दिष्ट करें) कें.स.स्वा.यो.	3,77,797	-
	घटाएंः कें.स.स्वा.यो. वसूली	(43,200.00)	(45,450.00)
घ)	कर्मचारी कल्याण व्यय	-	-
ङ)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति पर व्यय और सीमांत लाभ		
	जोड़	**83,28,622.00**	**94,34,270.00**

ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध - ग

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	अनुदानों, आर्थिक सहायताओं आदि पर व्यय		
क)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (अंतःस्थानिक)	8,40,982.00	1,69,030.00
ख)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (बाह्यस्थानिक)	22,32,895.00	17,47,612.00
ग)	संस्थानों/संगठनों को सतत शिक्षा चिकित्सा कार्यक्रमों के लिए दिया गया अनुदान (प्रायोगिक कार्यक्रम)	--	1,00,266.00
घ)	संस्थानों/संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता		
	जोड़	**30,73,877.00**	**20,16,908.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध - घ

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
अनुसंधान प्रकोष्ठ के अन्य प्रशासनिक व्यय आदि			
क)	विद्युत, ऊर्जा और जल	4,47,890.00	4,62,882.00
ख)	बीमा	14,227.00	14,227.00
ग)	मरम्मत और अनुरक्षण	6,22,071.00	4,20,611.00
घ)	वाहन चालन और अनुरक्षण	62,536.00	61,222.00
ङ)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार	6,64,255.00	2,99,333.00
च)	मुद्रण और लेखन सामग्री	3,32,000.00	8,34,349.00
छ)	यात्रा और वाहन व्यय	9,39,840.00	30,678.00
ज)	सेमिनार/कार्यशालाओं पर व्यय (टेली - शिक्षा)	-	-
झ)	लेखापरीक्षकों का पारिश्रमिक	59,000.00	1,18,000.00
ञ)	आतिथ्य व्यय	78,673.00	88,417.00
ट)	व्यावसायिक/ परामर्श प्रभार	12,11,493.00	12,99,110.00

ठ)	अन्य (निर्दिष्ट करें)		
	-बैठक शुल्क		29,500.00
	-बैंक प्रभार	4,116.00	1,842.00
	-चिकित्सा व्यय	-	-
	जोड़	**44,36,101.00**	**36,60,171.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 3 का अनुबंध – ड़

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
नैम्स अनुसंधान केंद्र - जोधपुर का व्यय विवरण			
क)	सीएमई कार्यक्रम	--	19,090.00
ख)	नैम्स के वार्षिक वृत्तांत का प्रकाशन	7,53,144.00	2,36,060.00
ग)	डाक व्यय	--	60,892.00
	जोड़	**7,53,144.00**	**3,16,042.00**

ह0/- (डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल) **अध्यक्ष**	ह0/- (डॉ दीप एन. श्रीवास्तव) **मानद सचिव**	ह0/- (डॉ मीरा रजानी) **कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)	निधि-वार आंकड़े							
	1	2	3	4	5	6	7	8
	जन. अमीर चन्द व्याख्यान निधि	आरोग्य आश्रम समिति निधि	बम्बई व्याख्यान निधि	डॉ के. एल. विग स्मारक व्याख्यान निधि	डॉ आर. वी. राजम व्याख्यान निधि	डॉ आर. एम. कासलीवाल निधि	डॉ एस. एस. मिश्रा चिकित्सा पुरस्कार निधि	श्री राम स्मारक पुरस्कार निधि
क) निधियों का अथशेष	32,833.50	(15,863.97)	86,464.00	4,23,302.55	9,889.69	315.88	(42,226.30)	(13,553.46)
ख) निधियों में वृद्धियां								
i दान/अनुदान								
ii निधि के लिए किए गए निवेश से आय								
iii अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)	**32,833.50**	**(15,863.97)**	**86,464.00**	**4,23,302.55**	**9,889.69**	**315.88**	**(42,226.30)**	**(13,553.46)**
ग) उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय								
i पूंजी व्यय								
-अचल परिसंपत्तियां								
-अन्य								
जोड़	-	-	-	-	-	-	-	
ii राजस्व व्यय								
-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
-किराया								
-अन्य प्रशासनिक व्यय								
-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	-	-	-	1,143.00	-	-	-
जोड़	-	-	-	-	1,143.00	-	-	-
iii वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण								
जोड़ (ग)	-	**25,179.00**	-	-	**1,143.00**	-	-	-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)	**32,833.50**	**(15,863.97)**	**86,464.00**	**4,23,302.55**	**8746.69**	**315.88**	**(42,226.30)**	**(13,553.46)**
पिछला वर्ष	**32,833.50**	**(15,863.97)**	**86,464.00**	**4,23,302.55**	**9,889.69**	**315.88**	**(42,226.30)**	**(13,553.46)**

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)	निधि-वार आंकड़े							
	9	10	11	12	13	14	15	16
	श्याम लाल सक्सेना स्मारक पुरस्कार निधि	कर्नल संघम लाल धर्मादा निधि	डॉ वी. आर. खानोल्कर व्याख्यान निधि	डॉ विमला विरमानी पुरस्कार निधि	पश्चिम बंगाल आंचलिक निधि	डॉ पी. एन. छुट्टानी व्याख्यान निधि	डॉ बी. के. आनंद व्याख्यान निधि	नैम्स-2007 अमृतसर पुरस्कार निधि
क) निधियों का अथशेष	(50,002.87)	37,012.20	(17,133.44)	21,437.53	50,231.07	2,01,114.00	4,01,645.00	1,16,574.00
ख) निधियों में वृद्धियां								
i दान/अनुदान								
ii निधि के लिए किए गए निवेश से आय								
iii अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)	**(50,002.87)**	**37,012.20**	**(17,133.44)**	**21,437.53**	**50,231.07**	**2,01,114.00**	**4,01,645.00**	**1,16,574.00**
ग) उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय								
i **पूंजी व्यय**								
-अचल परिसंपत्तियां								
-अन्य								
जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii **राजस्व व्यय**								
-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
-किराया								
-अन्य प्रशासनिक व्यय								
-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	27,274.00	21,248.00	-	-	20,337.00	-	2,143.00
जोड़	**-**	**27,274.00**	**21,248.00**	**-**	**-**	**20,337.00**	**-**	**2,143.00**
iii **वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)	**-**	**27,274.00**	**21,248.00**	**-**	**-**	**20,337.00**	**-**	**2,143.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)	**(50,002.87)**	**9,738.20**	**(38,381.34)**	**21,437.53**	**50,231.07**	**1,80,777.00**	**4,01,645.00**	**1,14,431.00**
पिछला वर्ष	**(50,002.87)**	**37,012.20**	**(17,133.44)**	**21,437.53**	**50,231.07**	**2,01,114.00**	**4,01,645.00**	**1,16,574.00**

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)	निधि-वार आंकड़े							
	17	18	19	20	21	22	23	24
	स्वर्ण जयंती निधि	नैम्स स्वर्ण जयंती यात्रा अध्येतावृत्ति	भारतीय लोक स्वास्थ्य संघ डेंटिस्टी	डॉ बलदेव सिंह व्याख्यान निधि	डॉ एस. एस. सिद्धू व्याख्यान निधि	डॉ ए. इंद्रायन पुरस्कार निधि	डॉ जानकी स्मारक व्याख्यान निधि	डॉ जे. जी. जॉली व्याख्यान निधि
क) **निधियों का अथशेष**	4,87,515.00	4,30,555.00	3,87,416.00	2,86,630.00	3,51,249.00	3.83,305.00	5,41,936.00	6,02,792.00
ख) **निधियों में वृद्धियां**								
i दान/अनुदान								
ii निधि के लिए किए गए निवेश से आय								
iii अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान								
जोड़ (क + ख)	**4,87,515.00**	**4,30,555.00**	**3,87,416.00**	**2,86,630.00**	**3,51,249.00**	**3,83,305.00**	**5,41,936.00**	**6,02,792.00**
ग) **उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**								
i **पूंजी व्यय**								
-अचल परिसंपत्तियां								
-अन्य								
जोड़	-	-	-	-	-	-	-	-
ii **राजस्व व्यय**								
-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि								
-किराया								
-अन्य प्रशासनिक व्यय								
-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	-	25,123.00	15,646.00	24,438.00	13,861.00	-	-
जोड़	-	-	**25,123.00**	**15,646.00**	**24,438.00**	**13,861.00**	-	-
iii **वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**								
जोड़ (ग)	-	-	**25,123.00**	**15,646.00**	**24,438.00**	**13,861.00**	-	-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)	**4,87,515.00**	**4,30,555.00**	**3,62,293.00**	**2,70,984.00**	**3,26,811.00**	**3,83,305.00**	**5,41,936.00**	**6,02,792.00**
पिछला वर्ष	**4,87,515.00**	**4,30,555.00**	**3,87,416.00**	**2,86,630.00**	**3,51,249.00**	**3,83,305.00**	**5,41,936.00**	**6,02,792.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(राशि रुपए)

(गैर-योजना)				**निधि-वार आंकड़े**			
		25	**26**	**27**	**28**	**29**	**30**
		डॉ वी. के. भार्गव पुरस्कार निधि	**डॉ ए. एस. थाम्बिया पुरस्कार निधि**	**प्रो. जे. एस. बजाज पुरस्कार निधि**	**डॉ एन. सूर्यानरण राव पुरस्कार निधि**	**प्रो. के. एन. शर्मा व्याख्यान निधि**	**डॉ सत्य गुप्ता पुरस्कार निधि**
क)	**निधियों का अथशेष**	(1,77,873.00)	3,79,936.00	38,563.00	1,54,062.00	5,00,757.00	3,87,130.00
ख)	**निधियों में वृद्धियां**						
i	दान/अनुदान						
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय						
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान						
जोड़ (क + ख)		**1,77,873.00**	**3,79,936.00**	**38,563.00**	**1,54,062.00**	**5,00,757.00**	**3,87,130.00**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**						
i	**पूंजी व्यय**						
	-अचल परिसंपत्तियां						
	-अन्य	-	-	-	-	-	-
	जोड़						
ii	**राजस्व व्यय**						
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि						
	-किराया						
	-अन्य प्रशासनिक व्यय						
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)	-	-	36,491.00	11,826.00	-	-
जोड़		-	-	**36,491.00**	**11,826.00**	-	-
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**						
जोड़ (ग)		-	-	**36,491.00**	**11,826.00**	-	-
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**1,77,873.00**	**3,79,936.00**	**2,072.00**	**1,42,236.00**	**5,00,757.00**	**3,87,130.00**
पिछला वर्ष		**1,77,873.00**	**3,79,936.00**	**38,563.00**	**1,54,062.00**	**5,00,757.00**	**3,87,130.00**

NATIONAL ACADEMY OF MEDICAL SCIENCES (INDIA)

अनुसूची 4 - निर्धारित/धर्मादा निधियां (अन्य)

(गैर-योजना)					**कुल जोड़**	
		31	32	33		
		डॉ एस. डी. शर्मा व्याख्यान निधि	**डॉ टी. डी. चुग पुरस्कार निधि**	**डॉ निरंजन खंडेलबाल व्याख्यान निधि**	**चालू वर्ष**	**पिछला वर्ष**
क)	**निधियों का अथशेष**	8,00,000.00	4,64,612.00	-	76,16,370.48	78,35,535.48
ख)	**निधियों में वृद्धियां**			8,00,000.00		
i	दान/अनुदान					
ii	निधि के लिए किए गए निवेश से आय					
iii	अन्य वृद्धियां (प्रकृति निर्दिष्ट करें) अंशदान				8,00,000.00	-
जोड़ (क + ख)		**8,00,000.00**	**4,64,612.00**	**8,00,000.00**	**8,416.370.48**	**78,35,535.48**
ग)	**उपयोगिता/निधियों के उद्देश्य के लिए व्यय**					
i	**पूंजी व्यय**					
	-अचल परिसंपत्तियां					
	-अन्य					
	जोड़					
ii	**राजस्व व्यय**					
	-वेतन, मजदूरी और भत्ते आदि					
	-किराया					
	-अन्य प्रशासनिक व्यय					
	-अन्य (नकद पुरस्कार व ट्राफी)		6,643.00	-	**2,06,173.00**	**2,19,165.00**
जोड़			**6,643.00**		**2,06,173.00**	
iii	**वर्ष के दौरान भुगतान/ अन्य निधि को अंतरण**				**2,06,173.00**	**2,19,165.00**
जोड़ (ग)			**6,643.00**	**-**	**2,06,173.00**	**2,19,165.00**
वर्ष के अंत में निवल शेष (क + ख - ग)		**8,00,000.00**	**4,57,969.00**	**8,00,000.00**	**82,10,197.48**	**76,16,370.48**
पिछला वर्ष		**8,00,000.00**	**4,64,612.00**	**8,00,000.00**		

ह0/- (डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	ह0/- (डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	ह0/- (डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 5 - अचल परिसंपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक					मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
क	**अचल परिसंपत्तियां**											
1.	**भूमिः**											
	पट्टाधारित	97,405.00	-	-	97,405.00	-				-	97,405.00	97,405.00
2.	**इमारतः**											
	पट्टाधारित भूमि पर	91,79,218.18	-	-	91,79,218.18	5	4,58,960.91	-	-	4,58,960.91	87,20,257.27	91,79,218.18
3.	संयत्र, मशीनरी और उपस्कर	12,82,440.30	-	-	12,82,440.30	15	1,92,366.05			1,92,366.05	10,90,074.26	12,82,440.30
4	वाहन	4,41,220.63	-	-	4,41,220.63	15	66,183.09			66,183.09	375,037.54	4,41,220.63
5.	फर्नीचर,	15,36,148.78	-	-	15,36,148.78	10	1,53,614.88			1,53,614.88	13,82,533.90	15,36,148.78

(राशि रुपए)

विवरण		सकल ब्लॉक					मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
	जुड़नार											
6.	कार्यालय उपस्कर	16,68,283.78	-	-	16,68,283.78	15	2,50,242.57			2,50,242.57	14,18,041.21	16,68,283.78
7.	कंप्यूटर/पेरिफेरल्स	4,03,100.19	-	-	4,03,100.19	40	1,61,240.08			1,61,240.08	2,41,860.11	4,03,100.19
8.	विद्युत संस्थापनाएं	46,877.70	-	-	46,877.70	10	4,687.77			4,687.77	42,189.93	46,877.70
9.	वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग इकाई	9,81,560.65	4,99,093.00		14,80,653.65	15	1,47,234.10	74,863.95		2,22,098.05	12,58,555.60	9,81,560.65
10.	अन्य अचल परिसंपत्तियां	3,73,656.37	2,64,239.00	-	6,37,895.37	10	37,365.64	26,113.90		63,479.54	5,74,415.83	3,73,656.37

(राशि रुपए)

विवरण	सकल ब्लॉक					मूल्यह्रास				निवल ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ में लागत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान वृद्धियां	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में लागत/ मूल्यांकन	दर	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान वृद्धियों पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष के अंत तक जोड़	चालू वर्ष के अंत में	पिछले वर्ष के अंत में
चालू वर्ष का योग	1,60,09,911.58	7,63,332.00	-	1,67,73,243,58	-	14,71,895.07	1,00,977.85	-	15,72,872.92	1,52,00,370.66	1,60,09,911.58
पिछला वर्ष	1,79,33,074.97	1,41,337.00	-	1,80,74,411.97	-	20,54,950.11	9,550.28	-	20,64,500.39	-	-
ख											
जोड़	**1,60,09,911.58**	**7,63,332.00**	**-**	**1,67,73,243,58**	**-**	**14,71,895.07**	**1,00,977.85**	**-**	**15,72,872.92**	**1,52,00,370.66**	**1,60,09,911.58**

ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - वर्तमान देनदारियां

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्तमान देनदारियां				
1. सुरक्षा जमा अग्रिम धन	25,000.00	25,000.00	25,000.00	25,000.00
जोड़		**25,000.00**		5,75,87,955.79

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6 - चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
क.	**चालू परिसंपत्तियां**				
1.	हस्तगत नकद शेष (चेक/ ड्राफ्ट और पेशगी सहित	12,784.00	12,784.00	20,047.00	20,047.00
2.	बैंक में शेष				
क)	अनुसूचित बैंक में निर्धारित/धर्मादा निधियां				
	-जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	1,11,64,763.00		1,00,53,060.00	
	-बचत खाते पर	60,11,857.00	1,71,76,620.00	56,37,767.00	1,56,90,827.00
	अन्य				
	-जमा खाते पर (मार्जिन राशि सहित)	3,76,01,769.00		3,76,01,769.00	
	-बचत खाते पर	1,54,13,609.79	5,30,15,378.79	1,24,81,860.79	5,00,83,629.79
3.	शोध निवेश	79,928.00	79,928.00		
4.	स्त्रोत पर कर कटौती		91.00		
जोड़ (क)			**7,02,84,801.79**		**6,57,94,503.79**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6- चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि (राशि रुपए)

		चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
ख	**ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियां**				
1.	अग्रिम				
क	कर्मचारी	-		4,500.00	4500.00
2.	**नकद अथवा वस्तु में या प्राप्त किए जाने वाले मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम और अन्य राशियां**				
क	प्रतिभूति राशि	3,18,755.00		3,18,755.00	
	विद्युत 1,54,315				
	महा.टे.नि.लि. 17,371				
	कें.लो.नि.वि.- विद्युत 1,47,069				
ख	राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से देय (अनुबंध - ड़)	21,56,625.00		21,21,386.50	
ग	अन्य उपार्जित ब्याज	51,80,668.67	76,56,048.67	25,92,267.23	50,32,408.73
3.	**अन्य**				
क	वसूली योग्य राशि				
ख	आय कर	9,17,717.50	9,17,717.50	6,12,409.00	6,12,409.00
	2017-18 2,94,417.00				
	2018-19 3,17,992.00				
	2019-20 3,27,923.00				
जोड़			**85,73,766.17**		**56,49,317.73**
जोड़ (क + ख)			**7,88,58,567.96**		**7,14,43,821.52**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली

दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 की यथास्थिति तुलन पत्र का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 6 का अनुबंध – ड़ (राशि रुपए)

राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से मिलने वाले 50% भाग का

विवरण	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
वेतन (इमारत स्टाफ)	11,74,907.00	23,34,712.00
जोड़ें - कें. क. स्वा. यो. योगदान	51,227.00	-
जोड़ें - भविष्य निधि योगदान/ प्रशासनिक प्रभार	99,016.00	1,14,581.00
	13,25,150.00	24,49,293.00
घटाएं - कें. क. स्वा. यो. वसूली	3,000.00	6,850.00
	13,22,150.00	24,42,443.00
मजदूरी खाता	-	-
सुरक्षा सेवा प्रभार	9,08,018.00	7,73,478.00
हाउसकीपिंग प्रभार	4,41,731.00	3,79,960.00
विद्युत व जल प्रभार	8,49,833.00	5,00,619.00
मरम्मत व रखरखाव खाता	7,81,608.00	1,27,038.00
उद्यान व्यय	9,910.00	19,235.00
जोड़	43,13,250.00	42,42,773.00
50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड भाग	21,56,625.00	21,21,386.50
जोड़	**21,56,625.00**	**21,21,386.50**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 7 - बिक्री/सेवाओं से आय

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
1.	बिक्री से आय		
क)	अनुपस्थिति में स्क्रॉल, स्क्रैप, एनल्स, निविदा आदि की बिक्री	2,01,100.00	3,04,900.00
2	सेवाओं से आय		
क)	श्रम और प्रसंस्करण प्रभार (सभागार बुकिंग / सम्मेलन)	90,000.00	1,98,000.00
जोड़		**2,91,100.00**	**5,02,900.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - अनुदान/आर्थिक सहायता

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
(अप्रत्यादेय अनुदान/ प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1) केंद्र सरकार		
2) राज्य सरकार (सरकारें)		
3) सरकारी अभिकरण		
4) संस्थान/कल्याण निकाय		
5) अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6) अन्य (निर्दिष्ट करें)		
जोड़		

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची - शुल्क/अभिदान

(राशि रुपए)

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क		
क) पंजीकरण शुल्क	7,35,000.00	8,20,000.00
ख) दाखिला शुल्क		
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-
जोड़	**7,35,000.00**	**8,20,000.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 8 - अर्जित ब्याज (राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1)	सावधि जमा पर		
क)	अनुसूचित बैंकों में	33,96,418.44	24,56,440.26
ख)	गैर-अनुसूचित बैंको में		
ग)	निधि सावधि जमा पर ब्याज	-	7,13,241.65
घ)	अन्य		
2)	बचत खाते पर		
क)	अनुसूचित बैंकों में	5,39,331.00	4,55,142.00
ख)	गैर-अनुसूचित बैंको में		
ग)	संस्थानों में		
घ)	अन्य		
3)	आयकर प्रतिदाय पर ब्याज		
जोड़		**39,35,749.44**	**36,24,823.91**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 9 - अन्य आय

(राशि रुपए)

		चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1)	विविध आय		
क)	स्टाफ कार का व्यक्तिगत उपयोग		
ख)	अन्य (वसूली)	85,728.00	100.31
जोड़		**85,728.00**	**100.31**

ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 10 - स्थापना व्यय **(राशि रुपए)**

			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन और मजदूरी		5,87,453.50	11,67,356.00
ख)	भत्ते और वेतन			
ग)	भविष्य निधि में अंशदान		49,508.00	57,290.50
घ)	अन्य निधि में अंशदान			
	कें.स.स्वा.योजना	25,613.50	-	-
	घटाएं: कें.स.स्वा.योजना वसूली	-1500.00	24,113.50	-3425.00
जोड़			**6,61,075.00**	**12,21,221.50**

ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)
अध्यक्ष

ह0/-
(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)
मानद सचिव

ह0/-
(डॉ मीरा रजानी)
कोषाध्यक्ष

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

दिनांक 31 मार्च, 2020 को समाप्त अवधि के लिए आय और व्यय का भाग होने वाली अनुसूचियां

अनुसूची 11 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि

			(राशि रुपए)
		चालू वर्ष	**पिछला वर्ष**
क)	विद्युत और ऊर्जा, जल	4,24,916.50	2,50,309.50
ख)	मरम्मत और अनुरक्षण	6,16,624.50	2,63,116.50
ग)	डाक शुल्क, टेलीफोन और संचार प्रभार	88,814.00	2,25,039.00
घ)	मुद्रण और लेखन सामग्री	-	2,36,982.00
ङ)	यात्रा और वाहन व्यय	1,17,044.00	4,07,491.00
च)	व्यावसायिक प्रभार	4,49,067.00	1,44,712.00
छ)	अन्य:		
	बैंक प्रभार	1,892.00	2,186.21
	सुरक्षा एवं श्रमशक्ति प्रभार	6,19,009.00	5,60,539.00
	ब्रोच/ टाई लागत	5,37,862.00	49,875.00
	प्रदत्त आयकर	2,22,60.00	
	विविध व्यय	3,667.00	33,069.00
जोड़		**28,81,156.00**	**21,73,319.00**

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन
सदस्यता सं. 11856

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत)

महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ और 31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

क) महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ

1. लेखा परंपरा

वित्तीय वक्तव्य नकदी आधार पर ऐतिहासिक लागत परंपरा के अधीन तैयार किए गए हैं।

2. राजस्व मान्यता

राजस्व, दान, अनुदान प्राप्त होने पर दर्शाए गए हैं।

व्यय भुगतान होने पर दर्शाए गए हैं।

3. अचल परिसंपत्तियाँ

अचल परिसंपत्तियाँ मूल लागत पर दर्शायी गयी हैं।

4. अवमूल्यन

अचल परिसंपत्तियों का कोई अवमूल्यन नहीं किया गया है।

5. अनुदान

अनुदान लेखा में दानकर्ता के विशिष्ट निदेशों के अनुसार दर्शाए गए हैं।

सरकार से प्राप्त गैर-योजना अनुदान आवर्ती प्रकृति का है। गैर-योजना अनुदान (निवल पूंजी व्यय) आय व व्यय लेखा में जमा किया जाता है और पूंजी व्यय राशि पूंजीगत परिसंपत्तियाँ अनुदान निधि में अंतरित किया जाता है।

ख) लेखा का भाग होने वाली टिप्पणियाँ

6. वर्ष के दौरान सदस्यों से प्राप्त 100% आजीवन सदस्यता शुल्क पूंजी निधि में जमा करवाया गया।

7. व्याख्यानों और पुरस्कार के लिए अकादमी को प्राप्त संचित निधि दानकर्ता के निदेशों के अनुसार उसी विशेष निधि को निर्धारित कर दी गई है और उस राशि को बैंक में अलग से आवधिक जमा योजनाओं में रखा गया है।

8. अकादमी की पुरानी और नई, श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र, दो इमारतें हैं। अकादमी और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित नियमों व शर्तों के अधीन पुरानी इमारत का आवास आपस में बाँट रहे हैं। अकादमी सभी अनुरक्षण व्यय वहन कर रही है और इस व्यय का 50% राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड से ले लिया जाता है और अनुरक्षण व्यय में से घटा दिया जाता है।

9. नई इमारत श्रीमती कमला रहेजा प्रेक्षागृह और बहु-व्यावसायिक शिक्षा के लिए जेएसबी केंद्र का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और अब कार्यात्मक हैं।

10. अचल परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन और खाता-बहियों से इसका मिलान लंबित है।

11. पिछले वर्ष के आंकड़ों को आवश्यकतानुसार पुनर्वर्गीकृत किया गया है।

ह0/-	ह0/-	ह0/-
(डॉ सरोज चूड़ामणि गोपाल)	(डॉ दीप एन. श्रीवास्तव)	(डॉ मीरा रजानी)
अध्यक्ष	**मानद सचिव**	**कोषाध्यक्ष**

हमारी संलग्न समतारीख की रिपोर्ट के अनुसार
कृते एचडीएसजी एंड एसोसिएट्स
चार्टर्ड लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं. 002871एन

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक: 10.12.2020

1 अप्रैल से 20 नवंबर, 2020 तक गतिविधियों की विशिष्टताएं

1. नैम्स परिषद् की दो बैठकें आयोजित हुई थीं:

   (क) विशेष परिषद् बैठक दिनांक 28 जुलाई, 2020 को और

   (ख) परिषद् बैठक दिनांक 6 नवंबर, 2020 को आयोजित हुई थी।

2. नैम्स परिषद् के उन सदस्यों की सूची निम्नलिखित है, जो अपना कार्यकाल समाप्त होने पर वर्ष 2020 के दौरान सेवानिवृत्त हुए और जो परिषद् के सदस्यों के रूप में निर्वाचित हुए हैं।

सेवानिवृत्त सदस्य	निर्वाचित सदस्य
1. डॉ. कमल बक्शी	डॉ. के. के. शर्मा
2. डॉ. जी. के. रथ	डॉ. अशोक कुमार शर्मा
3. डॉ. मोहन कामेस्वरन	डॉ. संजीव मिश्रा
4. डॉ. संजीव मिश्रा	डॉ. नरेंद्र कुमार अरोड़ा
5. डॉ. के. के. शर्मा	डॉ. रानी कुमार

3. वर्ष 2020 के लिए अध्येताओं और सदस्यों के रूप में निम्नलिखित उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं :

   विनियमन-V के अधीन निम्नलिखित उम्मीदवारों को अकादमी के सदस्यों (एमएनएएमएस) के रूप में प्रवेश दिया गया है:

अध्येता

1. डॉ. सौम्या अग्रवाल
2. डॉ. रुचिता मनकतला
3. डॉ. मनु शर्मा
4. डॉ. दिव्या अलामेलु एन
5. डॉ. अदिति सिंगला
6. डॉ. रूपल सामल
7. डॉ. नचिकेता घोष
8. डॉ. जयंत पॉल
9. डॉ. श्रीनिवास एच
10. डॉ. जॉली कुरियन

11. डॉ. गेरगेट रीमा अनिल
12. डॉ पायल चौहान
13. डॉ. नीतू शर्मा
14. डॉ. हिमांशु शुक्ला
15. डॉ. पाटिल दत्तात्रेय दिलीप
16. डॉ. खरे श्वेता हरिप्रकाश
17. डॉ. मोहम्मद मुनीर वी
18. डॉ. बलवंत ए
19. डॉ. अभिषेक रॉय
20. डॉ. विनोथ कुमार एसपी
21. डॉ. नमित कालरा
22. डॉ. मायाकर सारिका विलास
23. डॉ. सी आर नागार्जुन
24. डॉ. विभा तनेजा
25. डॉ. सैकत समददर
26. डॉ. अक्षत गुप्ता
27. डॉ. माया पी
28. डॉ. धर्मखेले शीतल अभय
29. डॉ. मेनका वर्मा
30. डॉ. बेनूर जोएल शद्रक
31. डॉ. जोसेफ थॉमस
32. डॉ. शिबू ससिधरन
33. डॉ. सुरभि राठौर
34. डॉ. इप्सिता चट्टोपाध्याय
35. डॉ. सौरभ जैन
36. डॉ. पारिजात जोशी
37. डॉ. अब्दुल रजीक टी
38. डॉ. भुवना के बी
39. डॉ. दुबे इंद्र प्रकाश
40. डॉ. अभिषेक महतो
41. डॉ. सत्येंद्र रघुवंशी
42. डॉ. दिव्या आहूजा
43. डॉ. प्रतीक मूंधड़ा
44. डॉ. प्रियंका सिंह
45. डॉ. रेणु महाजन
46. डॉ. नितिन प्रकाशन नायर
47. डॉ. परमेश्वर तुषार
48. डॉ. शिलाई प्रियंवदा
49. डॉ. कुमार हिमांशु
50. डॉ. अविनाश गोस्वामी
51. डॉ. काव्या आर उपाध्याय
52. डॉ. गगनदीप सिंह
53. डॉ. अभिषेक गुग्लियानी
54. डॉ. सागर हर्षद उत्तमराव
55. डॉ. सुमंत पांजा
56. डॉ. संदीप वर्नेकर
57. डॉ. नेहा सिंह मलिक
58. डॉ. योगेन्द्र कुमार
59. डॉ. नितिन शिवदास पी. शिवदासानाचारी
60. डॉ. सुजेश एस
61. डॉ. सुशोभन मोंडल
62. डॉ. सुबासी दास
63. डॉ. गुरप्रीत सिंह भल्ला
64. डॉ. स्नेहाशीष मुखर्जी
65. सत्य प्रकाश जिंदल
66. डॉ. जालान राहुल कमल
67. डॉ. प्रणव एच। एस

68. डॉ. श्रुति बद्रीनाथ
69. डॉ. त्रिनेत्र अनीता डीसीटो
70. डॉ. विकास देशवाल
71. डॉ. पीयूष
72. डॉ. प्रसाद कुमार आर
73. डॉ. शशांक गुप्ता
74. डॉ. निशा जैन
75. डॉ. राजा शेखर गली
76. डॉ. विजेंद्र रूपरेला
77. डॉ. टेकनी हेमाली भगवान
78. डॉ. विभा गांधी
79. डॉ. हरराम मित्तल
80. डॉ. सुरेश कुमार एस
81. डॉ. ऋषभ अग्रवाल
82. डॉ. जयेंद्र सुब्बारमन
83. डॉ. सोजित तोमो
84. डॉ. प्रवीण कुमार पी
85. डॉ. शादिया सी
86. डॉ. विनयकुमार एस
87. डॉ. विद्याश्री
88. डॉ. गणेश
89. डॉ. जयराम एस
90. डॉ. अंकन गुप्ता
91. डॉ. याराम नागार्जुन रेड्डी
92. डॉ. मनीष कुमार शर्मा
93. डॉ. सीमा पटेल
94. डॉ. जितेंद्र शुक्ला
95. डॉ. विष्णु मोहन एम
96. डॉ. रितेश जायसवाल
97. डॉ. सुमित लवानिया
98. डॉ. लोखंडे विवेक सुभाष
99. डॉ. जाधव मनोज बाबूराव
100. डॉ. वेलमुरुगन टी
101. डॉ. जसमी जॉय
102. डॉ. किरण महेन्द्रू
103. डॉ. अभिषेक कुमार
104. डॉ. सृष्टि सिंह
105. डॉ. राज कुमार
106. डॉ. मनीष जोसेफ मैथ्यू
107. डॉ. जितेंद्र वाधवानी
108. डॉ. चंचल कुमार सिंह
109. डॉ. कैत संतोष पांडुरंग
110. डॉ. पंकज गुप्ता
111. डॉ. श्रीकांत एस
112. डॉ. अभिषेक
113. डॉ. जाह्नवी धर
114. डॉ. नेजुमनेसा एम के
115. डॉ. नाज़रेथ विनय फिलिप
116. डॉ. गोयल निशांत देवीचंद
117. डॉ. शोभना
118. डॉ. शिवेंद्र सिंह
119. डॉ. नित्या सिंह
120. डॉ. मनीष रंजन
121. डॉ. आनंदनी गरिमा मुरलीधर
122. डॉ. नरेश डी
123. डॉ. देशपांडे अजिंक्य नितिन
124. डॉ. ममता खजान गीता गोयल
125. डॉ. श्रीलक्ष्मी आर नायर

126. डॉ. नवदीप सिंह नंदा
127. डॉ. हिमांशु बाजपेयी
128. डॉ. सतीश कुमार जे
129. डॉ. कुलकर्णी अमेय उमेश
130. डॉ. अंकित कटारिया
131. डॉ. बनर्जी वेंकट
132. डॉ. आकृति कपूर
133. डॉ. शशवत वर्मा
134. डॉ. अनामिका
135. डॉ. आस्था सिंह
136. डॉ. राजेश कृष्ण पी
137. डॉ. गौरव अग्रवाल
138. डॉ. प्रियंका मीणा
139. डॉ. जेरिन सी शेखर
140. डॉ. रविंद्रन आर
141. डॉ. मसलेकर सागर श्रीराम
142. डॉ. सुभ्रदीप मजुमदार
143. डॉ. मनीष मलिक
144. डॉ. प्रियांक मनोजकुमार जोशी
145. डॉ. कोटमीरे विद्या सुभाष
146. डॉ. पवार सवनकुमार हनुमंथराव
147. डॉ. चौधरी नयन लक्ष्मण
148. डॉ. आकांक्षा जैन
149. डॉ. वरुण चौधरी
150. डॉ. प्रदीप परमार
151. डॉ. अजीफ अली उस्मान
152. डॉ. मनीष अशोककुमार मदनानी
153. डॉ. संदीप चौहान
154. *डॉ. सैम पी मैथ्यू
155. डॉ. निमिता के मोहन
156. डॉ. हनी गुप्ता
157. डॉ. किंग्स्टन विजय असीर मैनुअल
158. डॉ. रोहित भारद्वाज
159. डॉ. वी शक्ति मालथी
160. डॉ. नर्मदा डी
161. डॉ. आकाश माथुर
162. डॉ. महेश कुमार
163. डॉ. पलभा खन्ना
164. डॉ. सुनील कुमार वी
165. डॉ. सुमेध कुमार
166. डॉ. अर्नब सैनी
167. डॉ. बालाजी तुलसे दास वी
168. डॉ. अंकुश जाजोदिया
169. डॉ. कोमल चोपड़ा
170. डॉ. कवीश कपूर
171. डॉ. नंदिनी के एस
172. डॉ. सुबीन आर मुल्लामाला
173. डॉ. वेणु एन
174. डॉ. वरुण वर्मा
175. डॉ. बुवनेश्वरी एस
176. डॉ. एवलीन लौरडू रानी सी
177. डॉ. चितरंजन मिश्र
178. डॉ. मीरा लखटकिया
179. डॉ. आर निखिल कुमार पटनायक
180. डॉ. राहुल अग्रवाल
181. डॉ. राकेश कुमार पारीक
182. डॉ. पालकर अमित हरिश्चंद्र
183. डॉ. रितिका सक्सेना

184. डॉ. निधि नैय्यर
185. डॉ. अन्वित एच. एस
186. डॉ. श्रुति शर्मा
187. डॉ. तिष्या सिंह
188. डॉ. कार्थीगा डी
189. डॉ. सुनीथ कुरीकोस
190. डॉ. एस सरथ कुमार
191. डॉ. दाउरा सौरभ विनोद डावरा
192. डॉ. कांकरे स्वप्निल बाबूप्पा
193. डॉ. टिट्टी मैरी थॉमस
194. डॉ. अर्धेंदु शेखर सतपथी
195. डॉ. राज कुमार मानस
196. डॉ. महेश कुमार गुप्ता
197. डॉ. भरत कुमार आर जे
198. डॉ. मोहम्मद बशीर एम
199. डॉ प्रहलाद कुमार सिंघी
200. डॉ. सीतांशु बारिक
201. डॉ. मनु प्रताप
202. डॉ. जायसवाल प्रफुल्ल प्रदीप
203. डॉ. कौशलेंद्र सिंह
204. डॉ. मधु प्रिया
205. डॉ. रुचि सिंह
206. डॉ. संजीव कुमार सिंह चौहान
207. डॉ. सुरेंदर बाना
208. डॉ. कमल पांडियन
209. *डॉ. कावेरी रचना राजेंद्र
210. डॉ. संदीप कुमार अग्रवाल
211. डॉ. नेहा वर्मा
212. डॉ. गोपीनाथ दुरीसामी
213. डॉ. अनूप सी
214. डॉ. प्रेमा प्रिया जी
215. डॉ. उज्ज्वल शर्मा
216. डॉ. अनीस जॉय
217. डॉ. लक्ष्मी प्रतीक राठौर
218. डॉ. घुगे सचिन व्यंकटराव
219. डॉ. महालक्ष्मी आर
220. डॉ. गुरुप्रसाद एन
221. डॉ. करिश्मा गोयल
222. डॉ. रुबेना याकूब
223. डॉ. रामकृष्ण मोंडल
224. डॉ. जोशी सौरभ अनंत
225. डॉ. गुरमीत सिंह
226. डॉ. बोर्डे अरविंद बापूसाहेब
227. डॉ. पचोर पंडित भीमराज
228. डॉ. गौरी शंकर बी
229. डॉ. विशाल भंडारी
230. डॉ. नीतू बलानी
231. डॉ. मोर अमोल पांडुरंग
232. डॉ. मुजीब वी आर
233. डॉ. स्वाति तिवारी
234. डॉ. मेलसी क्लीटेस
235. डॉ. बीना के
236. डॉ. नीरज मुमवालिया
237. डॉ. शंकर जे
238. डॉ. नील कंठ इस्सर
239. डॉ. पारखी मयूर विलास
240. डॉ. अजोय एस एम
241. डॉ. अपर्णा जे

242. डॉ. जोलसाना ऑगस्टीन
243. डॉ झा पंकज सत्यनारायण
244. *डॉ. दमनदीप कौर
245. डॉ. देसाई जिगर राजेश
246. डॉ. नेहा दुबे
247. डॉ. धवल शर्मा
248. डॉ. नेहा सिंह
249. डॉ. अंशु शर्मा
250. डॉ. सुदीविया शर्मा
251. डॉ. आज़ाद खान
252. डॉ. गुंडू गंगाधर
253. डॉ. जायसवाल सौरभ विजयकुमार
254. डॉ. चंदना कृष्णा
255. डॉ. पाटिल आरती कालिदास
256. डॉ. गोवर्धन मी प्रवीण जयराम
257. डॉ. शमील फैसल
258. डॉ. नूपुर गुप्ता
259. डॉ. शफ्फाफ अब्दुल करीम
260. डॉ. पोताला कृष्ण मोहन
261. डॉ. कार्तिक आर
262. डॉ. पुलक निगम
263. डॉ. विनय अशोक हुरकादली
264. डॉ. अनमोल शर्मा
265. डॉ. राहुल पी
266. डॉ. दीपिका मलिक
267. डॉ. विपिन कुमार
268. डॉ. भूषण शाह
269. डॉ. सैफुल्ला खालिद
270. डॉ. प्रदीप ज्ञानप्रकाश जाधव
271. डॉ. आशुतोष कुमार पांडे
272. डॉ. श्रीधर गोपाल आर
273. डॉ. दीपा शिवानी
274. डॉ. सोमक घोष
275. डॉ. प्रवीण कुमार एम
276. डॉ. सफदर बशीर
277. डॉ. प्रशोब एन
278. डॉ. रोहरा मनीषा श्रवणकुमार
279. डॉ. अनीता वी
280. डॉ. नेहा वरुण
281. डॉ. वैशाली सिंह
282. डॉ. मेहता सुमीतकौर तरविंदरसिंह
283. डॉ. लोठे शरवरी मधुकर
284. डॉ. पाटिल सुदर्शन नारायण
285. डॉ. योगेश सोनी
286. डॉ. प्रतीक जैन
287. डॉ. राम सुधन एस
288. डॉ. मिश्र विनयकुमार
289. डॉ. भानुशाली अश्विन कंजीभाई
290. *डॉ. नम्रता तिवारी
291. डॉ. शेख मुज़म्मिल शिराज
292. डॉ. रुचिर ज़ानीसलीम अहमद
293. डॉ. अंशुल पाहवा
294. डॉ. पाटिल त्रिशला अनिल
295. डॉ. अग्निहोत्री अक्षय प्रशांत
296. डॉ. अर्नब घोष
297. डॉ. अनंत श्रीकृष्ण सोमयाजी
298. डॉ. कनुप्रिया
299. डॉ. रांगे धनश्री विनय

300. डॉ. सागर अजीत वर्धमान
301. डॉ. कोमल जैन
302. डॉ. अग्रवाल प्रीतेश ओमप्रकाश
303. डॉ. सिमना राजन
304. डॉ. राजेश पाहवा
305. डॉ. रामकुमार एस
306. डॉ. निखिल कुमार
307. डॉ. वखारिया राहुल जितेंद्र
308. डॉ. आशीष
309. डॉ. दिव्या पांडे
310. डॉ. गौराब बनर्जी
311. डॉ. अभय के कट्टपुर
312. डॉ. टेकानी जयदत्त भगवान
313. डॉ. प्रसाद मनीष
314. डॉ. वडाकथिल एलिजाबेथ कोशी लुकोस
315. डॉ. अथुल यू
316. डॉ. अरुण कुमार
317. डॉ. भरत राजकुमार
318. डॉ. नितिन गोयल
319. डॉ. रंजीत इमैनुअल जेम्स पी
320. डॉ. शारदा श्रीनाथ
321. डॉ. शिल्पा अग्रवाल
322. डॉ. दिलीप पी चंद्रशेखर
323. डॉ. देबासीस चक्रवर्ती
324. डॉ. सुनीता एस
325. डॉ. दिलेश के एस
326. डॉ. भारती योगेश मनोहरलाल
327. डॉ. अन्ना राजन
328. डॉ. पटेल गजनफर
329. डॉ. देवरकोंडा भार्गव
330. डॉ. प्रदीप कुमार वेंकट
331. डॉ. आशीष द्विवेदी
332. डॉ. शुभ्रोजवाल साहा
333. डॉ. श्रीपुर्णा मेद्दा
334. डॉ. रिजवान्हमद अब्दुलहद शेख
335. डॉ. सुब्रत महापात्र
336. डॉ. बंदेबुचे अजिंक्य रमेश
337. डॉ. भिसे मयूरी प्रमोद
338. डॉ. अभिषेक अग्रवाल
339. डॉ. खुशबू अग्रवाल
340. डॉ. आशीष चोपड़ा
341. डॉ. शिखा चोपड़ा
342. डॉ. दीपक खंडेलवाल
343. डॉ. निधि गर्ग
344. डॉ. श्रुति खंडेलवाल
345. डॉ. हसबे राकेश अप्पासाहेब
346. डॉ. निखिल एस भारद्वाज
347. डॉ. यादव संदीपकुमार
348. डॉ. चंद्रचूर कोनारचोटेल
349. डॉ. भट्ट कृतिका रजनीकांत
350. डॉ. कुलकर्णी चैतन्य सुभाष
351. डॉ. विक्रांत पंवार
352. डॉ. गौहरि प्रधान
353. डॉ. पोते केदारेश्वर गुलाब
354. डॉ. फहद बापू टी ए
355. डॉ. भदाने प्रशांत हरि
356. डॉ. अरिंदम दास

357. डॉ. अर्पिता सूरी
358. डॉ. साहिल मिंगी
359. डॉ. गौरव शर्मा
360. डॉ. दीपशिखा मेलकानी
361. डॉ. सोनिया गर्ग
362. डॉ. शाह जेसिका श्रीकांत
363. डॉ. लोटे समीर दीपक
364. डॉ. कविता प्रकाश पल्लेड
365. डॉ. रुबेना अरोड़ा
366. डॉ. सिंह विक्रम
367. डॉ. प्रियंका दास
368. डॉ. सुमंत एल
369. डॉ. नवदीप कौर घुमन
370. डॉ. दिव्यानी गर्ग
371. डॉ. हरि एम नामपुथिर्य
372. डॉ. एंटो आनंद जी
373. डॉ. सौरभ देशमुख
374. डॉ. गुप्ता कृति शिवकुमार
375. डॉ. सौरभ बंसल
376. डॉ. विधु अशोक
377. डॉ. सौरभ अग्रवाल
378. डॉ. मनोज एम जी
379. डॉ. सिंघानिया खुशबू विनोद
380. डॉ. रामप्रसाद वी
381. *डॉ. कुरैशी शेख फहीम ए गनी
382. डॉ. कीर्तिराज
383. डॉ. ऋषभ जायसवाल
384. डॉ. रच स्वाति हिरेन
385. डॉ. मयंक महेंद्र
386. डॉ. मदिया तनवी दिलीप
387. डॉ. मनदीप कौर
388. डॉ. अजहर आलम
389. डॉ. आनंद प्रसाद
390. डॉ. जिज्ञास सिंह
391. *डॉ. अनूप बंडिल
392. डॉ. सुभाषिनी पी आर
393. डॉ. प्रभु विकाश आर
394. डॉ. सिद्धार्थ दत्ता
395. डॉ. वेलिस गिरीश भारत
396. डॉ. जोशीराव राम प्रकाश
397. डॉ. पांडेय सुनीलकुमार राधेश्याम
398. डॉ. गौरव मल्होत्रा
399. डॉ. धर्मेंद्र कुमार
400. डॉ. उषा आर
401. डॉ. अनिंद्य बिस्वास
402. डॉ. अंजलि आर
403. डॉ नीमू हेज
404. डॉ. विनोद कुमार पी
405. डॉ. अनूप एस
406. डॉ. अर्जुन आर प्रसाद
407. डॉ. सुरेखा बी
408. डॉ. सुभरा सुचरिता साहू
409. डॉ. शुभलक्ष्मी चौधरी
410. डॉ. विनोद कुमार
411. डॉ. नीरज शर्मा
412. डॉ. रुचि सक्सेना
413. डॉ. राव वरुण मंगेरम
414. डॉ. विश्व ज्योति शर्मा

415. डॉ. बेंजामिन खियांगटे
416. डॉ. हरप्रीत वालिया
417. डॉ. अमित नारंग
418. डॉ. अंकुश कुमार
419. डॉ. सुब्रत कुमार साहू
420. डॉ. सुमित कुमार
421. डॉ. परदीप कुमार
422. डॉ. अनुज खुराना
423. डॉ. मनप्रीत कौर
424. डॉ. अंकुर जैन
425. डॉ. सांबवी ए
426. डॉ. विशाल अग्रवाल
427. डॉ. श्रुति साईनाथ अंडोला
428. डॉ किशोर किशोर
429. डॉ. पंड्या पूजा गिरीशभाई
430. डॉ. पटेल रौनक दशरथभाई
431. डॉ. मोहन राज पी एस
432. डॉ. फ़रज़ाना मोहम्मद
433. डॉ. आबिद इकबाल वी टी
434. डॉ. मंगेश प्रकाश नरवाडे
435. डॉ. आयुषी कौशल
436. डॉ. बीबिन के बेबी
437. डॉ. कार्तिकेयन वी। पी
438. डॉ. मेहता निधि सतीश
439. डॉ. जैन प्रियांक राजेशकुमार
440. डॉ. सलिल महाजन
441. डॉ. इंद्रप्रीत सिंह वालिया
442. डॉ जीतू सैम जॉर्ज
443. डॉ. शिवानी गर्ग
444. डॉ. स्नेहा सौरभ
445. डॉ. कलकोटे प्रसाद राजकुमार
446. डॉ. ज्योति तनेजा
447. डॉ. अभिलाष एस
448. डॉ. सोनल श्रीवास्तव
449. डॉ. शिवशंकर टी एच
450. डॉ. मोहम्मद मुजफ्फर मुजाहिद
451. डॉ. विजय खंडेलवाल
452. डॉ. रिंचेन ज़ंगमो
453. डॉ. विपिन राणा
454. डॉ. नबजीत तालुकदार
455. डॉ. वर्षा कूल
456. डॉ. वरुण गुप्ता
457. डॉ. पंकज रमेश बत्रा
458. डॉ. अमित शर्मा
459. डॉ संजय कुमार बंद्योपाध्याय
460. *डॉ. सिंह सुनीता भानु प्रताप सिंह
461. डॉ. चक्षु चौधरी
462. डॉ. मृदुस्मिता खटियार
463. *डॉ. रूपपाल वर्मा
464. डॉ. श्रीजा के एस
465. डॉ. भगवतकर हितेंद्र महेन्द्र
466. डॉ. विजॉय कुमार झा
467. डॉ विवेक कुमार सिंह
468. डॉ. प्रीति के
469. डॉ. बिनय कुमार साहू
470. डॉ. अन्नू जून
471. डॉ. आर्य कुमार बानिदुत
472. डॉ. अशोक कुमार अहिरवार

473. डॉ. कासट पायल अरविंद
474. डॉ. कासट गायत्री अरविंद
475. डॉ. संग्राम केशरी पांडा
476. डॉ. सिंह संजीत कुमार जे
477. डॉ. मोदी राहुल राजन
478. डॉ. बोनी बैजू
479. डॉ. पीरू एस
480. डॉ. मधु राजेश्वरी एस
481. डॉ. अतुल धपे
482. डॉ. मुहम्मद शमीम सेराकत
483. डॉ. विनीता ओझा
484. डॉ. मानसी वर्मा
485. डॉ. हर्ष बत्रा
486. डॉ. विकास कुमार
487. डॉ. आदित्य अभिषेक झा बलीराम झा
488. डॉ. ज्योत्स्ना
489. *डॉ. जानकीराम एस. जे मथुरवैश्य
490. *डॉ. सिद्धान्त विजय
491. डॉ. पचड़े विनोद रामराव
492. डॉ. समीक्ष अग्रवाल
493. डॉ. कनिष्क किनरा
494. डॉ. सोनू गोयल
495. डॉ. नवीन बी मणिबणकर
496. डॉ. वाग यश संतोष
497. डॉ. रूपा मेहता
498. डॉ. विभा श्रीवास्तव
499. डॉ. गोलहर प्राजक्ता संजीव
500. डॉ. श्वेता जेटली
501. डॉ. राकेश कुमार
502. डॉ. अर्जुन जोशी
503. डॉ. विनयदीप बिडोलिया
504. डॉ. पवन कुमार
505. डॉ. बी सज्जाद अली
506. डॉ. मीनू सजीव कुमार
507. डॉ. सूद अतुल कुमार
508. *डॉ. अरुण वर्मा
509. *डॉ. मनमीत कौर
510. डॉ. हेमा नंदकुमार
511. डॉ. निखिल राजन
512. डॉ. अपूर्व टेक
513. *डॉ. मेहता गौरव जयनभाई
514. डॉ. आशुतोष गुप्ता
515. डॉ. प्रदीप मैथ्यू पूनोज
516. डॉ. पारेख मलय नितिनकुमार
517. डॉ. संघमित्रा चक्रवर्ती
518. डॉ. आर रवींद्रन

* 14 अपूर्ण

परिषद ने यह भी सिफारिश की कि सभी वांछित दस्तावेजों के साथ आवेदन पूरा होने के बाद शेष उम्मीदवारों को एमएनएएमएस से सम्मानित किया जा सकता है।

5. संगोष्ठी/ कार्यशाला/ सीएमई कार्यक्रम

देश में विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से प्राप्त सीएमई के प्रस्तावों में से अकादमी ने नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार दिनांक 1.04.2020 से 20.11.2020 तक 3 अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रम/ संगोष्ठी स्वीकृत किए हैं।

दिनांक 01.04.2020 से 20.11.2020 तक अंतःसांस्थानिक सीएमई कार्यक्रमों के अधीन अनुदान दर्शाने वाली विवरणी

क्रम संख्या	विषय	जारी राशि (रुपए)
1	**"भारतीयों की पोषण आवश्यकताएँ"** पर सी. गोपालन स्मारक वेबिनार भारतीय पोषण प्रतिष्ठान, टाटा न्यास एवं राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (भारत) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 3 अक्तूबर 2020	आवश्यक्ता नहीं थी
2	**"कोविड - 19 एक वैश्विक स्वास्थ्य चिंता का विषय"** पर सीएमई कार्यक्रम नैम्स, दिल्ली; एम्स, दिल्ली; एम्स, जोधपुर; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 8 अक्तूबर 2020	24,800/-
3	**"कोविड - 19 वर्तमान मुद्दे और चुनौतियाँ"** पर सीएमई कार्यक्रम नैम्स, दिल्ली; एम्स, दिल्ली; एम्स, जोधपुर; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 9 अक्तूबर 2020	24,800/-

6. एनएएमएस वैज्ञानिक संगोष्ठी

प्रत्येक वर्ष, एनएएमएस के वार्षिक सम्मेलन के दौरान देश की स्वास्थ्य परिचर्या संबंधी आवश्यकताओं के अत्यधिक संगत विषय पर एक वैज्ञानिक संगोष्ठी आयोजित की जाती है। 28 जुलाई, 2020 को आयोजित परिषद की विशेष बैठक ने अनुशंसा की:

(क) 60 वां वार्षिक सम्मेलन (नैम्सकॉन - 2020) राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

(ख) नैम्स व्याख्यानों और पुरस्कारों जैसे वार्षिक सम्मेलन के वैज्ञानिक घटकों को वेबिनार के रूप में आयोजित किया जा सकता है।

नैम्स दिसंबर 2020 में दो वेबिनार आयोजित करने जा रहा है।

7. जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार

परिषद् ने 3 मार्च, 2020 को आयोजित बैठक में नियम 34 (डी) के तहत डॉ. मनोरमा बेरी, एफएएमएस, को व्यावसायिक उत्कृष्टता के ट्रैक रिकॉर्ड के साथ उच्च स्तर की विशेषज्ञता को मान्यता देते हुए वर्ष 2020 के लिए जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किए जाने का अनुमोदन किया है। वह प्रतिबद्ध पेशेवर और एक अच्छे विद्याविद् रही हैं। उन्होंने परिषद् सदस्य, कोषाध्यक्ष और विभिन्न स्थायी समितियों के सदस्य आदि के रूप में विभिन्न क्षमताओं में अकादमी की सेवा की है।

8. कोई अन्य मद:

(क) कोविड - 19 पर दो विशेष अंक प्रकाशित किए गए हैं (राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के क्रमांक 2 और 3 वर्ष वृत्तांत, अप्रैल और जुलाई 2020 के अंक) नैम्स की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

(ख) कोविड - 19 पर बहुभाषी सार्वजनिक संदेश नैम्स वेबसाइट और नैम्स यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हैं।